क्यों रामायणम के 'राजा दशरथ' बने दूरदर्शन के राम? अरुण गोविल की कास्टिंग का खुल गया राज

रॉयल बुलेटिन

तापमान - अधिकतम - 33
न्यूनतम - 23

प्रात : कालीन हिन्दी दैनिक

Royal Bulletin को ऑनलाइन पढ़ने के लिए QR Code SCAN करें

● वर्ष 42, ● अंक 279 RNI NO.43285/85 ● संस्करण- नगर ● मुजफ्फरनगर गुरूवार 08 अक्टूबर 2026 ● भाद्रपद शुक्ल 26 विक्रमी संवत ● पृष्ठ 12 ● मूल्य 4 रुपया

अब कर्ज लेना और चुकाना दोनों हुआ महंगा

● आरबीआई की चेतावनी-आगे कीमतें और भी बढ़ेंगी ● इससे फेस्टिव सीजन में खरीदारी कम होने का अंदेशा

नई दिल्ली (एजेंसी)। महंगाई बढ़ गई है, यह और बढ़ने वाली है, यह तय है। साथ में बैंकों से कर्ज लेना भी महंगा होने वाला है। ये बातें रिजर्व बैंक, यानी आरबीआई की हैं। इसके चलते आरबीआई को फरवरी 2023, यानी करीब 4 साल बाद रेपो रेट बढ़ाना पड़ा है। रेपो रेट 5.25 से बढ़ाकर 5.50 फीसदी कर दिया है। अब ये क्यों किया, इसे समझने के लिए सबसे पहले रेपो रेट समझना जरूरी है। रेपो रेट वो ब्याज दर है

जिस पर बैंक आरबीआई से कर्ज लेता है। फॉर्मूला ये है कि रिजर्व बैंक महंगा कर्ज बैंको को देगा तो बैंक लोगों को और महंगा कर्ज देंगे। इससे लोग कम कर्ज लेंगे और खर्च भी कम करेंगे। खर्च कम करेंगे तो मांग कम होगी, मांग कम होने से महंगाई काबू में रहेगी। आरबीआई ने महंगाई का अनुमान भी बढ़ाया है। अब 2026-27 में महंगाई दर 5.2 रहने का अनुमान है, जो पहले 5.0 फीसदी था। हालांकि, अर्थव्यवस्था के मोर्चे पर अच्छी खबर है। आरबीआई ने 2026-27 के लिए जीडीपी ग्रोथ का अनुमान 6.7 से बढ़ाकर 7.1 फीसदी कर दिया है। आरबीआई की मॉनिटरी पॉलिसी कमेटी की तीन दिन चली बैठक के बाद गवर्नर संजय मल्होत्रा ने 7 अक्टूबर को नए फैसलों की जानकारी दी।

फिलहाल ब्याज दरें घटने का रास्ता बंद

आरबीआई ने अपना रुख बदलकर 'कैलिब्रेटेड टाइटनिंग' कर दिया है। यानी, फिलहाल ब्याज दरों में कटौती का रास्ता पूरी तरह से बंद हो चुका है। आने वाली बैठकों में रिजर्व बैंक या तो दरों को जैसा है वैसा ही रखेगा, या फिर जरूरत पड़ने पर इन्हें और बढ़ा सकता है। रेलिगेयर ब्रोकिंग के अजीत मिश्रा का कहना है कि 0.25 फीसदी की यह बढ़ोतरी तो उम्मीद के मुताबिक ही थी, लेकिन असली बात नीति में बदलाव है। इससे साफ जाहिर होता है कि रिजर्व बैंक के लिए अब सबसे पहला काम महंगाई पर काबू पाना है।

मानसून सत्र स्थगित होने के बाद भी नहीं हुआ खत्म

संसद 54 दिन से बिना बैठक के, 37 साल का रिकॉर्ड टूटा, विशेष सत्र की अटकलें

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद के मानसून सत्र की बैठकें खत्म हुए करीब दो माह होने वाले हैं, लेकिन सत्र औपचारिक रूप से समाप्त नहीं हुआ। इसके बाद विशेष सत्र की अटकलें हैं। लोकसभा और राज्यसभा को 13 अगस्त को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित किया गया था। मंगलवार तक सत्रावसान की अधिसूचना जारी नहीं हुई। इस तरह दोनों सदन 54 दिन से बिना सत्रावसान के हैं। दोनों सदनों के एक साथ बिना सत्रावसान रहने की सबसे लंबी अवधि है। इससे

पहले 1989 में दोनों सदन 53 दिन ऐसी स्थिति में रहे थे। तब 18 अगस्त को स्थगित हुए थे।

● **अध्यादेश का रास्ता बंद पर इस सत्र में बैठक संभव**– सत्रावसान नहीं होने से सरकार के पास जरूरत पड़ने पर इसी सत्र की बैठक दोबारा बुलाने का विकल्प खुला है। सत्तारूढ़ खेमे से जुड़े सूत्रों के मुताबिक आने वाले दिनों में संसद की बैठक बुलाने की संभावनाओं को लेकर चर्चा है। राजनीतिक हलकों में परिसीमन, सीटों की संख्या बढ़ाने और महिला आरक्षण लागू करने से जुड़े मामले की अटकलें हैं।

संक्षिप्त समाचार

पश्चिम बंगाल का नाम बदलकर होगा पश्चिम बंग!

● शमिक भट्टाचार्य बोले-बिल लेकर आ रही सरकार

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल बीजेपी अध्यक्ष शमिक भट्टाचार्य ने बुधवार को कहा कि राज्य का नाम बदलकर पश्चिम बंग किया जाएगा और इसके लिए विधानसभा के पहले सत्र में एक बिल पेश किया जाएगा। नाम बदलने के बारे में दोबारा पूछे जाने पर न्यूज एजेंसी ने उनके हवाले से कहा, भाई, मुझे कितनी बार कहना होगा। नाम पश्चिम बंग ही होगा। उन्होंने इस हफ्ते की शुरुआत में ही संकेत दिया था कि

नाम बदलने की प्रक्रिया जल्द ही पूरी होने वाली है। उन्होंने कहा था कि पश्चिम बंग, बांग्ला और बंगा जैसे नामों का इस्तेमाल अब नहीं किया जाएगा। भट्टाचार्य ने सोमवार को कहा था, हां, बिल्कुल। पश्चिम बंग भवन... पश्चिम बंगाल का पश्चिम... अब आपको लंबे समय तक पश्चिम बंग, बांग्ला या बंगा जैसे नाम सुनने को नहीं मिलेंगे। पश्चिम बंग नाम आ रहा है। प्रस्तावित कानूनी कदम के बारे में बताते हुए बीजेपी के राज्य प्रमुख ने कहा कि इस बिल का मकसद राज्य के आधिकारिक नाम को उसकी ऐतिहासिक पहचान से जोड़ना है। उन्होंने कहा, बहुत जल्द पहले ही सत्र में हमारी सरकार एक बिल पेश करने जा रही है ताकि इस राज्य का नाम राज्य के इतिहास से गहराई से जुड़ा रहे और यही इसकी पहचान बनी रहे। इसीलिए राज्य का नाम पश्चिम बंग रखा जा रहा है। नाम बदलने के प्रस्ताव का एक लंबा इतिहास रहा है।

भारतीय नाविकों वाले जहाज पर 48 घंटे में तीसरा हमला

● ब्लैक सी में 2 हमले, यूक्रेनी ड्रोन तेल टैंकर से टकराया

मास्को (एजेंसी)। रूस के ब्लैक सी तट के पास एक तेल टैंकर पर समुद्री ड्रोन से हमला किया गया। हमले के बाद टैंकर में आग लग गई। टैंकर पर 23 लोगों का क्रू था। सभी भारतीय नागरिक थे और उन्हें सुरक्षित रेस्क्यू कर लिया गया। रूस के परिवहन मंत्रालय के मुताबिक, लाइबेरिया के झंडे वाले इस टैंकर पर हमले के बाद ब्लैक सी के पानी में कच्चा

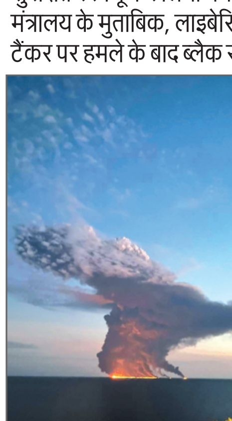

तेल जला। इससे रूस के रिसॉर्ट शहर सोची के कुछ हिस्सों में आसमान काले धुएं से ढक गया है। माना जा रहा है कि यह हमला यूक्रेन की तरफ से किया गया। बीते 48 घंटे में यह तीसरी बार है जब भारतीय नाविकों वाले जहाजों को निशाना बनाया गया है।

जहाज यूक्रेन की प्रतिबंध सूची में था– लाइबेरिया के झंडे वाले इस जहाज का नाम एफ्रामैक्स रियो है। द कीव इंडिपेंडेंट के मुताबिक, यह यूक्रेन की प्रतिबंध सूची में शामिल था। इसे रूस के कथित शैडो फ्लीट का हिस्सा बताया गया था। रूस का शैडो फ्लीट उन टैंकरों और जहाजों का नेटवर्क है, जिनका इस्तेमाल रूस पश्चिमी प्रतिबंधों से बचकर तेल समेत दूसरे सामान के निर्यात में करता है। यूक्रेन ने फरवरी में जहाज पर प्रतिबंध लगाए थे। उसका कहना था कि इस नेटवर्क के जहाज आय में मदद करते हैं।

जिसने मुझे गिराया, उसी ने खड़ा होना सिखाया

● पीएम मोदी 50 मिनट में 19 बार बोले-वी विल डू इट ● कहा-भारत के विकसित होने तक न थकूंगा, न ही रुकूंगा ● बतौर प्रधानमंत्री-मुख्यमंत्री 25 साल पूरे

नई दिल्ली/वडनगर (एजेंसी)। 'वी विल डू इट... हम करके दिखाएंगे। पीएम मोदी ने बुधवार को अपने सार्वजनिक जीवन के 25 साल पूरे होने पर आयोजित कार्यक्रम में इस नारे का 19 बार जिक्र किया। उन्होंने एक घंटे की स्पीच में कहा, जब तक भारत विकसित नहीं होता, तब तक न थकूंगा, न रुकूंगा।' उन्होंने कहा, 'मैं महत्वाकांक्षा नहीं, मिशन के लिए जीता हूं। जिसने मुझे गिराया, उसी ने खड़ा होना सिखाया। जिसने मेरा विरोध किया, उसने लोकतंत्र की शक्ति समझाई।' उन्होंने कहा कि 25 साल पीछे मुड़कर देखने पर उपलब्धियों से ज्यादा कृतज्ञता का भाव आता है। हर घटना ने कुछ सिखाया और नम्र होना सिखाया। ईश्वर से यही मांगा कि सीखने की इच्छा कभी कम न हो।

'25 साल में देश कहां पहुंचा, यह देखना जरूरी'

मोदी ने कहा, हमने इस राष्ट्र में जन्म लिया है, ये एहसास ही अमृत है। इसके सामने सत्ता सुख कुछ नहीं है। पद–प्रतिष्ठा तो कहीं भी मिल सकती है, लेकिन भारत जैसी पुण्यभूमि नहीं मिलेगी। 25 सालों का आंकलन इससे नहीं होगा कि मैं कहां पहुंचा, बल्कि इससे होगा कि मेरा देश कहां पहुंचा।

● **कई विभीषिकाएं, लेकिन कभी साहस नहीं टूटा**– पीएम ने कहा, हमारे दिल की हर धड़कन में क्या एक ही संकल्प नहीं गूंजना चाहिए कि हमें प्राचीन भारत के गौरव को पुनर्जीवित करना है। कभी भारत विश्व की अर्थव्यवस्था का नेतृत्व करता था। समय का चक्र बदला, गुलामी का कालखंड आया, भारत को लूटकर तबाह कर दिया गया।

मोदी बोले- ये समय आराम का नहीं है

पीएम ने कहा, हर चीज में भारत सिरमौर है। टेक्नोलॉजी, खेल, उद्योग में भारत का तिरंगा लहराए। आज पूरे विश्व में भारत के पायलट की चर्चा है। एक दिन वो भी आएगा, जब दुनिया मेड इन इंडिया प्लेन की चर्चा करेगी। ये लक्ष्य तभी पूरे होंगे, जब हम दूरदर्शी नीतियां बनाएं और परिश्रम की पराकाष्ठा करें। उन्होंने कहा, अब ये समय आराम का नहीं है।

2014 में देश निराशा में डूबा था

पीएम मोदी ने कहा, जब गुजरात पहुंचा तो प्रशासनिक व्यवस्था का ज्यादा ज्ञान नहीं था, तब सिर्फ जनशक्ति का भरोसा था। इसी विश्वास को मैंने अपना सामर्थ्य बनाया। मैंने जनता को साथ लेकर निर्णय लिए, नीतियां बनाई और इन्हें लागू किया। यही मंत्र– वी विल डू इट...जब जनता साथ हो तो परिणाम ही आते हैं। गुजरात ने करके दिखाया।

पीएम मोदी ने कहा, तब विकराल चुनौतियां मुंह बाए खड़ी थीं। देश का हर नागरिक नया रास्ता खोज रहा था। भारत की इकोनॉमी को लेकर दुनिया कहने लगी थी– इट्स अ गॉन केस। तब कोई ज्योत दिखती नहीं थी। निराशा में डूबे देश को आशा की जरूरत थी। उन्होंने कहा, मैंने वही काम किया, जो मुझे आता था। मैंने लोगों के साथ मिलकर काम किया और उनके साथ मिलकर फिर दोहराया– वी विल डू इट। अब तस्वीर बदल गई है। पीएम मोदी ने कहा, हमने इस राष्ट्र में जन्म लिया है, ये एहसास ही अमृत है। इसके सामने सत्ता सुख कुछ नहीं है। पद–प्रतिष्ठा तो कहीं भी मिल सकता है, लेकिन भारत जैसी पुण्यभूमि नहीं मिलेगी। वो भारत, जिसने अंधकार के युग में भी मानवता को ज्ञान दिया, मूल्यों का प्रकाश दिया, उसकी सेवा का मौका अमूल्य है। 25 सालों का आंकलन इससे नहीं होगा कि मैं कहां पहुंचा, बल्कि इससे होगा कि मेरा देश कहां पहुंचा। पीएम ने हमारी सरकार का मिशन 2047 है। हमें भारत को हर हाल में विकसित देश बनाना है।

नकल करते पकड़े जाने पर अब सीधे कार्रवाई नहीं

● आईआईटी बॉम्बे का निर्णय-पहले छात्र का पक्ष सुनेंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। छात्रों पर पढ़ाई का दबाव और आत्महत्या के मामलों को देखते हुए आईआईटी बॉम्बे कई नियम बदलने की तैयारी में है। इसी के तहत संस्थान ने परीक्षा में गड़बड़ी के आरोपों पर छात्रों के खिलाफ कार्रवाई के लिए नई एसओपी का ड्राफ्ट तैयार किया है। बीटेक छात्र साहिल

वाकोडे की 18 सितंबर को आत्महत्या के बाद तैयार किए गए इस ड्राफ्ट में छात्रों को आपत्ति दर्ज कराने और मार्गदर्शन लेने का मौका देने पर जोर दिया गया है। मसौदे पर इस सप्ताह होने वाली बैठक में फैसला होगा। नई एसओपी में नकल करते पकड़े जाने पर कार्रवाई से पहले छात्र को प्रमुख से बात करने का मौका देने का प्रावधान हो सकता है।

क्या बदलाव संभव, इससे क्या फायदा

तुरंत मेंटर सपोर्ट मिलेगा– अगर किसी छात्र को परीक्षा में गड़बड़ी या चीटिंग करते हुए पकड़ा जाता है, तो कार्रवाई से पहले उसे किसी मेंटर से बात करने का मौका दिया जाएगा। इन्विजिलेटर के लिए अलग से और स्पष्ट एसओपी होगा– इन्विजिलेटर को यह स्पष्ट निर्देश दिया जाएगा कि परीक्षा हॉल में संदिग्ध मामले के दौरान क्या किया जा सकता है और क्या नहीं। क्या दर्ज किया जाना जरूरी है।

जेल से ही बीमार दादी को वीडियो कॉल करेगा अमृतपाल

अमृतसर की कोर्ट ने दी 10 मिनट बात करने की इजाजत

अमृतसर (एजेंसी)। जिला अदालत ने खडूर साहिब के सांसद और वारिस पंजाब दे के नेता अमृतपाल सिंह को अपनी बीमार दादी से 10 मिनट की वीडियो कॉल

पर बात करने की इजाजत दी है। वर्तमान में अमृतपाल सिंह असम की डिब्रूगढ़ सेंट्रल जेल में बंद हैं। अमृतसर के अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश बरिंदर सिंह ने अमृतपाल के वकीलों की याचिका पर सुनवाई करते हुए यह आदेश दिया। अमृतपाल सिंह की ओर से पेश उनके वकीलों ने अदालत में याचिका दायर की थी और उनकी दादी की बीमारी को देखते हुए अदालत से वीडियो कॉल के जरिए उनसे बातचीत करने की अनुमति मांगी थी।

मिशन यूपी की लड़ाई फिर से 80 और 20 पर आ गई

● सीएम योगी ने कर दी यूपी चुनाव पर बड़ी भविष्यवाणी

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश से राज्यसभा की 10 सीटों के लिए होने वाले चुनाव की तस्वीर अब पूरी तरह से साफ हो गई है। बीजेपी ने 8 और सपा ने 2 उम्मीदवारों का नामांकन कराया है। सभी 10 उम्मीदवारों का निर्विरोध राज्यसभा जाना भी तय हो गया है। पहले कयास लगाए जा रहे थे कि समाजवादी पार्टी अपनी तरफ

से तीसरा उम्मीदवार उतारेगी और 10वीं सीट पर कुछ चौंकाने वाला मुकाबला देखने को मिल सकता है। लेकिन, मंगलवार को साफ हो गया कि सपा तीसरा उम्मीदवार नहीं उतारेगी। राज्यसभा चुनाव की इसी गहमागहमी के बीच सीएम योगी आदित्यनाथ ने यूपी चुनाव पर एक बड़ी भविष्यवाणी कर दी है।

सपा के पीछे हटने की कहीं ये वजह तो नहीं

सियासी जानकारों का मानना है कि अखिलेश यादव ने राज्यसभा चुनाव के लिए तीसरा उम्मीदवार इसलिए नहीं उतारा, क्योंकि इससे आने वाले विधानसभा चुनाव पर असर पड़ने का खतरा था। जो विधायक राज्यसभा चुनाव में वोटिंग करते, उन्हें चंद महीने बाद ही विधानसभा चुनाव में जनता के सामने वोट मांगने भी जाना है।

कैप्टन मच्छार के साहस पर फिदा संघ चीफ भागवत

18 दिन में दूसरी बार अहंकार पर बोले, कहा-घमंड त्यागें

बालाघाट (एजेंसी)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख डॉ. मोहन भागवत ने एक बार फिर समाज को आईना दिखाते हुए अहंकार त्यागने और वंचितों के कल्याण पर जोर दिया है। मध्य प्रदेश के बालाघाट के आदिवासी अंचल में दिए गए उनके इस संदेश के गहरे मायने हैं। खास बात यह है कि पिछले 18 दिनों के भीतर संघ प्रमुख का

अहंकार पर यह दूसरा बड़ा बयान है, जिससे राजनीतिक और सामाजिक हलकों में इसकी खासी चर्चा हो रही है। उन्होंने फ्लाईदुबई फ्लाइट के कैप्टन स्मित मच्छार के साहस की सराहना भी की। संघ प्रमुख ने समाज सेवा और जमीनी हकीकत से जुड़े कई अहम मुद्दों पर बात की।

सुप्रीम कोर्ट में तीन नए जजों ने ली शपथ

● सुनीता अग्रवाल बनीं 13वीं महिला जस्टिस, 37 हुई न्यायाधीशों संख्या

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट में मंगलवार को तीन नए जजों ने शपथ ली। इसके साथ ही देश की सबसे बड़ी अदालत में जजों की कार्यरत संख्या 37 हो गई, बता दें कि एससी में स्वीकृत क्षमता 38 जजों की है। यानी अब सुप्रीम कोर्ट में सिर्फ एक पद खाली है। जस्टिस सुनीता अग्रवाल, जस्टिस देवेंद्र कुमार उपाध्याय और जस्टिस अपरेश कुमार सिंह ने सीजेआई सूर्यकांत के सामने पद की शपथ ली। तीनों ने ईश्वर के नाम पर शपथ ली। इन तीन नियुक्तियों की खास बात यह भी है कि तीनों जज सुप्रीम कोर्ट आने से पहले अलग-अलग हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस

थे। जस्टिस सुनीता अग्रवाल गुजरात हाई कोर्ट, जस्टिस देवेंद्र दिल्ली हाई कोर्ट और जस्टिस अपरेश तेलंगाना हाई कोर्ट के।

पहली बार दोपहर में हुआ शपथ समारोह

इस बार शपथ समारोह भी खास रहा। सुप्रीम कोर्ट में आम तौर पर नए जजों को सुबह करीब 10.30 बजे शपथ दिलाई जाती है। मंगलवार को तीनों जजों का शपथ समारोह दोपहर 3.30 बजे रखा गया। उपलब्ध रिपोर्टों के मुताबिक, 1950 में सुप्रीम कोर्ट की स्थापना के बाद यह पहली बार था जब नए जजों का शपथ समारोह दोपहर में हुआ। जस्टिस सुनीता अग्रवाल के सुप्रीम कोर्ट पहुंचने से शीर्ष अदालत में महिला जजों की संख्या तीन हो गई है। वह सुप्रीम कोर्ट की 13वीं महिला जज हैं। मौजूदा दो महिला जज जस्टिस बीवी नागरत्ना और जस्टिस वी मोहना हैं। जस्टिस नागरत्ना सितंबर 2027 में देश की पहली महिला सीजेआई बनने वाली हैं। जस्टिस अग्रवाल को 2011 में इलाहाबाद हाई कोर्ट का जज बनाया गया था।

जजों की संख्या बढ़ाने के बाद भरे गए पद

सुप्रीम कोर्ट में जजों की स्वीकृत संख्या इसी साल बढ़ाई गई है। मई 2026 में अध्यादेश के जरिए जजों की संख्या 33 से बढ़ाकर 37 की गई, यानी सीजेआई को मिलाकर कुल स्वीकृत संख्या 38 हुई। इसके बाद संसद ने सुप्रीम कोर्ट जजों की संख्या बढ़ाने वाला संशोधन विधेयक पारित किया। जजों की संख्या बढ़ाने के पीछे सुप्रीम कोर्ट में लंबित मामलों का बोझ भी अहम वजह है। मंगलवार तक शीर्ष अदालत में करीब 95,481 मामले लंबित थे। नए जजों के आने से मामलों की सुनवाई और निपटारे की क्षमता बढ़ने की उम्मीद है। सुप्रीम कोर्ट ने 1950 में 8 जजों की स्वीकृत संख्या के साथ काम शुरू किया था। इसके बाद यह संख्या 1956 में 11, 1960 में 14, 1978 में 18, 1986 में 26 और 2009 में 31 हुई।

2026 का केमिस्ट्री नोबेल फ्रांस-जापान के वैज्ञानिकों को

अणुओं के मिरर इमेज की 100 साल पुरानी गुत्थी सुलझाई

स्टॉकहोम (एजेंसी)। 2026 का केमिस्ट्री नोबेल पुरस्कार फ्रांस के वैज्ञानिक हेनरी बी. कागन और जापान के केन्सो सोआई को दिया गया है। दोनों वैज्ञानिकों ने रसायन विज्ञान की

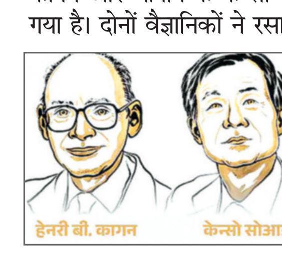

करीब 100 साल पुरानी गुत्थी सुलझाई है। हेनरी बी. कागन और केन्सो सोआई ने यह समझाने में बड़ी मदद की कि मिरर इमेज जैसे दिखने वाले दो अणुओं में से सिर्फ एक को कैसे बनाया जा सकता है। यह खोज खास तौर पर दवाएं बनाने में काम आ रही है। नोबेल पुरस्कार के विजेताओं को दिसंबर में स्वीडन की राजधानी स्टॉकहोम में सम्मानित किया जाएगा।

अनमोल वचन

संसार के समस्त प्राणी शान्ति की खोज में मारे-मारे फिर रहे हैं परन्तु शान्ति हाथ नहीं आ रही। यह बात अलग है कि अशान्त होने पर भी कोई शान्त होने का अभिनय कर रहा हो। कोई तो इसलिए अशान्त है कि उसका विवाह नहीं हुआ जबकि दूसरा अपनी बीवी के व्यवहार से दुःखी और अशान्त है। कोई सन्तान न होने के कारण अशान्त तो कोई सन्तान के व्यवहार के कारण अशान्त। कोई दूसरे की प्रगति देख ईर्ष्या वश अशान्त, सम्यक प्रतिस्पर्द्धा में अशान्त। विद्वान और मूर्ख पारस्परिक विषमता के कारण अशान्त, आमदनी अठन्नी और खर्चा रुपया जैसी समस्याओं से अशान्त। धनाढ्य अपने धन की सुरक्षा और उसके प्रबन्धन की किसी-सुनता के कारण अशान्त। बेरोजगार नौकरी न पाने के कारण अशान्त और जिसे नौकरी पा गई वह उसमें असन्तोष के कारण अशान्त। सूर्य चण्ड मण्डल मण्डल सभी अशान्त। सागर अशान्त उसकी लहरें भी अशान्त। पृथ्वी लगातार स्वयं को परिक्रमा करने से अशान्त, अग्नि की लपटें उद्योग औचक अशान्त। विडम्बना यह है कि जिसे प्रभु ने सब कुछ दिया वह उसके प्रति कृतज्ञता प्रकट नहीं करता, क्षमता होते भी अभावग्रस्त की सहायता नहीं करता बल्कि अशान्त होने का अभिनय करता है। याद रखिये क्षमतावान होते हुये भी जो परोपकारी नहीं है वह प्रभु के कोप के कारण सदा अशान्त ही रहेगा। दूसरों की सेवा करके देखिये आपके मन को अपार शान्ति का वरदान प्रभु कृपा से मिलेगा।

जनगणना-2027 के द्वितीय चरण के लिए तीन दिवसीय फील्ड ट्रेनर्स प्रशिक्षण शुरू

जिलाधिकारी ने किया शुभारंभ, फील्ड स्तर पर एकरूपता, शुद्धता और पारदर्शिता सुनिश्चित करने के दिए निर्देश

मुजफ्फरनगर। भारत की जनगणना-2027 के द्वितीय चरण के सफल, सुचारू एवं व्यवस्थित संचालन के लिए बुधवार को एस.डी. पब्लिक स्कूल, भोपा रोड, मुजफ्फरनगर में तीन दिवसीय फील्ड ट्रेनर्स प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ जिलाधिकारी द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में संबंधित अधिकारियों एवं प्रशिक्षणार्थियों को जनगणना की प्रक्रिया, डिजिटल तकनीक तथा फील्ड स्तर पर कार्यप्रणाली के संबंध में विस्तार से जानकारी दी गई।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिलाधिकारी ने कहा कि जनगणना से प्राप्त आंकड़े देश एवं प्रदेश की भविष्य की प्रशासनिक व्यवस्थाओं, विकास योजनाओं तथा जनकल्याणकारी नीतियों के निर्माण में महत्वपूर्ण आधार प्रदान करते हैं। ऐसे में जनगणना कार्य में आंकड़ों की शुद्धता और विश्वसनीयता अत्यंत महत्वपूर्ण है।

उन्होंने सभी संबंधित अधिकारियों एवं प्रशिक्षणार्थियों से प्रशिक्षण को पूरी गंभीरता और जिम्मेदारी के साथ ग्रहण करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि फील्ड स्तर पर जनगणना कार्य निर्धारित दिशा-निर्देशों के अनुरूप निष्पक्षता, पारदर्शिता और एकरूपता के साथ संपन्न कराया जाना चाहिए। उन्होंने डिजिटल तकनीक के प्रभावी उपयोग

के साथ-साथ प्रत्येक स्तर पर आपसी समन्वय बनाए रखने पर भी विशेष जोर दिया।

प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान फील्ड ट्रेनर्स को जनगणना-2027 के द्वितीय चरण की विस्तृत प्रक्रिया से अवगत कराया गया। इसके साथ ही डिजिटल प्रणालियों एवं तकनीकी संसाधनों के प्रभावी उपयोग, फील्ड स्तर पर अपनाई जाने वाली कार्यप्रणाली तथा मास्टर ट्रेनर्स द्वारा आगे दिए जाने वाले प्रशिक्षण की रूपरेखा के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी प्रदान की गई।

अपर जिलाधिकारी प्रशासन ने भी अधिकारियों एवं प्रशिक्षणार्थियों को प्रशिक्षण कार्यक्रम को पूर्ण गंभीरता, अनुशासन एवं दक्षता के साथ संपन्न कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि फील्ड स्तर पर जनगणना कार्य के दौरान एकरूपता, शुद्धता एवं पारदर्शिता का विशेष ध्यान रखा जाए तथा निर्धारित मानकों और दिशा-निर्देशों का पूर्ण अनुपालन सुनिश्चित किया जाए।

उन्होंने प्रशिक्षणार्थियों से कहा कि जनगणना कार्य से संबंधित प्रत्येक बिंदु को अच्छी तरह समझकर फील्ड में कार्यरत कर्मियों तक सही तरीके से पहुंचाया जाए, जिससे वास्तविक गणना के दौरान किसी प्रकार की भ्रम की स्थिति उत्पन्न न हो। कार्यक्रम में अपर जिलाधिकारी प्रशासन, उपजिलाधिकारी/उप जनगणना अधिकारी सदर, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, जनगणना निदेशालय से नामित प्रभारी, संबंधित चार्ज अधिकारीगण, जनगणना सहायक तथा संस्थान के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

तीन दिवसीय प्रशिक्षण के माध्यम से फील्ड ट्रेनर्स को जनगणना-2027 के द्वितीय चरण के लिए आवश्यक तकनीकी एवं व्यवहारिक जानकारी उपलब्ध कराई जा रही है, ताकि आगामी फील्ड कार्य को व्यवस्थित और निर्धारित मानकों के अनुरूप संपन्न कराया जा सके।

एमडी में गोल्ड मेडल हासिल किया, परिवार में खुशी की लहर

बुढ़ाना। कस्बे के मुहल्ला पछाला निवासी परिवार में खुशी का माहौल हो गया, जब यह समाचार मिला कि उनके पुत्र ने एमडी में गोल्डमेडल हासिल किया। कस्बे में अपना क्लीनिक चलाने वाले बीएएमएस चिकित्सक डॉ. रणवीर गोला के पुत्र डॉ. आशीष गोला ने एएमयू से एमडी डमार्टोलॉजी में सफलता प्राप्त की और गोल्डमेडल जीता। डॉ. आशीष गोला ने एमबीबीएस किंग जॉर्ज मेडिकल कॉलेज लखनऊ से की थी। डॉ. आशीष की बड़ी बहन डॉ. कंचन गोला भी ईएनटी सर्जन है और लखनऊ के एसजीपीजीआई में सीनियर रेजिडेंट के पद पर कार्यरत है। डॉ. आशीष का छोटा भाई प्रीत भी यूसीएमएस दिल्ली से एमबीबीएस की पढ़ाई कर रहा है। डॉ. आशीष को गोल्ड मेडल मिलने की सूचना मिलते ही लोगो का बधाई देने को तांता लग गया। पिता डॉ. रणवीर व मां राजेश बताया कि हमने उन्हें सिर्फ मेहनत करना सिखाया, बच्चों ने खुद अपनी राह बनाई है।

भोपा में पुलिस कार्रवाई पर ग्रामीणों का हंगामा, निर्दोषों से मारपीट का आरोप, महापंचायत में पुलिस का निष्पक्ष जांच का भरोसा

हिरण के सींग बरामदगी मामले में आरोपी के पिता व युवकों को हिरासत में लेने का विरोध

भोपा (मुजफ्फरनगर)। भोपा थाना क्षेत्र के गांव योगेंद्र नगर में पुलिसिया कार्रवाई के खिलाफ ग्रामीणों का गुस्सा फूट पड़ा। पुलिस द्वारा निर्दोष युवकों और एक आरोपी के पिता को अवैध हिरासत में रखकर मारपीट करने के गंभीर आरोपों को लेकर ग्रामीणों ने पंचायत बुलाई और जमकर हंगामा किया। इस दौरान आजाद समाज पार्टी (आसपा) के नेताओं ने भी मौके पर पहुंचकर पुलिस की कार्यप्रणाली पर गहरा रोष व्यक्त किया। रविदास मंदिर में पंचायत में उठा पुलिस उत्पीड़न का मुद्दा प्राप्त जानकारी के अनुसार, बुधवार की शाम गांव योगेंद्र नगर स्थित रविदास मंदिर परिसर में ग्रामीणों की एक आपातकालीन पंचायत आयोजित की गई। पंचायत में विशेष रूप से पहुंचे आजाद समाज पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव रविंद्र भाटी ने पुलिस प्रशासन को सीधे कटघरे में खड़ा किया। रविंद्र भाटी ने आरोप लगाया कि हाल ही में सामने आए हिरण के सींग बरामदगी मामले में पुलिस निर्दोष लोगों को निशाना बना रही है। उन्होंने दावा किया कि पुलिस ने गांव से कई युवकों को अवैध रूप से हिरासत में रखा और उनके साथ मारपीट की। इतना ही नहीं, मामले में नामजद आरोपी के पिता को भी थाने ले जाकर प्रताड़ित किया गया। आसपा नेता ने कहा कि पुलिस की इस एकतरफा कार्रवाई और भय के माहौल के कारण गांव के निर्दोष लोगों में दहशत व्याप्त है। दहशत का आलम यह है कि डर के मारे कुछ लोग गांव से पलायन करने को मजबूर हो गए हैं। पंचायत की सूचना मिलने पर मौके पर पहुंचे भोपा थाना प्रभारी आशुतोष कुमार के सामने आसपा नेता और ग्रामीणों ने पुलिस की इस प्रताड़ना पर कड़ा विरोध दर्ज कराया और निर्दोषों को तुरंत रिहा करने की मांग की। ग्रामीणों और जनप्रतिनिधियों के विरोध को देखते हुए थाना प्रभारी निरीक्षक आशुतोष कुमार ने स्थिति को संभालने का प्रयास किया। उन्होंने ग्रामीणों को शांत कराते हुए स्पष्ट किया कि पुलिस केवल निष्पक्ष जांच कर रही है और किसी भी निर्दोष व्यक्ति के खिलाफ कानूनी कार्रवाई नहीं की जाएगी। उन्होंने ग्रामीणों से किसी भी तरह की अफवाहों पर ध्यान न देने और शांति व्यवस्था बनाए रखने की अपील की। इस विरोध प्रदर्शन और पंचायत के दौरान गांव के तमाम गणमान्य और भारी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे। मुख्य रूप से अंकुर गंग वालिया, रॉबिन पाल, लोकपाल, अमित, हरेंद्र, मनीष, मैनपाल, धनीराम, मुनेश, भगवानदई, शकुंतला, ममतेश, बलवान, अजय, बलविंद्र, और राजेन्द्र पाल आदि ने पुलिस की इस कार्रवाई पर अपनी सख्त नाराजगी जताई।

सात साल की मासूम से दुष्कर्म के दो दोषियों को उम्रकैद, 1.20 लाख रुपये जुमार्ना

घर के बाहर खेल रही बालिका का अपहरण कर छत पर ले गए थे दोनों आरोपी, छह गवाह हो गए थे पक्षद्रोही; डीएनए रिपोर्ट बनी अहम साक्ष्य

मुजफ्फरनगर। बुढ़ाना क्षेत्र में घर के बाहर खेल रही सात वर्ष की मासूम बालिका का अपहरण कर उसके साथ दुष्कर्म करने के करीब छह साल पुराने मामले में न्यायालय ने दो दोषियों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। न्यायालय ने दोषी अकरम पुत्र जब्बार और आसिफ उर्फ देशी पुत्र फरमान पर कुल 1.20 लाख रुपये का जुमार्ना भी लगाया है। मुकदमे की सुनवाई के दौरान पीड़िता के माता-पिता समेत छह गवाह पक्षद्रोही हो गए थे, लेकिन अभियोजन के लिए दोषी आसिफ की डीएनए रिपोर्ट महत्वपूर्ण साक्ष्य साबित हुई। डीएनए जांच से बालिका के साथ दुष्कर्म की पुष्टि हुई। सहायक जिला शासकीय अधिवक्ता विनय अरोरा और विक्रांत राठी ने बताया कि वर्ष 2020 में बुढ़ाना क्षेत्र में सात वर्ष की बालिका घर के बाहर खेल रही थी। इसी दौरान दोनों आरोपित उसे बहला-फुसलाकर अपने साथ ले गए और एक मकान की छत पर ले जाकर उसके साथ दुष्कर्म किया। वारदात को अंजाम देने के बाद दोनों वहां से फरार हो गए। घटना की जानकारी होने पर बालिका के पिता ने पुलिस को तहरीर दी। तहरीर के आधार पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू की। पुलिस ने दोनों आरोपितों को 12 दिसंबर 2020 को गिरफ्तार कर लिया था। पुलिस ने विवेचना पूरी करने के बाद दोनों आरोपितों के खिलाफ 22 दिसंबर 2020 को न्यायालय में आरोप-पत्र दाखिल किया। मामले की सुनवाई के दौरान अभियोजन पक्ष की ओर से कुल नौ गवाह पेश किए गए। हालांकि सुनवाई के दौरान पीड़िता के माता-पिता समेत छह गवाह अपने पूर्व कथनों से मुकर गए और पक्षद्रोही हो गए।

रॉयल बुलेटिन

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक अनिल रॉयल ने मै. साईं प्रिंटिंग प्रेस, डी-85, सैक्टर-6 नोएडा-201301 से मुद्रित कराकर **रॉयल हाऊस, 174, गांधी कालौनी (उत्तरी), मुजफ्फरनगर (उ.प्र.) से प्रकाशित किया।**

सम्पादक:
◆अनिल रॉयल

✆:(0131) 2412222,
मो. 9412211222
e-mail Address :
royalbulletin@gmail.com

मानवता की एक बूंद, जीवन बचाए रक्तदान — नेशनल ब्लड डोनेशन सेवा पखवाड़े के अंतर्गत रक्तदान शिविर का शुभारंभ

मुजफ्फरनगर। सेवा पखवाड़े के अंतर्गत नेशनल ब्लड डोनेशन सेवा पखवाड़े के क्रम में आज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मखियाली में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का उद्घाटन जिला पंचायत प्रशासक डॉ. वीरपाल निरवाल एवं मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. सुनील तेवतिया द्वारा संयुक्त रूप से किया गया।

इस अवसर पर जिला पंचायत प्रशासक डॉ. वीरपाल निरवाल ने कहा कि रक्तदान मानवता की महान सेवा है। हमारे द्वारा किया गया रक्तदान किसी जरूरतमंद व्यक्ति के जीवन को बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। उन्होंने कहा कि स्वस्थ और पात्र लोगों को आगे आकर स्वैच्छिक रक्तदान करना चाहिए तथा समाज के अन्य लोगों को भी इसके लिए प्रेरित करना चाहिए। रक्तदान को केवल अभियान

तक सीमित न रखते हुए इसे निरंतर मानवीय सेवा की भावना से जोड़ने की आवश्यकता है।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. सुनील तेवतिया ने कहा कि रक्त की एक-एक बूंद किसी जरूरतमंद मरीज के लिए जीवन की नई उम्मीद बन सकती है। दुर्घटना में घायल व्यक्ति, गंभीर रोगी, प्रसूता तथा अन्य चिकित्सकीय परिस्थितियों में रक्त की आवश्यकता वाले मरीजों के उपचार में समय पर रक्त की उपलब्धता अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। उन्होंने आमजन से अपील की कि स्वस्थ एवं पात्र व्यक्ति स्वैच्छिक रक्तदान के लिए आगे आएं और रक्तदान के प्रति समाज में जागरूकता बढ़ाने में सहयोग करें।

कार्यक्रम में उपस्थित लोगों को स्वैच्छिक रक्तदान के लिए प्रेरित करते हुए संकल्प दिलाया गया कि वे स्वयं रक्तदान करेंगे, अपने परिवार एवं परिचितों को रक्तदान के लिए जागरूक करेंगे तथा रक्तदान से जुड़ी भ्रांतियों को दूर करने में सहयोग करेंगे।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मखियाली में आयोजित शिविर के दौरान रक्तदान करने वाले लोगों का आवश्यक स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। स्वास्थ्य विभाग की टीम ने रक्तदान की प्रक्रिया एवं सावधानियों के संबंध में जानकारी दी तथा रक्तदाताओं का उत्साहवर्धन किया। इस अवसर पर केंद्र के प्रभारी चिकित्सा अधीक्षक डॉ. भानु प्रताप, डॉ. कुम्मी ग्रेवाल, स्वास्थ्य शिक्षा अधिकारी योगेश त्यागी तथा एआरओ नितिन कुमार सहित स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

दुष्कर्म के चार आरोपियों को 10-10 वर्ष कठोर कारावास

50-50 हजार रुपये का अर्थदंड भी लगाया, 2011 के मामले में 15 वर्ष बाद आया फैसला

मुजफ्फरनगर। थाना खतौली क्षेत्र में वर्ष 2011 में युवती के साथ दुष्कर्म के मामले में अदालत ने चार आरोपियों को दोषी ठहराते हुए प्रत्येक को 10-10 वर्ष के कठोर कारावास तथा 50-50 हजार रुपये के अर्थदंड की सजा सुनाई है। मुजफ्फरनगर पुलिस के अनुसार प्रभावी विवेचना, साक्ष्य संकलन और अभियोजन की पैरवी के चलते यह सजा हुई है।

पुलिस के अनुसार 19 अगस्त 2011 को वादी ने थाना खतौली में लिखित तहरीर देकर आरोप लगाया था कि उसकी भतीजी के साथ मैनपाल पुत्र चन्द्रपाल, मोनू उर्फ मानदेव पुत्र लीलू नाई निवासी ग्राम जावन थाना खतौली, जोगेन्द्र पुत्र धर्मपाल निवासी मखदूमपुर तथा अंकित पुत्र धनपाल निवासी ग्राम अन्ती थाना खतौली द्वारा दुष्कर्म की घटना कारित की गई।

तहरीर के आधार पर थाना खतौली पुलिस ने तत्काल मुकदमा अपराध संख्या 606/2011, धारा 363, 366 एवं 376(2)G भादवि के तहत मुकदमा दर्ज किया। पुलिस ने आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश किया तथा मामले में साक्ष्य संकलित करते हुए विवेचना पूरी की। इसके बाद 7 नवंबर 2011 को आरोपियों के विरुद्ध आरोप पत्र न्यायालय में प्रेषित किया गया।

मुजफ्फरनगर पुलिस के अनुसार अपराधियों को सजा दिलाने के लिए चलाए जा रहे ऑपरेशन कन्विक्शन एवं मिशन शक्ति अभियान के तहत मामले में प्रभावी पैरवी की गई। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक संजय कुमार वर्मा के निर्देशन में पुलिस अधीक्षक नगर अमृत जैन एवं पुलिस अधीक्षक अपराध इन्दु सिद्धार्थ के निकट पर्यवेक्षण में क्षेत्राधिकारी खतौली सुभाष चन्द्रा तथा थाना प्रभारी खतौली दिनेश चन्द के नेतृत्व में पुलिस स्तर से पैरवी की गई।

पुलिस द्वारा समस्त गवाहों को समय से न्यायालय में उपस्थित कराया गया तथा अभियोजन की ओर से आरोपियों के विरुद्ध पर्याप्त साक्ष्य प्रस्तुत किए गए। एडीजीसी कमल कुमार एवं कोर्ट पैरोकार आरक्षी लोकेश कुमार द्वारा भी न्यायालय में प्रभावी पैरवी की गई। एडीजे/एफट-ीसी कोर्ट नंबर-2, मुजफ्फरनगर की न्यायाधीश श्रीमती शिवकुमारी ने मामले में फैसला सुनाते हुए चारों आरोपियों को धारा 366 एवं 376(2)ऋ भादवि के तहत दोषी ठहराया। अदालत ने मैनपाल, मोनू उर्फ मानदेव, जोगेन्द्र और अंकित को 10-10 वर्ष कठोर कारावास तथा प्रत्येक पर 50 हजार रुपये का अर्थदंड लगाया।

मुजफ्फरनगर पुलिस ने बताया कि गंभीर अपराध के इस मामले में प्रभावी पुलिस कार्रवाई और अभियोजन की पैरवी के परिणामस्वरूप आरोपियों को सजा दिलाई गई है। पुलिस के अनुसार इस प्रकार की कार्रवाई से अपराध के मामलों में प्रभावी अभियोजन और न्यायिक प्रक्रिया के प्रति आमजन का विश्वास मजबूत होता है।

भोपा में ऐतिहासिक रामलीला का आगाजः नारद मोह और शिव-पार्वती संवाद का मंचन, मंत्रमुग्ध हुए श्रद्धालु

अंग्रेजी शासनकाल से निरंतर जारी है आयोजन की परंपरा, रामायण पूजन के साथ शुरू हुआ मंचन

मोरना (मुजफ्फरनगर)। जनपद के भोपा गांव में अंग्रेजी शासनकाल से निरंतर आयोजित की जा रही ऐतिहासिक श्रीरामलीला का मंगलवार की रात रामायण पूजन और वैदिक मंत्रोचार के साथ भव्य शुभारंभ हुआ। मंचन के पहले दिन स्थानीय कलाकारों द्वारा नारद मोह तथा शिव-पार्वती संवाद जैसे पौराणिक प्रसंगों का जीवंत एवं मनोहारी मंचन किया गया। इस अलौकिक अवसर के साक्षी बनने और प्रभु राम की लीला का आनंद लेने के लिए भोपा सहित आसपास के कई गांवों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे।

पूर्व विधायक विक्रम सैनी ने किया उद्घाटन

रामलीला के शुभारंभ अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे पूर्व विधायक विक्रम सैनी ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का उद्घाटन किया। अपने संबोधन में उन्होंने रामलीला के सांस्कृतिक और आध्यात्मिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि रामलीला का हमारे समाज में अत्यंत विशेष स्थान है। यह न केवल हमारी पौराणिक संस्कृति को संजोए हुए है, बल्कि हमें मानवता, सदाचार और उच्च जीवन

मूल्यों की प्रेरणा भी देती है। उन्होंने कहा कि वर्तमान दौर में नैतिक मूल्यों में आ रही गिरावट को रोकने के लिए युवा पीढ़ी को भगवान श्रीराम के चरित्र, उनके आदर्शों और सत्य-धर्म के मार्ग को अपने जीवन में उतारने की महती आवश्यकता है। उन्होंने जोर देकर कहा कि ऐसे धार्मिक और सांस्कृतिक आयोजनों से समाज में आपसी सद्भाव, प्रेम और भाईचारे की नींव मजबूत होती है।

स्थानीय कलाकारों की सशक्त प्रस्तुति ने बाँधा समां

युवा रामलीला कमेटी के संरक्षक अमरपाल सैनी, अध्यक्ष अनिलकांत शर्मा तथा डायरेक्टर शुभम शर्मा के कुशल निर्देशन और संयोजन में मंचन का आयोजन किया गया। मंचन के दौरान कलाकार अंकित शर्मा, मनोज शर्मा, संजय प्रजापति, हनी वालिया, आशीष सैनी, अभिषेक, वाशु, शिवा और आर्यन राठी आदि ने अपने-अपने पात्रों में ढलकर इतना सशक्त अभिनय प्रस्तुत किया कि उपस्थित दर्शक भावविभोर हो गए और पूरा पांडाल जय श्रीराम के जयकारों से गूंज उठा।

कार्यक्रम में क्षेत्र के गणमान्य लोग रहे मौजूद

ऐतिहासिक रामलीला के इस पहले दिन धार्मिक उत्साह के साथ-साथ सामाजिक समरसता का दृश्य भी देखने को मिला। कार्यक्रम के दौरान तरूण प्रधान, नानक वालिया, अरविंद वालिया, सतपाल सिंह, ओमप्रकाश, रामकुमार, रूपेश प्रजापति, लोकदल जिला सचिव बंटी चौधरी, प्रदीप प्रजापति, मंगेश वालिया, अनिल पाल, राज कुमार भारद्वाज, सुरेन्द्र बालियान, शंकर कश्यप, ललित राठी, अनमोल राठी और सारांश वालिया सहित क्षेत्र के अनेक गणमान्य नागरिक और भारी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

कार्यालय नगर पंचायत मीरापुर (मुजफ्फरनगर)

पत्रांक :- 247/न0पं0म0/2026-27 | दिनांक : 07/10/2026

ई-निविदा आमंत्रण सूचना

समस्त पंजीकृत ठेकेदारों एवं फर्मों/सप्लायरों को सूचित किया जाता है कि नगर पंचायत मीरापुर को वित्तीय वर्ष 2026-27 में राज्य वित्त आयोग/सिबरेज़ एवं जल निकासी/पेयजल योजना/पं० दीन दयाल उपाध्याय नगर विकास योजना/झील-तालाब पोखर योजना से विकास कार्यों हेतु ई-निविदाएं दिनांक 02/11/2026 समय अपराह्न 1:00 बजे तक वेब-साईट www.etender.up.nic.in पर पंजीकृत ठेकेदार/फर्म/सप्लायरों से निर्धारित शर्तों के आधार पर आमंत्रित की जाती है। निविदा अभिलेख एवं शर्तें वेबसाईट www.etender.up.nic.in पर दिनांक 12/10/2026 समय पूर्वाह्न 10.00 बजे से दिनांक 02/11/2026 समय अपराह्न 1.00 बजे तक उपलब्ध रहेंगे। जहाँ से इसे डाउनलोड किया जा सकता है। दिनांक 02/11/2026 को समय अपराह्न 1.00 बजे तक वेबसाईट www.etender.up.nic.in पर समस्त पंजीकृत ठेकेदार/फर्म/सप्लायरों ऑनलाईन निविदा डाल सकते है। निविदा मूल्य दिनांक 02/11/2026 समय 1.00 बजे तक निर्धारित खाते में नकद, आर०टी०जी०एस०/एन०ई०एफ०टी०/ऑनलाईन जमा कराना अनिवार्य होगा। निविदाएं सक्षम अधिकारी द्वारा दिनांक 02/11/2026 को सायं 3.00 बजे अथवा अगले कार्यदिवस में खोली जायेगी। निविदाएं खोलते समय ठेकेदार उपस्थित रह सकते है। समस्त अथवा किसी भी निविदा को बिना कारण बताए निरस्त करने का अधिकार अधोहस्ताक्षरी में निहित होगा। अभिलेख एवं शर्तें नगर पंचायत, मीरापुर कार्यालय पर भी देखी जा सकती है।

Tender Reference	247 /NP Meerapur/2025-26
Publish Date and Time for RFP	12/10/2026 को पूर्वाहन 10.00 बजे
Last Date and Time for submission of E-Tender	02/11/2026 को अपराह्न 01.00 बजे
Date and Time of Opening Tender	02/11/2026 को अपराह्न 03.00 बजे
Place of Opening of E-Tender	Executive Officer, Office Meerapur
E-Tender Security	10% of Estimate
E-Tender document processing	As per List
E-Tender निविदा शुल्क/टेंडर मूल्य	As per List खाता संख्या-00162500000036 जिला सहकारी बैंक शाखा मीरापुर, IFSC CODE-UPCB00MUZAF में नकद, आर०टी०जी०एस०/एन०ई०एफ०टी०/ऑनलाईन।

नोट:- नियम व शर्तों को वेबसाइट www.etender.up.nic.in पर देखा जा सकता है।

अधिशासी अधिकारी
नगर पंचायत मीरापुर

अध्यक्ष
नगर पंचायत मीरापुर

कार्यालय जिला पंचायत, मुजफ्फरनगर

पंत्राक: 674 / जि०पं० / उप स्वास्थ्य केन्द्र / 26-27 | दिनांक: 07-10-2026

ई-निविदा सूचना

जिला पंचायतों के समस्त पंजीकृत ठेकेदारों एवं राज्य सरकार के सिंचाई विभाग व लोक निर्माण विभाग में पंजीकृत ठेकेदारों को सूचित किया जाता है कि जिला पंचायत, मुजफ्फरनगर द्वारा पन्द्रहवें वित्त आयोग (हैल्थ ग्रान्ट) योजनान्तर्गत स्वास्थ्य विभाग के भवन निर्माण कार्यों की ई-निविदा निम्नलिखित विवरण के अनुसार ई-टैण्डर पोर्टल https://etender.up.nic.in के माध्यम से आमन्त्रित की जाती है :-

कमांक	सूचना का प्रकार	तिथि एवं समय
1-	समाचार-पत्रों में निविदा सूचना के प्रकाशन की तिथि	08-10-2026
2-	ई-टैण्डर https://etender.up.nic.in पर निविदा प्रकाशित करने की तिथि	08-10-2026
3-	वेबसाइट पर निविदा डाउनलोड/अपलोड प्रारम्भ करने की तिथि	08-10-2026 01:00 PM
4-	वेबसाइट पर निविदा डाउनलोड/अपलोड करने की अंतिम तिथि	26-10-2026 01:00 PM
5-	ऑनलाइन निविदा खोले जाने की तिथि	26-10-2026 02:00 PM
6-	तकनीकी निविदा का मूल्यांकन (Technical Bid Evaluation)	निविदा खोले जाने के पश्चात
7-	वित्तीय निविदा का मूल्यांकन (Financial Bid Evaluation)	तकनीकी निविदा खोले जाने के पश्चात
8-	निविदा के साथ संलग्न मूल अभिलेख जमा करने की अंतिम तिथि	वित्तीय बिड खोले जाने के पश्चात

निर्माण कार्यों का विवरण निम्नवत है :-

कमांक	विकास खण्ड	कार्य का नाम	कार्य की लागत (लाख रू0 में) जी0एस0टी0 सहित	निविदा की धनराशि (लाख रू0 में) जी0एस0टी0 रहित	धरोहर धनराशि (रू0 में)	निविदा मूल्य जी0एस0टी0 सहित
1	2	3	4	5	6	7
1-	बुढ़ाना	उप स्वास्थ्य केन्द्र जैतपुर का निर्माण	41.19	34.91	82380	1180
2-	खतौली	उप स्वास्थ्य केन्द्र टिटोड़ा का निर्माण	41.19	34.91	82380	1180
3-	सदर	उप स्वास्थ्य केन्द्र चांदपुर का निर्माण	41.19	34.91	82380	1180

नोट:-- उपरोक्त निविदा के नियम व शर्तों से सम्बन्धित समस्त जानकारी ई-टैण्डर पोर्टल (https://etender.up.nic.in) पर देखी जा सकती है। साथ ही निविदा सम्बन्धित किसी भी जानकारी के लिए कार्यालय दिवस में कार्यालय जिला पंचायत मुजफ्फरनगर से सम्पर्क किया जा सकता है।

अभियंता
जिला पंचायत, मुजफ्फरनगर

अपर मुख्य अधिकारी
जिला पंचायत, मुजफ्फरनगर

प्रशासक
जिला पंचायत, मुजफ्फरनगर

रॉयल बुलेटिन
मुजफ्फरनगर समाचार
गुरूवार 08 अक्टूबर 2026 पृष्ठ 3

डिवाइडर से टकराते ही आग का गोला बना ट्रक, हाईवे पर मची चीख-पुकार

कवाल के पास पानीपत-खटीमा राजमार्ग पर देर रात भीषण हादसा, चालक ने कूदकर बचाई जान; धू-धूकर जलते ट्रक का खौफनाक वीडियो सुबह सोशल मीडिया पर वायरल

मुजफ्फरनगर। जानसठ कोतवाली क्षेत्र में मंगलवार रात पानीपत-खटीमा राष्ट्रीय राजमार्ग पर उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब तेज रफ्तार में जा रहा एक ट्रक डिवाइडर से टकराने के बाद अचानक आग की लपटों में घिर गया। कवाल गांव के पास हुए इस हादसे में देखते ही देखते ट्रक आग का गोला बन गया। ट्रक में आग भड़कती देखकर चालक ने किसी तरह कूदकर अपनी जान बचाई। कुछ ही मिनटों में आग ने पूरे ट्रक को अपनी चपेट में ले लिया और सड़क पर दूर तक धुएं का गुबार दिखाई देने लगा। मंगलवार रात हुए इस हादसे का खौफनाक वीडियो बुधवार सुबह सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया। वायरल वीडियो में ट्रक पूरी तरह आग की लपटों से घिरा नजर आ रहा है। आग इतनी विकराल थी कि ट्रक के ऊपर कई फीट ऊंची लपटें उठती दिखाई दे रही हैं। चारों तरफ काला धुआं फैला हुआ था। सड़क किनारे खड़े लोग इस भयावह मंजर को अपने मोबाइल कैमरों में कैद करते नजर आए। दूसरी ओर सूचना पर पहुंची दमकल टीम आग पर काबू पाने के लिए लगातार पानी की बौछार करती दिखाई दे रही है।

रात करीब नौ बजे हुआ हादसा, डिवाइडर से टकराया ट्रक

बताया गया कि मंगलवार रात करीब नौ बजे ट्रक पानीपत-खटीमा राष्ट्रीय राजमार्ग से होकर गुजर रहा था। कवाल गांव के पास पहुंचते ही ट्रक अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गया। टक्कर के बाद ट्रक में अचानक आग भड़क उठी। पहले ट्रक के एक हिस्से में आग लगी और देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया।

चालक को जैसे ही ट्रक में आग लगने का अहसास हुआ, उसने बिना समय गंवाए ट्रक से छलांग लगा दी। इस तरह चालक ने समय रहते अपनी जान बचा ली। आग इतनी तेजी से फैली कि ट्रक से सुरक्षित दूरी बनाना ही उसके लिए सबसे जरूरी हो गया।

देखते ही देखते आग की लपटों में घिर गया पूरा ट्रक

हादसे के बाद कुछ ही समय में ट्रक पूरी तरह आग की चपेट में आ गया। सड़क पर खड़े लोग दूर से ट्रक को धू-धूकर जलते देखते रहे। आग की ऊंची लपटों के कारण हाईवे पर गुजर रहे वाहन चालकों में भी दहशत का माहौल बन गया। मौके पर मौजूद लोगों ने घटना की सूचना पुलिस और दमकल विभाग को दी। सूचना मिलते ही जानसठ पुलिस, यूपी-112 की टीम और दमकल विभाग की गाड़ियां घटनास्थल की ओर रवाना हुईं। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर स्थिति संभाली और आसपास मौजूद लोगों को सुरक्षित दूरी पर किया।

दमकल की टीम ने चारों तरफ से घेरकर बुझाई आग

ट्रक में लगी आग की भयावहता को देखते हुए दमकल कर्मियों ने मोर्चा संभाला। ट्रक को चारों तरफ से घेरकर आग बुझाने का अभियान शुरू किया गया। आग की लपटें लगातार उठ रही थीं और घना धुआं फैल रहा था, जिसके चलते दमकल कर्मियों को भी काफी मशक्कत करनी पड़ी।

काफी देर की मेहनत के बाद दमकल कर्मियों ने आग पर काबू पाया। आग बुझने के बाद जब स्थिति सामान्य हुई तो ट्रक बुरी तरह क्षतिग्रस्त हालत में मिला। आग की चपेट में आने के कारण ट्रक का अधिकांश हिस्सा जल चुका था। मंगलवार रात घटनास्थल पर मौजूद लोगों ने जलते ट्रक की पूरी घटना अपने मोबाइल फोन में रिकॉर्ड कर ली थी। बुधवार सुबह इनमें से एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। वीडियो सामने आने के बाद हादसे की भयावहता लोगों के सामने आई। वायरल वीडियो में सड़क के बीच ट्रक आग की तेज लपटों से घिरा दिखाई देता है। ट्रक से निकलता काला धुआं आसमान की ओर उठता नजर आ रहा है। दमकल कर्मी आग पर पानी की बौछार करते दिखाई देते हैं, जबकि सड़क के आसपास लोग खड़े होकर घटना को देखते और मोबाइल से रिकॉर्ड करते नजर आते हैं। हादसे में सबसे राहत की बात यह रही कि चालक ने ट्रक में आग लगने के बाद समय रहते अपनी जान बचा ली। यदि आग लगने के बाद चालक ट्रक के अंदर फंस जाता तो स्थिति और गंभीर हो सकती थी। चालक द्वारा समय रहते ट्रक से बाहर निकलने के कारण किसी जनहानि की सूचना नहीं है।

हाईवे पर कुछ देर थमे वाहनों के पहिए ट्रक में आग लगने के बाद पानीपत-खटीमा राजमार्ग पर यातायात भी प्रभावित हुआ। आग की लपटों और मौके पर पहुंची पुलिस व दमकल की गाड़ियों के कारण हाईवे पर कुछ समय के लिए वाहनों की रफ्तार थम गई। दोनों ओर से गुजरने वाले वाहन चालकों को भी परेशानी का सामना करना पड़ा। दमकल कर्मियों द्वारा आग बुझाए जाने के बाद पुलिस ने क्षतिग्रस्त ट्रक को हटवाने की कार्रवाई शुरू की। क्रेन की मदद से ट्रक को सड़क के किनारे कराया गया। इसके बाद हाईवे पर यातायात को दोबारा सुचारू कराया गया। चलते ट्रक के डिवाइडर से टकराने के बाद उसमें आग लगने की घटना ने एक बार फिर हाईवे पर सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सवाल खड़े कर दिए हैं। गनीमत रही कि ट्रक में आग लगने के बावजूद चालक ने समय रहते बाहर निकलकर अपनी जान बचा ली। यदि आग तेजी से फैलने के दौरान आसपास अन्य वाहन मौजूद होते तो हादसा और गंभीर हो सकता था।

मीनाक्षी चौक से सुजड़ू चौराहे तक गरजा प्रशासन का बुलडोजर, अतिक्रमणकारियों में मचा हड़कंप

दो दिन पहले चेतावनी के बाद भी नहीं हटाया कब्जा तो सिटी मजिस्ट्रेट, व ईओ पलिका ने संभाला मोर्चा, 72 व्यापारियों को दिए गए थे नोटिस, दर्जनों चालान, पॉलीथिन व प्लास्टिक सामान जब्त

मुजफ्फरनगर। शहर में लगातार बढ़ रहे अवैध अतिक्रमण को लेकर प्रशासन ने अब सख्त रुख अपना लिया है। मीनाक्षी चौक से सुजड़ू चौराहे तक अतिक्रमण के खिलाफ एक बार फिर बड़ी कार्रवाई की गई। दो दिन पहले चेतावनी देने के बाद भी जब कई व्यापारियों ने सड़क और सार्वजनिक स्थान से अपना सामान नहीं हटाया तो बुधवार को सिटी मजिस्ट्रेट दीपक कुमार पाल के नेतृत्व में नगरपालिका की टीम भारी लाव-लश्कर के साथ मौके पर पहुंच गई। टीम को देखते ही अतिक्रमण करने वाले दुकानदारों और व्यापारियों में हड़कंप मच गया। नगरपालिका की टीम ने सड़क, फुटपाथ और सार्वजनिक स्थानों पर किए गए अस्थायी अतिक्रमण को हटवाना शुरू किया। कई स्थानों पर दुकानों के बाहर सड़क तक सामान फैलाकर रखा गया था। कहीं टीन शेड, तख्त और अन्य सामान के जरिए रास्ते को घेरा गया था तो कहीं दुकानदारों ने अपनी दुकान का सामान सड़क तक फैला रखा था। टीम ने मौके पर पहुंचकर ऐसे अतिक्रमण को हटवाया और दोबारा कब्जा न करने की सख्त चेतावनी दी। मीनाक्षी चौक क्षेत्र में अतिक्रमण को लेकर प्रशासन की ओर से पहले ही कार्रवाई की तैयारी की गई थी। करीब दो दिन पहले सिटी मजिस्ट्रेट दीपक कुमार पाल ने मौके पर पहुंचकर अतिक्रमणकारियों को स्पष्ट चेतावनी दी थी कि सड़क और फुटपाथ से अपना सामान हटा लें। इसके बाद नगरपालिका की ओर से भी अतिक्रमण करने वाले व्यापारियों को नोटिस जारी किए गए थे। नगरपालिका ईओ पवन कुमार की ओर से करीब 72 व्यापारियों को नोटिस भेजे गए थे। नोटिस में संबंधित व्यापारियों को अतिक्रमण हटाने के लिए कहा गया था। इसके बावजूद कई स्थानों पर अतिक्रमण जस का तस बना रहा। प्रशासन ने इसे

गंभीरता से लेते हुए बुधवार को अभियान शुरू कर दिया। सिटी मजिस्ट्रेट दीपक कुमार पाल स्वयं अभियान की निगरानी करते नजर आए। उनके नेतृत्व में नगरपालिका की टीम मीनाक्षी चौक से आगे सुजड़ू चौराहे की ओर बढ़ी। टीम ने रास्ते में आने वाले अतिक्रमण को चिह्नित कर कार्रवाई की। प्रशासनिक अमले की मौजूदगी और कार्रवाई को देखते हुए कई दुकानदारों ने आनन-फानन में अपना सामान समेटना शुरू कर दिया। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि शहर की मुख्य सड़कों और चौराहों पर किसी भी कीमत पर अवैध कब्जा बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

नगर में आज दो घंटे बिजली रहेगी बंद, टाउन हॉल क्षेत्र के हजारों उपभोक्ता होंगे प्रभावित

लाइन शिफ्टिंग के चलते सुबह 10 से दोपहर 12 बजे तक विद्युत आपूर्ति रहेगी बाधित, सदर बाजार और ब्रह्मपुरी क्षेत्र के उपभोक्ताओं से वैकल्पिक व्यवस्था करने की अपील

मुजफ्फरनगर। शहर के टाउन हॉल क्षेत्र में विद्युत लाइन शिफ्टिंग का कार्य किए जाने के कारण गुरुवार को करीब दो घंटे बिजली आपूर्ति बाधित रहेगी। विद्युत विभाग ने शटडाउन को लेकर उपभोक्ताओं के लिए आवश्यक सूचना जारी करते हुए प्रभावित क्षेत्र के लोगों से पहले से वैकल्पिक व्यवस्था करने की अपील की है। विद्युत नगरीय वितरण खंड-तकनीकी एवं एडमिन के अधिशासी अभियंता की ओर से जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार 8 अक्टूबर 2026 को 33/11 केवी विद्युत उपकेंद्र टाउन हॉल के क्षेत्र में लाइन शिफ्टिंग का कार्य कराया जाएगा। इस कार्य के लिए टाउन हॉल विद्युत उपकेंद्र से निकलने वाले संबंधित 11 केवी फीडरों पर शटडाउन लिया जाएगा। विभाग द्वारा जारी सूचना के अनुसार 8 अक्टूबर को सुबह 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक विद्युत आपूर्ति बंद रहेगी। इस दौरान संबंधित क्षेत्र के घरों, दुकानों और अन्य प्रतिष्ठानों में बिजली आपूर्ति प्रभावित रहेगी। विद्युत विभाग ने उपभोक्ताओं से

अपील की है कि शटडाउन को ध्यान में रखते हुए वे आवश्यक कार्य पहले से निपटा लें और बिजली आपूर्ति बाधित रहने की अवधि के लिए अपनी वैकल्पिक व्यवस्था कर लें। लाइन शिफ्टिंग के कार्य के चलते 11 केवी सदर बाजार और 11 केवी ब्रह्मपुरी फीडर से जुड़े क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति प्रभावित होने की संभावना है। विभाग की ओर से स्पष्ट किया गया है कि कार्य की स्थिति और आवश्यकता के अनुसार शटडाउन की अवधि में परिवर्तन भी हो सकता है। विद्युत विभाग ने उपभोक्ताओं से सहयोग की अपील करते हुए कहा है कि लाइन शिफ्टिंग का कार्य विद्युत व्यवस्था से संबंधित आवश्यक कार्य है। कार्य पूरा होने के बाद संबंधित क्षेत्रों में विद्युत आपूर्ति सामान्य कर दी जाएगी। विभाग ने नोट में यह भी स्पष्ट किया है कि कार्य की अधिकता को देखते हुए निर्धारित समय में परिवर्तन संभव है। ऐसे में उपभोक्ताओं से अपील की गई है कि वे शटडाउन की अवधि को ध्यान में रखते हुए आवश्यक तैयारी रखें। विद्युत आपूर्ति बाधित होने की स्थिति में पेयजल व्यवस्था प्रभावित न हो, इसके लिए नगर पालिका परिषद को भी सूचना भेजी गई है। विद्युत विभाग ने नगर पालिका के अधिकारियों से संबंधित क्षेत्रों में उचित समय पर पानी की आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक प्रभावी कार्रवाई करने का अनुरोध किया है। बिजली कटौती अथवा विद्युत आपूर्ति से संबंधित किसी भी जानकारी के लिए उपभोक्ता 1912 पर संपर्क कर सकते हैं। विभाग ने सभी उपभोक्ताओं से लाइन शिफ्टिंग के कार्य में सहयोग करने की अपील की है। विद्युत विभाग ने राष्ट्रहित में बिजली बचाने और बिजली का अनावश्यक इस्तेमाल नहीं करने की भी अपील की है।

अवैध शराब के खिलाफ आबकारी विभाग का बड़ा अभियान, दुकानों से लेकर गांवों तक ताबड़तोड़ जांच

शराब की दुकानों पर स्टॉक रजिस्टर से मिलान, बोतल-पव्वों को रैंडम स्कैन कर परखी गई गुणवत्ता, रसूलपुर जाटान में दबिश देकर महबूबा ब्रांड के 22 पव्वे बरामद, आरोपी जेल भेजा

मुजफ्फरनगर। जिले में अवैध शराब के कारोबार और मिलावटी अथवा गैरकानूनी मदिरा की बिक्री पर रोक लगाने के लिए आबकारी विभाग ने अभियान तेज कर दिया है। अपर मुख्य सचिव, आबकारी एवं आबकारी आयुक्त, उत्तर प्रदेश, प्रयागराज के निर्देशों तथा जिलाधिकारी और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में आबकारी विभाग की टीमों ने जिलेभर में शराब की दुकानों का निरीक्षण किया। इस दौरान दुकानों पर रखे शराब के स्टॉक का स्टॉक रजिस्टर से मिलान किया गया। साथ ही शराब की बोतलों और पव्वों को रैंडम तरीके से स्कैन कर उनकी गुणवत्ता और वैधता की जांच की गई। अभियान के दौरान आबकारी विभाग की टीमों ने दुकानों के निरीक्षण के साथ-साथ अवैध शराब की बिक्री और भंडारण की शिकायतों पर गांवों में भी

दबिश दी। खतौली क्षेत्र के ग्राम सोंटा में आबकारी टीम ने दबिश देकर संदिग्ध गतिविधियों की जांच की। वहीं एक शिकायत की जांच के दौरान आबकारी विभाग और शाहपुर थाना पुलिस की संयुक्त टीम ने बुढ़ाना तहसील क्षेत्र के ग्राम रसूलपुर जाटान में दबिश दी।

अधिकारियों के निर्देश पर आबकारी निरीक्षकों ने जिले में संचालित मदिरा की दुकानों का निरीक्षण किया। टीमों ने दुकानों पर उपलब्ध शराब के स्टॉक का मौके पर मौजूद स्टॉक रजिस्टर से मिलान किया। इस दौरान यह भी देखा गया कि दुकान पर उपलब्ध शराब का विवरण अभिलेखों के अनुसार है या नहीं। इसके अलावा दुकानों पर रखी मदिरा की बोतलों और पव्वों को रैंडम तरीके से स्कैन किया गया। आबकारी विभाग की इस कार्रवाई का उद्देश्य शराब की गुणवत्ता के साथ-साथ उसकी वैधता और आपूर्ति से जुड़े रिकॉर्ड की भी जांच करना रहा। अभियान के तहत खतौली क्षेत्र के ग्राम सोंटा में भी आबकारी विभाग की टीम ने दबिश की कार्रवाई की। टीम ने गांव में अवैध शराब की बिक्री और भंडारण से जुड़ी गतिविधियों की जांच की। अधिकारियों ने स्थानीय लोगों से भी अवैध शराब के संबंध में जानकारी साझा करने की अपील की। एक शिकायत की जांच के दौरान आबकारी विभाग और थाना शाहपुर पुलिस की संयुक्त टीम गठित की गई। टीम ने बुढ़ाना तहसील क्षेत्र के ग्राम रसूलपुर जाटान में दबिश दी। कार्रवाई के दौरान टीम ने एक व्यक्ति के कब्जे से महबूबा ब्रांड के 22 पव्वे, जिन पर 'फॉर सेल इन यूपी' अंकित था, बरामद किए। बरामदगी के बाद आरोपी के खिलाफ उत्तर प्रदेश आबकारी अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत कार्रवाई की गई। आबकारी विभाग के अनुसार आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया। आबकारी विभाग ने ग्रामीणों और आम लोगों से अपील की है कि यदि उनके आसपास कोई व्यक्ति अवैध शराब की बिक्री, भंडारण या नशीले पदार्थों की गतिविधियों में संलिप्त है तो इसकी सूचना तत्काल आबकारी विभाग को दें। विभाग ने कहा कि सूचना देने वाले लोगों की पहचान को यथासंभव गोपनीय रखा जाएगा और शिकायत के आधार पर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। अधिकारियों ने मुखबिरों और ग्रामीणों को भी विशेष रूप से सचेत किया कि जिले में कहीं भी अवैध शराब की बिक्री या नशीले पदार्थों से जुड़ी गतिविधि की जानकारी मिलने पर उसे विभाग तक पहुंचाएं।

स्कॉर्पियो को बचाने में हवा में लटक गया ट्रैक्टर, हिंडन पुल पर बाल-बाल बची चालक की जान

पुल की रेलिंग तोड़कर करीब छह फीट बाहर निकला ट्रैक्टर, 20 फीट की ऊंचाई पर अटका; पीछे लदे भारी ट्राले ने थामे रखे पहिए, नदी में गिरने से टला बड़ा हादसा

बुढ़ाना । बुढ़ाना कस्बे में देर रात एक बड़ा हादसा उस समय टल गया, जब तेज रफ्तार स्कॉर्पियो को बचाने के प्रयास में एक ट्रैक्टर अनियंत्रित होकर हिंडन नदी के पुल की रेलिंग तोड़ता हुआ करीब छह फीट बाहर निकल गया। ट्रैक्टर का अगला हिस्सा पुल से बाहर निकलकर करीब 20 फीट की ऊंचाई पर हवा में लटक गया, जबकि चालक अंदर फंसा रह गया। यह खौफनाक मंजर देखकर मौके पर मौजूद लोगों की सांसें थम गईं। गनीमत रही कि ट्रैक्टर के पीछे भारी सामान से लदा ट्राला जुड़ा हुआ था। ट्राले के वजन के कारण ट्रैक्टर का पिछला हिस्सा पुल पर ही टिका रहा और वह पूरी तरह नदी में गिरने से बच गया। यदि ट्रैक्टर के पीछे ट्राला नहीं होता तो चालक समेत पूरा ट्रैक्टर करीब 20 फीट नीचे हिंडन नदी में जा गिरता और हादसा बेहद गंभीर हो सकता था।

बताया गया कि देर रात ट्रैक्टर चालक रकीब हिंडन नदी के पुल से होकर गुजर रहा था। इसी दौरान सामने से तेज रफ्तार स्कॉर्पियो आती दिखाई दी। स्कॉर्पियो को बचाने के प्रयास में रकीब ने अचानक ट्रैक्टर को मोड़ दिया। अचानक दिशा बदलने से ट्रैक्टर अनियंत्रित हो गया और पुल की रेलिंग से जा टकराया। टक्कर

इतनी जोरदार थी कि रेलिंग टूट गई और ट्रैक्टर का अगला हिस्सा पुल से बाहर निकल गया। देखते ही देखते ट्रैक्टर करीब छह फीट तक पुल से बाहर जाकर हवा में लटक गया। ट्रैक्टर की स्थिति देखकर मौके पर मौजूद लोगों के होश उड़ गए। ट्रैक्टर का अगला हिस्सा पुल से बाहर था और नीचे करीब 20 फीट की गहराई में हिंडन नदी थी। चालक रकीब की जान महज कुछ पलों के लिए अधर में लटक गई। ट्रैक्टर का पिछला हिस्सा पुल पर टिके होने और पीछे भारी सामान से लदे ट्राले के जुड़े होने के कारण वाहन पूरी तरह नीचे नहीं गिरा। ट्राले का वजन ट्रैक्टर को पीछे की ओर खींचता रहा और इसी वजह से ट्रैक्टर पुल पर अटका रहा। हादसे के बाद पुल पर मौजूद लोगों ने तत्काल पुलिस को सूचना दी। कुछ ही देर में बुढ़ाना पुलिस मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने स्थिति को संभालते हुए पुल पर यातायात को नियंत्रित किया।

ट्रैक्टर को अपने दम पर निकालना संभव नहीं था, क्योंकि जरा सी चूक होते ही वह पुल से नीचे नदी में गिर सकता था। इसके बाद क्रेन को मौके पर बुलाया गया। क्रेन पहुंचने तक ट्रैक्टर को सुरक्षित स्थिति में रखने के लिए पुलिस और स्थानीय लोग सतर्क रहे। क्रेन की मदद से ट्रैक्टर को धीरे-धीरे पीछे की ओर खींचने की प्रक्रिया शुरू की गई। वाहन का संतुलन बिगड़ने का खतरा बना हुआ था। काफी सावधानी और मशक्कत के बाद ट्रैक्टर को पुल की ओर खींच लिया गया। ट्रैक्टर के पूरी तरह पुल पर आने के बाद चालक ने राहत की सांस ली। इसके बाद क्षतिग्रस्त वाहन को रास्ते से हटाया गया और पुल पर वाहनों की आवाजाही सामान्य हो सकी। ट्रैक्टर चालक रकीब ने बताया कि सामने से तेज रफ्तार स्कॉर्पियो आ रही थी। उसे बचाने के प्रयास में उसने अचानक ट्रैक्टर मोड़ दिया, जिसके बाद वाहन अनियंत्रित होकर पुल की रेलिंग से टकरा गया और बाहर निकल गया। रकीब के मुताबिक, कुछ ही पलों में स्थिति इतनी खतरनाक हो गई कि ट्रैक्टर नदी में गिरने की स्थिति में पहुंच गया था। चालक ने कहा कि वह हादसे में बाल-बाल बच गया। इस हादसे में सबसे अहम बात यह रही कि ट्रैक्टर के पीछे भारी सामान से लदा ट्राला जुड़ा हुआ था। ट्राले के भार ने ट्रैक्टर के पिछले हिस्से को पुल पर टिकाए रखा। यही वजह रही कि ट्रैक्टर पूरी तरह पुल से नीचे नहीं गिरा। देर रात पुल पर हुआ यह हादसा कुछ देर के लिए बुढ़ाना क्षेत्र में चर्चा का विषय बन गया। हादसे के बाद मौके पर जुटे लोगों ने भी राहत की सांस ली कि ट्रैक्टर नदी में गिरने से बच गया और चालक की जान सुरक्षित रही। अगर ट्रैक्टर पुल से नीचे गिर जाता तो करीब 20 फीट नीचे हिंडन नदी में गिरने के कारण चालक की जान पर गंभीर खतरा पैदा हो सकता था।

मुजफ्फरनगर में बॉस स्कैम पर पुलिस का बड़ा वार, 5 करोड़ की ठगी बचाई

साइबर थाना पुलिस की सतर्कता से सात बड़ी साइबर ठगी की घटनाएं टलीं, चार खातों में 1.25 करोड़ रुपये होल्ड/फ्रीज, व्यापारी, कंपनियों और एकाउंटेंट्स को बनाया जा रहा जागरूक

मुजफ्फरनगर। साइबर अपराधी अब केवल फर्जी लिंक और ओटीपी के जरिए ही लोगों को निशाना नहीं बना रहे, बल्कि बड़े कारोबारी प्रतिष्ठानों और कंपनियों में वरिष्ठ अधिकारियों के नाम का इस्तेमाल कर लाखों-करोड़ों रुपये ट्रांसफर कराने का नया खेल खेल रहे हैं। ह्लबॉस स्कैमह्व के नाम से सामने आ रहे इस साइबर फ्रॉड को लेकर मुजफ्फरनगर साइबर थाना पुलिस ने विशेष अभियान शुरू किया है। पुलिस की जागरूकता और सतर्कता के चलते अब तक सात बड़ी साइबर ठगी की घटनाओं को समय रहते रोके जाने का दावा किया गया है। पुलिस के अनुसार, इन घटनाओं में जनपद के आमजन और व्यापारिक प्रतिष्ठानों की करीब पांच करोड़ रुपये की धनराशि साइबर अपराधियों के हाथों में जाने से बचाई गई। वहीं, साइबर अपराधियों द्वारा ठगी की रकम प्राप्त करने के लिए इस्तेमाल किए गए बैंक खातों की जांच और तकनीकी विश्लेषण के बाद चार बैंक खातों को होल्ड/फ्रीज कराया गया है। इन खातों में मौजूद करीब 1.25 करोड़ रुपये की धनराशि को होल्ड कराया गया।

वरिष्ठ अधिकारी के नाम से आता है मैसेज, फिर शुरू होता है ठगी का खेल

बॉस स्कैम में साइबर अपराधी किसी कंपनी, फर्म या व्यापारिक प्रतिष्ठान के मालिक, निदेशक, सीईओ, एमडी अथवा वरिष्ठ अधिकारी के नाम और पहचान का दुरुपयोग करते हैं। इसके बाद कर्मचारी या एकाउंटेंट को फोन, सोशल मीडिया अथवा मैसेज के माध्यम से तत्काल भुगतान, बैंक ट्रांसफर या किसी अन्य वित्तीय कार्रवाई के निर्देश दिए जाते हैं। अपराधी ऐसा माहौल बनाने का प्रयास करते हैं कि सामने वाला कर्मचारी इसे अपने वरिष्ठ अधिकारी का जरूरी निर्देश समझकर बिना ज्यादा पूछताछ के रकम ट्रांसफर कर दे। कई मामलों में जल्दबाजी और गोपनीयता का दबाव बनाकर कर्मचारी को स्वतंत्र रूप से सत्यापन करने का मौका भी नहीं दिया जाता। यही वजह है कि पुलिस ने व्यापारिक प्रतिष्ठानों और कंपनियों को विशेष रूप से सतर्क रहने की सलाह दी है। मुजफ्फरनगर साइबर थाना पुलिस द्वारा चलाए जा रहे विशेष अभियान के दौरान संदिग्ध गतिविधियों की पहचान कर समय रहते हस्तक्षेप किया गया। पुलिस के मुताबिक, अभियान के सकारात्मक परिणामस्वरूप अब तक सात बड़ी साइबर ठगी की घटनाओं को होने से रोका गया। पुलिस का कहना है कि जागरूकता और समय पर की गई कार्रवाई के चलते करीब पांच करोड़ रुपये की रकम साइबर अपराधियों तक पहुंचने से बच गई। इसके अलावा ठगी की रकम से जुड़े चार बैंक खातों की पहचान कर उनमें मौजूद 1.25 करोड़ रुपये होल्ड/फ्रीज कराए गए। साइबर अपराधियों द्वारा ठगी की रकम प्राप्त करने के लिए उपलब्ध कराए गए बैंक खातों की जांच की गई। तकनीकी विश्लेषण और उपलब्ध जानकारी के आधार पर पुलिस ने चार बैंक खातों को होल्ड/फ्रीज कराया। इन खातों में कुल करीब एक करोड़ 25 लाख रुपये की धनराशि मौजूद थी। पुलिस की कार्रवाई के बाद इस रकम को होल्ड कराया गया, जिससे साइबर अपराधियों के लिए ठगी की रकम को निकालना या आगे ट्रांसफर करना मुश्किल हो गया। साइबर थाना पुलिस ने पाया कि बॉस स्कैम में खास तौर पर व्यापारिक प्रतिष्ठानों, कंपनियों, होटल, फर्म और उनके कर्मचारियों को निशाना बनाया जा रहा है। इसे देखते हुए पुलिस ने जनपद के प्रमुख व्यापारी संगठनों, व्यापारियों, प्रतिष्ठान संचालकों और एकाउंटेंट्स के साथ विशेष जागरूकता कार्यक्रम शुरू किए हैं। इन कार्यक्रमों में व्यापारियों और कर्मचारियों को बॉस स्कैम की कार्यप्रणाली समझाई जा रही है। उन्हें बताया जा रहा है कि किसी वरिष्ठ अधिकारी या कंपनी के मालिक के नाम से आया कोई वित्तीय निर्देश केवल नाम देखकर सही नहीं मानना चाहिए। भुगतान से पहले संबंधित व्यक्ति से दूसरे माध्यम से संपर्क कर निर्देश की पुष्टि करना बेहद जरूरी है। पुलिस ने खास तौर पर ऐसे संदेशों और कॉल से सावधान रहने की सलाह दी है, जिनमें तत्काल भुगतान, बैंक ट्रांसफर, निवेश अथवा किसी वित्तीय कार्रवाई के लिए दबाव बनाया जाए।

लोकसभा में गूंजेगी एनएचएम संविदा कर्मियों की आवाज, सांसद चंदन चौहान ने दिया भरोसा

एनएचएम संविदा कर्मचारी संघ के प्रतिनिधिमंडल ने सांसद से की मुलाकात, स्वास्थ्य बीमा, 10 प्रतिशत वार्षिक मानदेय वृद्धि और लॉयल्टी बोनस समेत लंबित मांगें उठाईं

मुजफ्फरनगर। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के संविदा कर्मचारियों की वर्षों से लंबित मांगों को लेकर अब उनकी आवाज लोकसभा तक पहुंचाने की तैयारी है। एनएचएम संविदा कर्मचारी संघ (रजि.) के प्रतिनिधिमंडल ने बिजनौर लोकसभा क्षेत्र के सांसद चंदन सिंह चौहान से उनके आवास पर मुलाकात कर कर्मचारियों की समस्याओं और लंबित मांगों को विस्तार से रखा। प्रतिनिधिमंडल ने स्वास्थ्य विभाग में लंबे समय से सेवाएं दे रहे संविदा कर्मचारियों को मिलने वाली सुविधाओं और मानदेय से जुड़ी समस्याओं का मुद्दा प्रमुखता से उठाया। प्रतिनिधिमंडल ने सांसद को बताया कि राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत संविदा कर्मचारी प्रदेश की स्वास्थ्य सेवाओं में लगातार महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। ग्रामीण और दूरदराज के क्षेत्रों तक स्वास्थ्य सेवाओं को पहुंचाने से लेकर अस्पतालों और स्वास्थ्य केंद्रों में विभिन्न जिम्मेदारियों का निर्वहन करने वाले कर्मचारी लंबे समय से अपनी मांगों के समाधान की उम्मीद लगाए हुए हैं। कर्मचारियों का कहना है कि लगातार जिम्मेदारियां निभाने के बावजूद उन्हें कई ऐसी सुविधाओं का लाभ नहीं मिल पा रहा है, जिन्हें वे लंबे समय से मांगते आ रहे हैं। जिला अध्यक्ष डॉ. सचिन जैन के नेतृत्व में पहुंचे प्रतिनिधिमंडल ने सांसद चंदन सिंह चौहान के समक्ष कर्मचारियों की विभिन्न मांगें रखीं। प्रतिनिधिमंडल के अनुसार सांसद ने कर्मचारियों की समस्याओं को गंभीरता

और सहानुभूति के साथ सुना तथा उनके समाधान के लिए हरसंभव सहयोग का आश्वासन दिया। सांसद चंदन सिंह चौहान ने कहा कि एनएचएम संविदा कर्मचारियों की समस्याओं को सरकार के सामने मजबूती से रखा जाना चाहिए। उन्होंने प्रतिनिधिमंडल को आश्वासन दिया कि एनएचएम संविदा कर्मचारियों की आवाज लोकसभा में उठाई जाएगी। साथ ही प्रदेश स्तर पर कर्मचारियों की समस्याओं को मुख्यमंत्री तक पहुंचाने में भी सहयोग करने की बात कही। प्रतिनिधिमंडल ने सांसद के सामने कर्मचारियों की प्रमुख मांगों में स्वास्थ्य बीमा, प्रतिवर्ष 10 प्रतिशत मानदेय वृद्धि और लॉयल्टी बोनस का मुद्दा रखा। कर्मचारियों ने बताया कि स्वास्थ्य विभाग में वर्षों से सेवाएं देने के बावजूद इन सुविधाओं को लेकर उनकी मांगें लंबित हैं। संघ पदाधिकारियों ने कहा कि स्वास्थ्य बीमा संविदा कर्मचारियों और उनके परिवारों के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। इसी तरह हर वर्ष मानदेय में 10 प्रतिशत वृद्धि तथा लंबे समय तक सेवा देने वाले कर्मचारियों के लिए लॉयल्टी बोनस की मांग भी लंबे समय से उठाई जा रही है। प्रतिनिधिमंडल ने सांसद को बताया कि एनएचएम संविदा कर्मचारी स्वास्थ्य सेवाओं की व्यवस्था का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। अस्पतालों, स्वास्थ्य केंद्रों और विभिन्न राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों में कर्मचारी लगातार अपनी जिम्मेदारियां निभा रहे हैं।

स्कूल से घर लौट रहे छात्र को घेरकर पीटा, सिर में आई गंभीर चोटें

बुढ़ाना मार्ग के पास दो अज्ञात युवकों ने लात-घूंसों और बेल्ट से किया हमला, पीड़ित ने जताया जान का खतरा, पुलिस सीसीटीवी फुटेज खंगालने में जुटी

खतौली। खतौली कस्बे में स्कूल से पढ़ाई कर घर लौट रहे एक छात्र के साथ मारपीट का मामला सामने आया है। आरोप है कि बुढ़ाना मार्ग के पास पीछे से आए दो अज्ञात युवकों ने छात्र को रोक लिया और उसके साथ लात-घूंसों तथा बेल्ट से जमकर मारपीट की। हमले में छात्र के सिर में चोटें आई हैं। घटना के बाद छात्र ने खतौली थाने पहुंचकर अज्ञात हमलावरों के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई और आरोपियों की पहचान कर कड़ी कार्रवाई की मांग की। सराफान निवासी अयान पुत्र मेहताब के अनुसार वह बुढ़ाना रोड स्थित सर सैयद इंटर कॉलेज में पढ़ाई करता है। छात्र का कहना है कि वह स्कूल से पढ़ाई पूरी करने के बाद अपने घर लौट रहा था। इसी दौरान बुढ़ाना मार्ग के पास पीछे

से दो युवक उसके पास पहुंचे। दोनों ने उसे रोक लिया और बिना किसी स्पष्ट कारण के उसके साथ मारपीट शुरू कर दी। आरोप है कि दोनों युवकों ने छात्र को लात-घूंसों से पीटा और बेल्ट से भी हमला किया। अचानक हुए हमले से छात्र खुद को संभाल नहीं सका। मारपीट के दौरान उसके सिर में काफी चोटें आईं। घटना के बाद आरोपी युवक मौके से फरार हो गए। पीड़ित छात्र ने पुलिस को बताया कि वह हमलावर युवकों को नहीं जानता है। उसके अनुसार दोनों युवक अचानक पीछे से आए और उसे रोककर मारपीट करने लगे। छात्र ने अज्ञात हमलावरों से अपनी जान का खतरा बताते हुए पुलिस से उनकी पहचान कर जल्द कार्रवाई की मांग की है। शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस घटनास्थल और उसके आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है। पुलिस का मानना है कि घटनास्थल के आसपास लगे कैमरों की रिकॉर्डिंग से हमलावरों की पहचान करने में मदद मिल सकती है। पुलिस ने छात्र को सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपियों की पहचान कर आवश्यक कार्रवाई का भरोसा दिया है।

संपादकीय

एसआईआर पर गहराया विवाद

भारतीय लोकतंत्र में चुनाव आयोग की भूमिका अत्यंत महत्त्वपूर्ण है। उसकी जिम्मेदारियों का मूल्यांकन मतदाता सूची तैयार करने से लेकर निष्पक्ष एवं पारदर्शी तरीके से मतदान सुनिश्चित कराने तक से किया जाता है। इसलिए लोकतांत्रिक व्यवस्था में इस संवैधानिक संस्था की विश्वसनीयता को बनाए रखना बेहद जरूरी है।मगर मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआइआर की प्रक्रिया को लेकर शुरू से ही जिस तरह के सवाल उठ रहे हैं, उससे राजनीतिक और सामाजिक स्तर पर गंभीर चिंताएं उभरी हैं। खासकर विभिन्न राज्यों में लाखों की संख्या में नागरिकों को मतदाता सूची से बाहर कर देने से शासन के चयन में उनकी भागीदारी खत्म हो जाने के साथ-साथ उनके सामने कई तरह की चुनौतियां पैदा हो गई हैं।सर्वोच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति उज्जल भुइयां ने भी बीते रविवार को हैदराबाद में एक कार्यक्रम में इस चिंता को रेखांकित करते हुए कहा कि नागरिकों को उनके मताधिकार से वंचित करने वाली कोई भी प्रक्रिया संवैधानिक व्यवस्था के खिलाफ है और उसे किसी भी तरह की दलीलों के जरिए उचित नहीं ठहराया जा सकता।एसआइआर प्रक्रिया पर उठ रहे सवालों की गंभीरता का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि हाल में देश भर में करीब तेरह करोड़ लोगों को मतदाता सूची से बाहर कर दिए जाने की खबरें आई हैं। इतने बड़े पैमाने पर अगर देश के नागरिक अपने मताधिकार से वंचित हो जाएं, तो क्या इसे लोकतांत्रिक व्यवस्था में मतदाता सूची की शुचिता के दृष्टिगत शुभ संकेत के तौर पर देखा जाएगा?किसी नागरिक का मतदाता बनना और उसके मतदान करने का अधिकार स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव की आधारशिला होता है। केवल तकनीकी पहलुओं के आधार पर उसकी पहचान से मताधिकार को अलग कर देना क्या लोकतंत्र में उसकी सबसे महत्त्वपूर्ण भागीदारी को खत्म कर देना नहीं है?न्यायमूर्ति उज्जल भुइयां ने भी अपनी टिप्पणी में कहा है कि देश का संविधान नागरिकों को दो वर्गों में नहीं बांटता, जिनमें से एक वर्ग मताधिकार प्राप्त हो और दूसरा मताधिकार से वंचित। यदि किसी प्रक्रिया के परिणामस्वरूप बड़े पैमाने पर लोग अपने ही देश में दोयम दर्जे के नागरिक बन जाएं, तो उसमें सुधार की राह निकालना अत्यंत आवश्यक हो जाता है।दूसरी ओर, एसआइआर के तहत फार्म-6 को लेकर सर्वोच्च न्यायालय की ओर से सोमवार को स्थिति स्पष्ट किए जाने से चुनाव आयोग के उस दावे को लेकर भी सवाल खड़े हो गए हैं, जिसमें कहा गया था कि शीर्ष अदालत ने इस फार्म की घोषणा को सही ठहराया है। जबकि न्यायालय ने साफतौर पर कहा कि उसने इस फार्म में किसी भी तरह के बदलाव को मंजूरी नहीं दी है।इससे चुनाव आयोग की विश्वसनीयता को लेकर आम नागरिकों के बीच भरोसे का संकट और गहरा हो गया है।

भारत में आर्थिक विकास की गति तेज रहने के बावजूद क्यों गिर रहा है शेयर बाजार

(प्रह्लाद सबनानी)

उक्त वर्णित युद्धों के चलते अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल के दाम बहुत तेजी से बढ़ रहे हैं और यह 100 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल के स्तर को पार कर गए हैं, एक वर्ष पूर्व यह 65 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर थे, अर्थात इस एक वर्ष के दौरान कच्चे तेल की कीमतों में 50 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि दर्ज हुई है।

हाल ही के समय में भारत के शेयर बाजार में लगातार तेज गिरावट दर्ज हुई है, इससे देश में इस तरह का माहौल बनाने का प्रयास किया जा रहा है कि भारतीय अर्थव्यवस्था पर भारी संकट आने वाला है और भारतीय नागरिकों पर इसका अत्यधिक कष्टकारी असर पड़ने वाला है। यह आंकलन किसी भी प्रकार से उचित नहीं कहा जा सकता है क्योंकि शेयर बाजार में गिरावट विदेशी संस्थागत निवेशकों के मन में बैठ रहे डर के आधार पर देखी जा रही है, जबकि भारतीय संस्थागत निवेशक तो लगातार अपना निवेश भारतीय शेयर बाजार में बढ़ा रहे हैं एवं म्यूचुअल फंडस द्वारा प्रति माह 30,000 करोड़ रुपये से अधिक की राशि का लगातार निवेश शेयर बाजार हो रहा है। यह सही है कि भारतीय शेयर बाजार का सेन्सेक्स 1 अक्टूबर 2025 के 80,983 बिंदुओं के स्तर से 1 अक्टोबर 2026 को 71,910 बिंदुओं के स्तर पर नीचे आ गया है। इसी प्रकार, निफ्टी इंडेक्स भी 1 अक्टूबर 2025 के 24,836 बंदुओं के स्तर से नीचे गिरकर 1 अक्टूबर 2026 को 22,422 बिंदुओं के स्तर पर आ गया है। पिछले एक वर्ष की अवधि में 10 से 11 प्रतिशत के बीच की गिरावट दर्ज हुई है। जबकि, इस बीच भारत में अर्थ के विभिन्न क्षेत्रों में आर्थिक विकास दर लगातार उच्च स्तर की बनी हुई है। फिर, ऐसे क्या कारण हैं कि भारतीय अर्थव्यवस्था का चमकता चेहरा होने के बावजूद, भारतीय शेयर बाजार लगातार गिरावट दर्ज कर रहा है।

दरअसल किसी भी देश का शेयर बाजार, स्टॉक एक्सचेंज पर दर्ज कम्पनियों की आगे आने वाले वर्षों में होने वाली अनुमानित आय के आधार पर, घटता अथवा बढ़ता रहता है। दूसरे, आजकल जब समस्त देश एक तरह से आपस में जुड़ से गए हैं और हम एक वैश्विक गांव में निवास कर रहे हैं तब एक देश में होने वाली घटनाओं का प्रभाव दूसरे देश के शेयर बाजार पर भी पड़ता हुआ दिखाई देता है। जैसे, रूस-यूक्रेन युद्ध, इजराईल-हम्मास युद्ध, अमेरिका-ईरान युद्ध, सऊदी अरब-हूथी युद्ध एवं खाड़ी के देशों का आपसी युद्ध, आदि कुछ ऐसे उदाहरण हैं, जिनके चलते भारतीय शेयर बाजार भी सहमा हुआ दिखाई दे रहा है, हालांकि भारत किसी भी प्रकार से, अप्रत्यक्ष अथवा प्रत्यक्ष रूप से, इन युद्धों से नहीं जुड़ा है । तीसरे, विदेशी निवेशक भारी मात्रा में कुछ देशों के शेयर बाजार में अपनी पूंजी का निवेश करते हैं, क्योंकि उन्हें इन देशों में किए गए निवेश से अच्छे रिटर्न की सम्भावना दिखाई देती है। परंतु, जब इन विदेशी निवेशकों द्वारा अपना निवेश शेयर बाजार से निकाला जाता है तब उस देश का शेयर बाजार तेजी से गिरने लगता है।

उक्त वर्णित युद्धों के चलते अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल के दाम बहुत तेजी से बढ़ रहे हैं और यह 100 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल के स्तर को पार कर गए हैं, एक वर्ष पूर्व यह 65 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर थे, अर्थात इस एक वर्ष के दौरान कच्चे तेल की कीमतों में 50 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि दर्ज हुई है। भारत कच्चे तेल की कुल खपत का 90 प्रतिशत से अधिक हिस्सा आयात करता है, अतः भारत के उक्त युद्धों से किसी भी प्रकार से नहीं जुड़े होने के बावजूद, भारतीय अर्थव्यवस्था पर कुछ विपरीत प्रभाव पड़ सकता है, ऐसा माहौल बनाए जाने के चलते विदेशी संस्थागत निवेशक भारतीय शेयर बाजार से अपना निवेश भारी मात्रा में निकाल रहे हैं। हालांकि, कच्चे तेल की कीमतों में वृद्धि के बावजूद भारत में मुद्रा स्फीति की दर को नियंत्रण में बनाए रखने के प्रयास

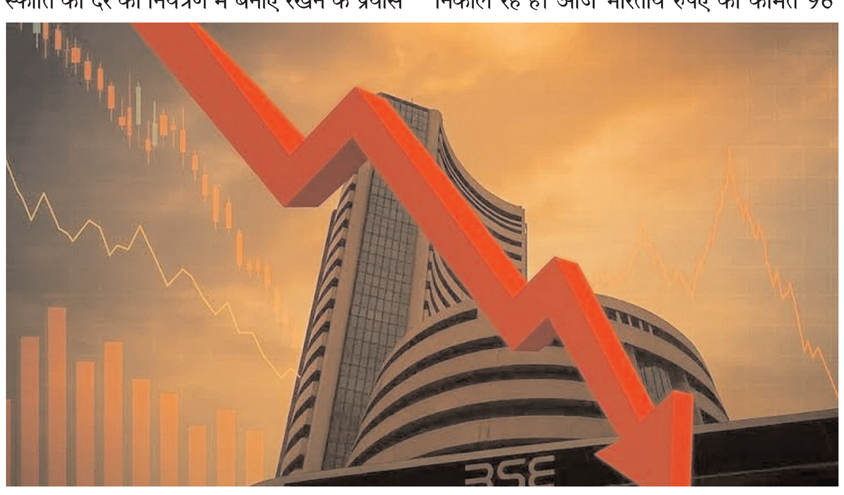

अभी तक तो सफल ही रहे हैं। फिर भी, केलेंडर वर्ष 2026 में अभी तक विदेशी संस्थागत निवेशकों ने भारतीय शेयर बाजार से 2.8 लाख करोड़ रुपए की भारी भरकम राशि निकाल ली है। सितम्बर 2024 तक के 24 माह में विदेशी निवेशकों ने भारतीय शेयर बाजार में 38,600 करोड़ अमेरिकी डॉलर का निवेश किया था जबकि सितम्बर 2026 तक के 24 माह में 56,300 करोड़ अमेरिकी डॉलर की निकासी की गई हैं। विदेशी संस्थागत निवेशक इतनी भारी मात्रा में अपना निवेश भारत से निकालकर अमेरिकी बांडस, अमेरिका के शेयर बाजार, वियतनाम एवं दक्षिणी कोरिया के शेयर बाजार एवं चीन के शेयर बाजार में कर रहे हैं। क्योंकि, अमेरिका में ब्याज दरों (यूएस फेड दर) में वृद्धि के चलते, बांडस की यील्ड पिछले लगभग 24-25 वर्षों के उच्चत्तम स्तर 5.60 प्रतिशत से ऊपर पहुंच गई है। साथ ही, अमेरिकी शेयर बाजार में अभी भी तेजी बनी हुई है क्योंकि वहां की कम्पनियों द्वारा उच्च तकनीकी के नवाचार करने के चलते उनकी उत्पादकता एवं लाभप्रदता में लगातार वृद्धि देखी जा रही है। इसी प्रकार, वियतनाम एवं दक्षिणी कोरिया में आरटीफिशीयल इंटेलीजेंस के क्षेत्र की कम्पनियों में उच्च स्तर की लाभप्रदता दर्ज होने की सम्भावनाएं दिखाई दे रही है, इसलिए विदेशी निवेशक अमेरिका, वियतनाम एवं दक्षिणी कोरिया जैसे देशों की ओर आकर्षित हो रहे है एवं अपना निवेश इन देशों में बढ़ा रहे हैं। चीन का शेयर बाजार बहुत ही तेजी से नीचे गिरा था जिसके कारण वहां पर कम्पनियों के शेयरों का प्राइज टू ईर्निंग पीई रेटियो कीमत/आय रेशो भारतीय कंपनियों के कीमत/आय रेशो की तुलना में अत्यधिक आकर्षक हो गया है। चीन में औसतन यह रेशो 12 प्रतिशत के नीचे है जबकि भारत में यह रेशो औसतन 20 प्रतिशत से अधिक है। अतः विदेशी संस्थागत निवेशकों को भारतीय कम्पनियों के शेयर, चीनी कम्पनियों के शेयर की तुलना में महंगे दिखाई दे रहे हैं।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अमेरिकी डॉलर के लगातार मजबूत होने चलते भारतीय रुपया लगातार कमजोर हो रहा है, इस कारण से भी विदेशी संस्थागत निवेशक भारतीय शेयर बाजार से अपना निवेश निकाल रहे है। आज भारतीय रुपए की कीमत 96 रुपए प्रति अमेरिकी डॉलर के स्तर पर पहुंच गई है। साथ ही, डॉलर इंडेक्स जो 1 अक्टोबर 2025 को 97.71 के स्तर पर था वह 1 अक्टोबर 2026 को बढ़कर 101.80 के स्तर पर आ गया है। स्वर्ण की कीमतें भी 3,871 अमेरिकी डॉलर प्रति ओंस से बढ़कर 4,170 अमेरिकी डॉलर प्रति ओंस पर पहुंच गई है। भारत स्वर्ण का भारी मात्रा में (कुल खपत का 90 प्रतिशत से अधिक) आयात करता है, स्वर्ण के आयात का भुगतान अमेरिकी डॉलर में ही करना होता है, अतः भारतीय रुपए पर इससे अतिरिक्त दबाव बनता हुआ दिखाई दे रहा है।

उक्त संदर्भों को यदि भारतीय अर्थव्यवस्था से जोड़कर देखा जाय तो स्थिति कुछ अलग ही दिखाई देती है। भारत में सकल घरेलू उत्पाद में वित्तीय वर्ष 2026-27 की प्रथम तिमाही में 7.8 प्रतिशत की आकर्षक वृद्धि दर्ज हुई है, जबकि वैश्विक स्तर पर यह वृद्धि केवल 3 प्रतिशत एवं तेजी से आर्थिक विकास कर रही अर्थव्यवस्थाओं में यह 3.8 प्रतिशत रहने की सम्भावना व्यक्त की गई है। जब भारत में आर्थिक विकास दर तुलनात्मक रूप से अधिक तेज गति से आगे बढ़ेगी तो भारतीय कम्पनियों की आय एवं लाभप्रदता में भी तेज गति से वृद्धि सम्भव होगी। इसी प्रकार, अगस्त 2026 माह में भारत की औद्योगिक विकास दर भी 8 प्रतिशत के स्तर पर पहुंच गई है जो कि अगस्त 2025 में 4.7 प्रतिशत के स्तर पर थी। विभिन्न उत्पादों के भारत से निर्यात अगस्त 2026 में 4,380 करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर को पार कर गए हैं जो अगस्त 2025 में 3,480 करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर पर थे। 15 सितम्बर 2026 को समाप्त पखवाड़े में समस्त बैंकों के ऋणों में 18.1 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई है जबकि पिछले वर्ष इसी अवधि में यह वृद्धि दर 10.4 प्रतिशत की रही थी। इसी प्रकार, बैंकों की जमाराशि में वृद्धि दर भी पिछले वर्ष की 9.5 प्रतिशत की तुलना में इस वर्ष 17.3 प्रतिशत की रही है। बैंकों का ऋण-जमा अनुपात लगभग 81 प्रतिशत के पास पहुंच गया है। यह आंकड़े दर्शाते हैं कि भारत में अर्थ के विभिन्न क्षेत्रों में अतुलनीय वृद्धि दर आंकी जा रही है। बैंकों की सकल गैर निष्पादनकारी आस्तियों में भी कमी दर्ज हुई है और यह जुलाई 2025 के 2.2 प्रतिशत की तुलना में जुलाई 2026 में घटकर 1.68 प्रतिशत के स्तर पर नीचे आ गई है। शुद्ध गैर निष्पादनकारी आस्तियां तो पिछले वर्ष के 0.5 प्रतिशत की तुलना में 0.4 प्रतिशत ही रही है। अर्थात, बैंकों द्वारा प्रदत्त किए जा रहे ऋणों की अदायगी समय पर हो रही है। भारतीय बैंकों का पूंजी पर्याप्तता अनुपात तो आज विकसित देशों की बैंकों से भी अधिक हो गया है, जो जुलाई 2025 के 17.5 प्रतिशत से बढ़कर जुलाई 2026 में 17.8 प्रतिशत के स्तर को पार कर गया है। इससे भारतीय बैंकों की मजबूत स्थिति झलकती है। उद्योगों द्वारा अपनी उत्पादन क्षमता का 75 प्रतिशत से अधिक उपयोग किया जा रहा है, यह ऐसी स्थिति है जब सम्बंधित उद्योग को अपनी उत्पादन क्षमता में वृद्धि करने के बारे में विचार प्रारम्भ करना होता है। उक्त जानकारी की सत्यता की गवाही वस्तु एवं सेवा कर के संग्रहण में हो रही लगातार वृद्धि से भी ध्यान में आती है। सितम्बर 2026 माह में 14.5 प्रतिशत की वृद्धि के साथ वस्तु एवं सेवा कर का संग्रहण 2.04 लाख करोड़ से अधिक की राशि का रहा है और यह लगातार तीसरा महीना है जब यह संग्रहण 2 लाख करोड़ रुपए से अधिक का रहा है। भारत में सितम्बर 2026 माह के दौरान (एकीकृत भुगतान अन्तरापृष्ठ) सिस्टम के अंतर्गत प्रतिदिन औसतन 80 करोड़ से अधिक के व्यवहार दर्ज हो रहे हैं, जो पूरे विश्व में किसी भी देश में सबसे अधिक व्यवहार हैं। अगस्त 2026 माह के दौरान उक्त व्यवहार 79 करोड़ के रहे थे और सितम्बर 2025 में 65 करोड़ से अधिक व्यवहार प्रतिदिन के रहे थे। इतिहासजानें कुल मिलाकर भारत में अर्थ के विभिन्न क्षेत्रों में दर्ज हो रही विकास दर की कहानी स्पष्ट तौर पर कह रही है कि भारत का भविष्य बहुत सुरक्षित है। और, यह झूठा विमर्श खड़ा किया जाना कि भारतीय अर्थव्यवस्था पर भारी संकट आने वाला है और भारतीय नागरिकों पर इसका कष्टकारी प्रभाव पड़ने वाला है, पूर्णतः असत्य है। घबराहट में विदेशी संस्थागत निवेशकों द्वारा शेयर बाजार से निकाले जा रहे निवेश को आधार बनाकर उक्त झूठे विमर्श को खड़ा करने का प्रयास हो रहा है। (लेखक सेवानिवृत्त उपमहाप्रबंधक,भारतीय स्टेट बैंक है)।

चीन-पाकिस्तान रक्षा गठजोड़ और भारत की रणनीतिक विवशता

(अशोक भाटिया)

इस संकट को और गहरा करने में हमारे स्वदेशी रक्षा उत्पादन की कछुआ चाल ने बड़ी भूमिका निभाई है। हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड द्वारा विकसित किए जा रहे तेजस मार्क-1ए लड़ाकू विमानों की डिलीवरी में लगातार हो रही देरी ने वायुसेना के आधुनिकीकरण के पहियों को जाम कर दिया है।

दक्षिण एशिया के भू-राजनीतिक परिदृश्य में शक्ति संतुलन तेजी से करवट बदल रहा है। पिछले कुछ समय में चीन और पाकिस्तान के बीच रक्षा और सामरिक सहयोग जिस आक्रामकता के साथ आगे बढ़ा है, उसने नई दिल्ली के सुरक्षा गलियारों में खतरे की घंटी बजा दी है। हाल ही में चीन द्वारा पाकिस्तान को पांचवीं पीढ़ी के अत्याधुनिक स्टेल्थ लड़ाकू विमान, विशेष रूप से जे-35 और जे-31 की आपूर्ति करने की खबरें और पाकिस्तानी पायलटों की चीनी वायुसेना के साथ बढ़ती संयुक्त ट्रेनिंग महज एक द्विपक्षीय सैन्य सौदा नहीं है। यह भारत की संप्रभुता, हवाई श्रेष्ठता और दीर्घकालिक सुरक्षा के लिए एक सीधी और गंभीर चुनौती है। भारतीय वायुसेना के नेतृत्व ने भी इस उभरते खतरे को खुले तौर पर स्वीकार किया है। आज भारत के सामने सबसे बड़ा यक्ष प्रश्न यह है कि वह एक तरफ घटती हुई लड़ाकू विमानों की स्क्वाड्रन क्षमता और दूसरी तरफ टू-फ्रंट वॉर (दो मोर्चों पर युद्ध) की वास्तविक होती आशंका के बीच अपनी सैन्य संप्रभुता को कैसे अक्षुण्ण बनाए रखे। यह संपादकीय इस रक्षा सौदे के गहरे रणनीतिक निहितार्थों, भारत की वर्तमान वायुसैनिक कमजोरियों और इस चक्रव्यूह से बाहर निकलने के व्यावहारिक रास्तों का एक विस्तृत विश्लेषण प्रस्तुत करता है।

ऐतिहासिक रूप से, भारत ने पारंपरिक सैन्य मोर्चे पर हमेशा पाकिस्तान के खिलाफ एक गुणात्मक और संख्यात्मक बढ़त बनाए रखी है। 1965, 1971 और 1999 के युद्धों में भारतीय वायुसेना की तकनीकी और रणनीतिक श्रेष्ठता ने निर्णयकारी भूमिका निभाई थी। यहाँ तक कि हाल के वर्षों में फ्रांस से मिले 4.5 पीढ़ी के राफेल विमानों ने पाकिस्तान की वायुसेना के अमेरिकी एफ-16 विमानों पर भारत को एक स्पष्ट मनोवैज्ञानिक और तकनीकी बढ़त दे दी थी। लेकिन चीन द्वारा पाकिस्तान को पांचवीं पीढ़ी के फाइटर जेट सौंपने की यह नई डील इस स्थापित संतुलन को पूरी तरह से बिगाड़ने की क्षमता रखती है।

पांचवीं पीढ़ी के विमानों की सबसे बड़ी खासियत उनका स्टेल्थ होना होता है, यानी वे दुश्मन के रडार की नजरों से बचकर बेहद करीब तक हमला करने में सक्षम होते हैं। यदि पाकिस्तान इन विमानों को अपनी वायुसेना में सफलतापूर्वक शामिल और संचालित कर लेता है, तो भारत की मौजूदा हवाई रक्षा प्रणालियों और राफेल जैसे 4.5 पीढ़ी के विमानों की प्रभावशीलता पर एक गंभीर प्रश्नचिह्न लग जाएगा। चीन इस सौदे के जरिए न केवल भारत को अपने पड़ोस में उलझाए रखना चाहता है, बल्कि वह भारतीय उपमहाद्वीप में अमेरिकी प्रभाव और भारत की बढ़ती वैश्विक महत्वाकांक्षाओं को भी सीमित करना चाहता है। यह सौदा साफ तौर पर दर्शाता है कि पाकिस्तान अब चीनी सेना के एक प्रॉक्सी के रूप में काम कर रहा है, जिसका एकमात्र उद्देश्य भारत की सैन्य ऊर्जा को निरंतर सोखना है।

इस बाहरी खतरे के बीच, भारत की सबसे बड़ी चिंता उसकी आंतरिक रक्षा तैयारियों की धीमी रफ्तार है। भारतीय वायुसेना को किसी भी दोहरे मोर्चे (चीन और पाकिस्तान) की चुनौती से निपटने के लिए कम से कम 42 लड़ाकू विमानों की स्क्वाड्रन की आवश्यकता स्वीकृत है। इसके विपरीत, वर्तमान में यह संख्या खतरनाक रूप से घटकर महज 29 स्क्वाड्रन पर आ गई है। मिग-21 जैसे पुराने सोवियत कालीन विमानों के चरणबद्ध तरीके से बाहर होने और नए विमानों के शामिल होने की बेहद धीमी दर ने इस खाई को और चौड़ा कर दिया है।

इस संकट को और गहरा करने में हमारे स्वदेशी रक्षा उत्पादन की कछुआ चाल ने बड़ी भूमिका निभाई है। हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड द्वारा विकसित किए जा रहे तेजस मार्क-1ए लड़ाकू विमानों की डिलीवरी में लगातार हो रही देरी ने वायुसेना के आधुनिकीकरण के पहियों को जाम कर दिया है। स्वदेशीकरण और आत्मनिर्भर भारत का नारा अपनी जगह बेहद सराहनीय और आवश्यक है, लेकिन जब वास्तविक युद्ध की रणनीतियों की बात आती है, तो नारों से ज्यादा जमीन पर विमानों की उपलब्धता मायने रखती है। भारत अपने लड़ाकू विमानों की संख्या को बनाए रखने के लिए संघर्ष कर रहा है, जबकि उसके दोनों पड़ोसी देश अपनी फ्लीट को न केवल आधुनिक बना रहे हैं, बल्कि उनकी संख्या में भी भारी इजाफा कर रहे हैं। वायुसेना प्रमुख के अनुसार, यदि भारत को अपनी खोई हुई हवाई श्रेष्ठता वापस पानी है, तो उसे हर साल अपनी फ्लीट में कम से कम 36 से 40 नए फाइटर जेट शामिल करने होंगे, जो कि वर्तमान उत्पादन क्षमता को देखते हुए एक बेहद कठिन लक्ष्य प्रतीत होता है।

स्विटजरलेंड के साथ रिश्तों को नई ऊंचाई देकर मोदी ने यूरोप में चली बड़ी कूटनीतिक चाल

प्रधानमंत्री मोदी और गाइ पार्मेलिन की मुलाकात का सबसे बड़ा संदेश यह है कि भारत और स्विट्ज़रलैंड अब अपने रिश्ते को बहु-आयामी रणनीतिक साझेदारी में बदलने की कोशिश कर रहे हैं। हैदराबाद हाउस में मोदी और पारमेलिन ने व्यापार एवं निवेश, एआई, नवाचार, रक्षा उत्पादन और सैन्य आदान-प्रदान, परमाणु ऊर्जा, विज्ञान-प्रौद्योगिकी तथा लोगों के बीच संपर्क सहित पूरे संबंधों की समीक्षा की।

(नीरज कुमार दुबे)

भारत और स्विट्जरलैंड की साझेदारी का असली रणनीतिक विस्तार रक्षा और उन्नत प्रौद्योगिकी में दिखाई देता है। दोनों पक्षों ने सैन्य आदान-प्रदान और रक्षा उत्पादन में नए अवसर तलाशने तथा परमाणु ऊर्जा सहयोग को और गहरा करने पर सहमति जताई है।

दुनिया के बदलते सामरिक और आर्थिक समीकरणों के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की कूटनीति लगातार भारत की वैश्विक पहुंच को नए आयाम दे रही है। इसी व्यापक कूटनीतिक रणनीति की एक महत्वपूर्ण कड़ी के रूप में स्विट्जरलैंड के साथ संबंधों को नई ऊंचाई तक ले जाने की दिशा में आज एक अहम कदम सामने आया। स्विस राष्ट्रपति गाइ पार्मेलिन की भारत यात्रा के दौरान दोनों देशों ने प्रवास एवं गतिशीलता, युवा पेशेवरों, परिवहन प्रौद्योगिकी, वैज्ञानिक अनुसंधान तथा नवाचार और स्टार्टअप सहयोग से जुड़े पांच महत्वपूर्ण समझौतों पर हस्ताक्षर किए। व्यापार और निवेश से आगे बढ़कर रक्षा उत्पादन, परमाणु ऊर्जा, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, विज्ञान, उन्नत प्रौद्योगिकी और वैश्विक कूटनीति तक साझेदारी का विस्तार यह संकेत देता है कि भारत-स्विट्जरलैंड संबंध अब एक नए रणनीतिक चरण में प्रवेश कर रहे हैं और मोदी की सक्रिय कूटनीति ने यूरोप के इस महत्वपूर्ण देश के साथ भारत की साझेदारी को जिस तेजी से व्यापक बनाया है, उसने अंतरराष्ट्रीय कूटनीतिक हलकों का ध्यान खींचा है।

प्रधानमंत्री मोदी और गाइ पार्मेलिन की मुलाकात का सबसे बड़ा संदेश यह है कि भारत और स्विट्जरलैंड अब अपने रिश्ते को बहु-आयामी रणनीतिक साझेदारी में बदलने की कोशिश कर रहे हैं। हैदराबाद हाउस में मोदी और पारमेलिन ने व्यापार एवं निवेश, एआई, नवाचार, रक्षा उत्पादन और सैन्य आदान-प्रदान, परमाणु ऊर्जा, विज्ञान-प्रौद्योगिकी तथा लोगों के बीच संपर्क सहित पूरे संबंधों की समीक्षा की। देखा जाये तो आर्थिक मोर्चे पर भारतङ्कईएफटीए व्यापार एवं आर्थिक साझेदारी समझौता इस रिश्ते की रीढ़ बनकर उभरा है। यह समझौता अक्टूबर 2025 में लागू हुआ था और स्विट्जरलैंड इसे भारतीय बाजार में स्विस कंपनियों की पहुंच और निवेश के लिए अधिक निश्चितता देने वाला करार मानता है। स्विट्जरलैंड के अनुसार भारत एशिया में उसका दूसरा सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है और देश में 330 से अधिक स्विस कंपनियां सक्रिय हैं।

द्विपक्षीय वार्ता के दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि इस समझौते के जरिए अगले 15 वर्षों में भारत में 100 अरब डॉलर के निवेश और 10 लाख प्रत्यक्ष रोजगार का लक्ष्य रखा गया है। भारतीय कृषि उत्पादों, औषधियों, वस्त्रों और इंजीनियरिंग उत्पादों के लिए स्विस बाजार में अवसर बढ़ाने के साथ भारत जैव-प्रौद्योगिकी, जीवन विज्ञान, बैंकिंग, बीमा, खाद्य प्रसंस्करण और सतत विकास जैसे क्षेत्रों में स्विस निवेश आकर्षित करना चाहता है।

लेकिन इस साझेदारी का असली रणनीतिक विस्तार रक्षा और उन्नत प्रौद्योगिकी में दिखाई देता है। दोनों पक्षों ने सैन्य आदान-प्रदान और रक्षा उत्पादन में नए अवसर तलाशने तथा परमाणु ऊर्जा सहयोग को और गहरा करने पर सहमति जताई है। यह संकेत इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि स्विट्जरलैंड की उच्च तकनीकी औद्योगिक क्षमता और भारत की बढ़ती रक्षा विनिर्माण महत्वाकांक्षा मिलकर नए तकनीकी और औद्योगिक सहयोग के रास्ते खोल सकती हैं।

साथ ही दोनों देशों के बीच बुनियादी ढांचे में भी सहयोग अब जमीन पर दिखाई दे रहा है। वाराणसी रोपवे, नोएडा के जेवर हवाई अड्डे और पर्वतीय क्षेत्रों में रेलवे तथा सुरंग परियोजनाओं का उल्लेख करते हुए मोदी ने परिवहन, गतिशीलता और आधारभूत ढांचे पर नए समझौते को आगे की साझेदारी का आधार बताया। समझौते में विद्युत वाहन, रोपवे, परिपत्र अर्थव्यवस्था, सुरंग और टिकाऊ परिवहन प्रणालियों पर सहयोग शामिल है।

साथ ही विज्ञान और नवाचार इस रिश्ते की दूसरी बड़ी धुरी बन रहे हैं। भारतीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग और स्विस राष्ट्रीय विज्ञान प्रतिष्ठान के बीच समझौता दीर्घकालिक संयुक्त अनुसंधान का ढांचा तैयार करेगा। स्वास्थ्य, स्वच्छ ऊर्जा और अंतरिक्ष जैसे क्षेत्रों में नए संयुक्त शोध की शुरुआत भी प्रस्तावित है। ज्यूरिख विश्वविद्यालय के अनुप्रयुक्त विज्ञान संस्थान के साथ समझौते के जरिए शुरुआती चरण के भारतीय स्टार्टअप को प्रशिक्षण, तकनीकी हस्तांतरण, कार्यशालाओं और अंतरराष्ट्रीय नेटवर्किंग का अवसर मिलेगा।

इसके अलावा, दोनों देशों ने आगामी भारत-स्विस अनुसंधान प्रमुख कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र की भी घोषणा की है। साथ ही वैश्विक शांति, कूटनीति और अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं में सुधार की जरूरत पर दोनों पक्षों ने सहमति जताई है। यूक्रेन और पश्चिम एशिया जैसे संकटों पर भारत ने हर सार्थक शांति प्रयास के समर्थन की अपनी नीति दोहराई। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस भी इस रिश्ते का अगला मोर्चा है। भारत में 2026 के एआई इम्पैक्ट शिखर सम्मेलन के बाद स्विट्जरलैंड अगले चरण में जिनेवा एआई शिखर सम्मेलन की मेजबानी करेगा। दोनों देशों की कोशिश जिम्मेदार, समावेशी और मानव-केंद्रित कृत्रिम बुद्धिमत्ता के लिए सहयोग बढ़ाने की है।

साफ है कि यह यात्रा केवल पांच समझौतों की कहानी नहीं है। इसके पीछे भारत की रणनीति यूरोप में व्यापार, निवेश, उन्नत तकनीक और विश्वसनीय आपूर्ति श्रृंखलाओं के नए केंद्रों से संबंध मजबूत करने की है, जबकि स्विट्जरलैंड भारत को अपने एशियाई आर्थिक और तकनीकी विस्तार के महत्वपूर्ण साझेदार के रूप में देख रहा है। 7 अक्टूबर का भारतङ्कईएफटीए 'प्रॉस्पेरिटी समिट' इस पूरी कवायद को निवेश और कारोबारी परियोजनाओं में बदलने की अगली परीक्षा होगा।

बहरहाल, रणनीतिक तस्वीर बिल्कुल स्पष्ट है। भारत-स्विट्जरलैंड संबंध अब घड़ियों, पर्यटन और बैंकिंग की पारंपरिक छवि से बाहर निकलकर रक्षा उत्पादन, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, अंतरिक्ष, स्वच्छ ऊर्जा, अत्याधुनिक बुनियादी ढांचे, स्टार्टअप और वैश्विक कूटनीति के नए मैदान में प्रवेश कर चुके हैं।(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

बागपत के टटरी में बाल श्रम के खिलाफ बड़ी कार्रवाई: 8 बच्चे रेस्क्यू, दुकानों-होटल-वर्कशॉप में चला अभियान

बच्चों के हाथों से काम छुड़ाकर किताबें थमाना लक्ष्य, टटरी में 8 बाल श्रमिक रेस्क्यू- मेहरचंद

बागपत। जिलाधिकारी अस्मिता लाल के निर्देश पर जनपद में बाल श्रम एवं भिक्षा-वृत्ति उन्मूलन के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत बुधवार को टटरी कस्बे में बड़ी कार्रवाई की गई। श्रम विभाग, थाना एएचटीयू और सहयोगी संस्था की संयुक्त टीम ने विभिन्न दुकानों, होटल-ढाबों और ऑटोमोबाइल वर्कशॉप में निरीक्षण करते हुए बाल श्रम में लगे आठ बच्चों को रेस्क्यू किया। आवश्यक वैधानिक प्रक्रिया पूरी करने के बाद सभी बच्चों को उनके परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया। अभियान के दौरान श्रम प्रवर्तन अधिकारी प्रदीप कुमार के नेतृत्व में श्रम विभाग की टीम, थाना एएचटीयू बागपत के थानाध्यक्ष शिव सिंह, महिला उपनिरीक्षक सरिता सिंह मय टीम तथा ग्रामीण समाज विकास केंद्र (जस्ट राइट फॉर चिल्ड्रेन) के गजेंद्र सिंह की संयुक्त टीम ने टटरी क्षेत्र में विभिन्न प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान आठ बच्चे बाल श्रम करते हुए पाए गए। टीम ने तत्काल कार्रवाई करते हुए सभी बच्चों को रेस्क्यू किया। श्रम प्रवर्तन अधिकारी की ओर से बच्चों के संबंध में आवश्यक वैधानिक कार्रवाई की गई। प्रक्रिया पूरी होने के बाद बच्चों को उनके परिजनों के सुपुर्द किया गया। 18 वर्ष से कम उम्र के बच्चों से श्रम न कराने की चेतावनी अभियान के दौरान दुकानदारों, होटल-ढाबा संचालकों और अन्य प्रतिष्ठान मालिकों को स्पष्ट निर्देश दिए गए कि 18 वर्ष से कम आयु के बच्चों से किसी भी प्रकार का बाल श्रम न कराया जाए। अधिकारियों ने चेतावनी दी कि बाल श्रम कराते हुए पाए जाने पर संबंधित प्रतिष्ठान संचालक के खिलाफ नियमानुसार वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। सहायक श्रम आयुक्त एमएल पाल ने कहा कि जनपद में बाल एवं किशोर श्रम के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा। बच्चों का स्थान कार्यस्थल नहीं, बल्कि विद्यालय है। प्रतिष्ठान संचालकों को बच्चों को शिक्षा से जोड़ने और उनके बेहतर भविष्य के निर्माण में सहयोग करना चाहिए। उन्होंने कहा कि बाल श्रम बच्चों के अधिकारों और उनके भविष्य को प्रभावित करता है। बाल श्रम की रोकथाम के लिए समाज के प्रत्येक वर्ग को अपनी जिम्मेदारी निभानी होगी।

बच्चों को शिक्षा और सुरक्षित भविष्य से जोड़ना जरूरी : मेहर चंद

ग्रामीण समाज विकास केंद्र के सचिव मेहर चंद ने कहा कि बाल श्रम के कारण बच्चे शिक्षा और अपने अधिकारों से दूर हो जाते हैं। अभियान के दौरान रेस्क्यू किए गए बच्चों को संरक्षण और शिक्षा से जोड़ना सबसे महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि बाल श्रम की रोकथाम केवल सरकारी विभागों की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि समाज, अभिभावकों और व्यापारियों को भी इसमें सक्रिय भूमिका निभानी होगी। उन्होंने प्रतिष्ठान संचालकों से अपील की कि वे बच्चों को काम पर रखने के बजाय उन्हें स्कूल भेजने में सहयोग करें, ताकि उनका भविष्य सु-रक्षित और बेहतर बनाया जा सके।

स्थानीय लोगों को भी किया जागरूक

अभियान के दौरान स्थानीय लोगों और प्रतिष्ठान संचालकों को बाल एवं किशोर श्रम से संबंधित कानूनी प्रावधानों की जानकारी दी गई। दुकानों, बाजार, होटल-ढाबों और अन्य प्रतिष्ठानों पर बाल श्रम रोकथाम संबंधी पंपलेट चस्पा कर लोगों को जागरूक किया गया।

टीम ने लोगों को 1090, 112, 1076, 1098, 1930 और 1033 सहित संबंधित हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी भी दी, ताकि बाल श्रम अथवा बच्चों से जुड़ी किसी भी समस्या की सूचना संबंधित विभाग तक पहुंचाई जा सके।

अभियान के दौरान भिक्षावृत्ति करते हुए कोई बच्चा नहीं मिला। श्रम विभाग ने स्पष्ट किया कि जनपद में बाल एवं किशोर श्रम तथा भिक्षावृत्ति के खिलाफ अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा। अभियान का उद्देश्य बच्चों को श्रम से मुक्त कराकर शिक्षा, संरक्षण और सुरक्षित भविष्य से जोड़ना है।

भाकियू तोमर की महापंचायत में गूंजी किसान बचाओ, देश बचाओ की हुंकार

मुजफ्फरनगर में भाकियू (तोमर) की महापंचायत, 33 सूत्रीय मांगों को लेकर एडीएम को सौंपा ज्ञापन

मुजफ्फरनगर। भारतीय किसान यूनियन (तोमर) के बैनर तले बुधवार को जीआईसी मैदान में किसान बचाओ, देश बचाओ के आह्वान पर विशाल महापंचायत का आयोजन किया गया। महापंचायत में जनपद के विभिन्न क्षेत्रों से बड़ी संख्या में किसान ट्रैक्टरों के काफिले के साथ पहुंचे। किसानों की भीड़ के चलते जीआईसी मैदान में काफी देर तक गहमागहमी का माहौल बना रहा। महापंचायत में किसानों ने अपनी विभिन्न समस्याओं और मांगों को लेकर आवाज बुलंद की।

महापंचायत के दौरान भारतीय किसान यूनियन (तोमर) की ओर से प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री के नाम संबोधित 33 सूत्रीय मांगों का ज्ञापन एडीएम प्रशासन को सौंपा गया। संगठन के पदाधिकारियों ने कहा कि किसानों की समस्याओं का समाधान प्राथमिकता के आधार पर किया जाना चाहिए। वक्ताओं ने किसानों से जुड़े विभिन्न मुद्दों को उठाते हुए शासन-प्रशासन से शीघ्र कार्रवाई की मांग की। किसानों की प्रमुख मांगों में गन्ने का समर्थन मूल्य 600 रुपये प्रति क्विंटल किए जाने, गन्ने का समयबद्ध भुगतान सुनिश्चित करने तथा बकाया गन्ना भुगतान पर ब्याज दिए जाने की मांग शामिल रही। इस-के साथ ही किसानों ने एमएसपी गा-रंटी कानून लागू करने और किसानों का संपूर्ण कर्ज माफ करने की मांग उठाई। महापंचायत में बिजली से जुड़े मुद्दे भी प्रमुखता से उठाए गए। किसानों ने नलकूपों को मुफ्त बिजली कनेक्शन देने, घरेलू बिजली बिलों में 50 प्रतिशत छूट देने, स्मार्ट मीटरों पर रोक लगाने तथा ब्लॉक स्तर पर बिजली बिल सुधार कैंप लगाए जाने की मांग की। किसानों ने जनपद मुजफ्फरनगर में एम्स अस्पताल की स्थापना तथा मेरठ में इलाहाबाद हा-ईकोर्ट की बेंच स्थापित किए जाने की मांग भी ज्ञापन में शामिल की। इसके अलावा 60 वर्ष से अधिक आयु के किसानों को 10 हजार रुपये मासिक पेंशन देने और किसानों की समस्याओं के समाधान के लिए किसान आयोग का गठन करने की मांग रखी गई। महापंचायत में 24 सितंबर को हुए रोहन राठी हत्याकांड की निष्पक्ष जांच कर आरोपियों को जेल भेजने, 10 वर्ष पुराने ट्रैक्टरों के खिलाफ पुलिसिया कार्रवाई रोकने, ओलावृष्टि एवं अतिवृष्टि से फसलों को हुए नुकसान का उचित मुआवजा देने तथा आवारा पशुओं से फसलों को बचाने के लिए खेतों में तारबंदी कराने की मांग भी उठाई गई। इसके अलावा भोपा रोड स्थित पेपर मिलों से होने वाले वायु प्रदूषण पर रोक लगाने और प्रदूषण से प्रभावित लोगों का उपचार फैक्ट्री मालिकों द्वारा कराए जाने की मांग की गई। किसानों ने कैला गांव के पास बिजनौर-पानीपत मार्ग पर अंडरपास का निर्माण कराने तथा एसपी ट्रैफिक द्वारा रोकी गई परमिट वाली बसों का संचालन पुनः शुरू कराने की मांग भी रखी।

महापंचायत में किसानों ने कहा कि लंबे समय से विभिन्न समस्याओं को लेकर शासन-प्रशासन के समक्ष मांगें रखी जा रही हैं, लेकिन अपेक्षित समाधान नहीं हो पा रहा है। संगठन ने चेतावनी दी कि यदि किसानों की मांगों पर शीघ्र सकारात्मक कार्रवाई नहीं की गई तो भारतीय किसान यूनियन (तोमर) बड़े स्तर पर आंदोलन करने के लिए मजबूर होगी।

महापंचायत के दौरान किसानों ने एकजुटता का प्रदर्शन करते हुए अपनी मांगों के समर्थन में आवाज बुलंद की। कार्यक्रम के अंत में संगठन की ओर से 33 सूत्रीय मांगों का ज्ञापन एडीएम प्रशासन को सौंपा गया।

हत्या के मामले में सात आरोपियों को अदालत ने किया बरी

सबूतों एवं गवाहों के अभाव में अदालत ने सुनाया फैसला, बचाव पक्ष के अधिवक्ताओं की प्रभावी पैरवी

मुजफ्फरनगर। खतौली थाना क्षेत्र के गांव जसौला में वर्ष 2024 में हुई हत्या के मामले में अदालत ने सात आरोपियों को सबूतों एवं गवाहों के अभाव में दोषमुक्त करते हुए बाईज्जत बरी करने के आदेश दिए हैं। मामले में बचाव पक्ष की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता अमित श्रीवास्तव एवं वरिष्ठ अधिवक्ता ब्रज बंधु सैनी ने प्रभावी पैरवी की। वरिष्ठ अधिवक्ता अमित श्रीवास्तव एवं वरिष्ठ अधिवक्ता ब्रज बंधु सैनी ने बताया कि खतौली थाना क्षेत्र के गांव जसौला निवासी एक व्यक्ति ने पुलिस को तहरीर देकर बताया था कि उसका छोटा पुत्र अंकित 7 जनवरी 2024 की रात करीब आठ बजे गांव निवासी कर्णपाल के पुत्र के साथ घर से गया था। काफी देर तक वापस नहीं लौटने पर परिजनों ने उसके मोबाइल पर फोन किया, लेकिन मोबाइल स्विच ऑफ मिला। परिजनों द्वारा कर्णपाल के पुत्र से पूछताछ करने पर उसने बताया कि वह अंकित को गांव की ही रहने वाली मीनाक्षी पत्नी मोनू के घर पर छोड़कर वापस आ गया था। इसके बाद वादी अपने दूसरे पुत्र लवकुश के साथ मीनाक्षी के घर पहुंचा और दरवाजा खोलने को कहा। काफी देर तक दर-वाजा नहीं खुलने पर पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर दर-वाजा खुलवाया तो अंकित अंदर बेसुध अवस्था में बंधा हुआ पड़ा मिला तथा उसके गले में मफलर बंधा था। परिजन तत्काल अंकित को चिकित्सक के पास लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना के संबंध में वादी की ओर से हत्या तथा एससी-एसटी एक्ट सहित कई गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज कराया गया था। मुकदमे में मीनाक्षी पत्नी सोनू सैनी, सोनू पुत्र अमर सिंह, संदीप पुत्र मान सिंह, बब्लू पुत्र मंगत सिंह, सुमित उर्फ भूरे पुत्र जयभगवान, गौरव पुत्र जयप्रकाश, अमित पुत्र ओमपाल, श्रीपाल उर्फ बहरा पुत्र प्रकाश तथा मंगत पुत्र जहारिया, सभी निवासी ग्राम जसौला, थाना खतौली, जिला मुजफ्फरनगर को आरोपी बनाया गया था।

मामले की सुनवाई विशेष न्यायाधीश अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम, मुजफ्फरनगर डा. विजय कुमार की अदालत में हुई। सुनवाई के दौरान अभियोजन एवं बचाव पक्ष की ओर से अपने-अपने तर्क प्रस्तुत किए गए। मामले में संदीप, बब्लू, सुमित उर्फ भूरे, गौरव, अमित, श्रीपाल उर्फ बहरा तथा मंगत की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता अमित श्रीवास्तव एवं वरिष्ठ अधिवक्ता ब्रज बंधु सैनी ने अदालत में प्रभावी पैरवी करते हुए आरोपों के संबंध में बचाव पक्ष के तर्क प्रस्तुत किए।

अदालत ने मामले में उपलब्ध साक्ष्यों एवं गवाहों के आधार पर सातों अभियुक्तों को दोषमुक्त करते हुए बा-ईज्जत बरी करने के आदेश दिए।

भाकियू अराजनैतिक प्रतिनिधिमंडल ने प्रमुख सचिव मुख्यमंत्री से की मुलाकात

ग्रामीण बिजली लोड बढ़ाने और समयसीमा समाप्त वाहनों को जबरन उठाने का भाकियू अराजनैतिक ने किया विरोध

लखनऊ। भारतीय किसान यूनियन अराजनैतिक के प्रतिनिधिमंडल ने बुधवार को लोकभवन में प्रमुख सचिव मुख्यमंत्री संजय प्रसाद से मुलाकात कर किसानों से जुड़ी विभिन्न समस्याओं को उनके समक्ष रखा। प्रतिनिधिमंडल ने ग्रामीण क्षेत्रों में घरेलू विद्युत कनेक्शनों का अधिभार बढ़ाने, समयसीमा समाप्त हो चुके वाहनों को जबरदस्ती उठाकर स्क्रैप किए जाने तथा किसानों के निजी नलकूपों से होने वाली चोरी सहित कई मुद्दों पर चर्चा की।

भाकियू अराजनैतिक के राष्ट्रीय प्रवक्ता धर्मेंद्र मलिक ने बताया कि प्रतिनिधिमंडल ने प्रमुख सचिव मुख्यमंत्री के समक्ष मांग रखी कि ग्रामीण क्षेत्रों में घरेलू विद्युत कनेक्शनों का लोड बढ़ाने की प्रक्रिया को सरल बनाया जाए। किसानों ने समयसीमा समाप्त हो चुके वाहनों को जबरदस्ती उठाकर स्क्रैप किए जाने की कार्रवाई का भी विरोध किया और इस संबंध में किसानों को राहत दिए जाने की मांग की।

प्रतिनिधिमंडल ने किसानों के निजी नलकूपों से होने वाली चोरी रोकने के लिए प्रभावी व्यवस्था किए जाने की मांग भी प्रमुखता से उठाई। इसके साथ ही बारिश के कारण धान की फसल को हुए नुकसान का सर्वे कराकर प्रभावित किसानों को उचित मुआवजा दिए जाने की मांग की गई।

भाकियू अराजनैतिक के चेयरमैन बाबा राजेंद्र सिंह मलिक ने मांग रखी कि आगामी पेराई सत्र शुरू होने से पहले गन्ने का मूल्य 500 रुपये प्रति कुंतल घोषित किया जाए, ताकि किसानों को अपनी फसल के उचित मूल्य को लेकर स्पष्टता मिल सके। उन्होंने कहा कि गन्ना मूल्य की घोषणा पेराई सत्र शुरू होने से पहले किया जाना किसानों के हित में आवश्यक है।

प्रतिनिधिमंडल के अनुसार प्रमुख सचिव मुख्यमंत्री संजय प्रसाद ने किसानों द्वारा उठाई गई समस्याओं को गंभीरता से सुना और उनके समाधान के लिए आवश्यक कार्रवाई का आश्वासन दिया। गन्ना मूल्य से संबंधित मांग को मुख्यमंत्री तक पहुंचाने का भी आश्वासन दिया गया।

प्रतिनिधिमंडल में बाबा राजेंद्र सिंह मलिक, चेयरमैन भारतीय किसान यूनियन अराजनैतिक, धर्मेंद्र मलिक, राष्ट्रीय प्रवक्ता तथा ओमवीर सिंह, पूर्व चेयरमैन शामली गन्ना समिति शामिल रहे।

भाकियू अराजनैतिक ने कहा कि किसानों से जुड़े इन मुद्दों के समाधान के लिए संगठन लगातार शासन-प्रशासन के समक्ष अपनी मांगें रखता रहेगा।

संसद भवन एनेक्सी में बैठक के कांग्रेस के प्रस्ताव को EC ने किया खारिज

उमाकांत लखेड़ा

नई दिल्लीः INDIA ब्लॉक के सांसदों द्वारा चुनाव आयोग (EC) की ओर मार्च कर दिनभर विरोध प्रदर्शन करने के कुछ घंटे बाद, चुनाव आयोग ने मंगलवार शाम कहा कि शाम 4 बजे तक किसी भी राजनीतिक दल ने अपने अधिकृत प्रतिनिधियों के माध्यम से आयोग से मुलाकात का समय नहीं मांगा था। आयोग ने बताया कि बाद में दिल्ली पुलिस ने उसे सूचित किया कि लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के नेतृत्व में सांसदों का एक प्रतिनिधिमंडल चुनाव आयोग से मिलकर ज्ञापन सौंपना चाहता है। चुनाव आयोग ने कहा कि उसे मीडिया के माध्यम से पता चला कि कुछ राजनीतिक दलों के मार्च के दौरान कुछ सांसद आयोग के साथ अपने प्रतिनिधिमंडल सहित मुलाकात करना चाहते थे। आयोग ने एक बयान में कहा, आज शाम 4 बजे तक किसी भी राजनीतिक दल ने अपने प्रतिनिधियों के माध्यम से चुनाव आयोग से बैठक के लिए समय नहीं मांगा था। शाम करीब 4 बजे आयोग को दिल्ली पुलिस से सूचना मिली कि राहुल गांधी के नेतृत्व में सांसदों का एक प्रतिनिधिमंडल आयोग से मिलना और ज्ञापन सौंपना चाहता है। चुनाव आयोग ने बताया कि उसने वर्ष 2025 में राजनीतिक दलों के साथ बैठक के लिए एक प्रक्रिया निर्धारित की थी। इसके तहत किसी राजनीतिक दल का प्रतिनिधिमंडल या कई दलों का संयुक्त प्रतिनिधिमंडल अपने विधिवत अधिकृत प्रतिनिधि के माध्यम से बैठक के लिए समय मांगता है। आयोग के अनुसार, इसके बाद बैठक का समय दोनों पक्षों की आपसी सहमति से तय किया जाता है। जब आयोग सांसदों के साथ बैठक के प्रस्ताव पर विचार कर रहा था, तब दिल्ली पुलिस ने उसे बताया कि प्रतिनिधिमंडल में 240 सांसद शामिल थे और बैठक का प्रस्तावित स्थान संसद भवन एनेक्सी था। चुनाव आयोग ने कहा कि उसने इस अनुरोध को असामान्य माना और इसलिए इसे स्वीकार नहीं किया जा सका, क्योंकि आयोग के प्रोटोकॉल के अनुसार ऐसी बैठकें केवल भारत निर्वाचन आयोग के परिसर में आयोजित की जाती हैं। हालांकि, आयोग ने कहा कि उसने बैठक स्थल पर अपना वरिष्ठतम ड्यूटी अधिकारी भेजकर ज्ञापन प्राप्त करने का प्रस्ताव दिया था। आयोग के मुताबिक, यह अपने आप में एक अभूतपूर्व कदम होता, लेकिन सांसदों ने यह प्रस्ताव भी ठुकरा दिया। आयोग ने कहा कि वह संसदीय और लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं के साथ-साथ अपने प्रोटोकॉल और परंपराओं का सम्मान करता है, जो उसके लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। आयोग ने कहा, कोई भी राजनीतिक दल किसी भी समय चुनाव आयोग से बैठक का अनुरोध कर सकता है। आयोग समय की उपयुक्तता और अपने कार्यक्रम को ध्यान में रखते हुए बैठक की ता-रीख और समय तय करता है। यह एक नियमित प्रक्रिया है। मार्च के दौरान हुआ हाई ड्रामा इससे पहले मंगलवार को INDIA ब्लॉक के विरोध मार्च के दौरान संसद मार्ग से चुनाव आयोग मुख्यालय की ओर बढ़ रहे राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाड्रा सहित कुछ अन्य नेता आकाशवाणी भवन परिसर में प्रवेश कर गए।

उनका उद्देश्य चुनाव आयोग के कार्यालय तक पहुंचना था। राहुल गांधी विपक्ष के सड़क प्रदर्शन के केंद्र में रहे। उनके प्रदर्शन के कारण संसद मार्ग पर पूरी तरह यातायात और गतिविधियां प्रभावित हुईं। एक समय वह समर्थकों की नारेबाजी के बीच कई स्तर वाले स्टील बैरिकेड्स पर चढ़ गए, वहां खड़े होकर तिरंगा लहराया और बाद में पुलिस घेरा पार कर ऑल इंडिया रेडियो के परिसर में प्रवेश कर गए।

पटेलनगर रामलीला का शुभारम्भ होगा 8 अक्टूबर को

मुजफ्फरनगर। पूरे भारत में लगभग 15 दिनों तक चलने वाली रामलीला उत्सव एकमात्र ऐसा उत्सव है, जिसमें सभी धर्मों के लोग बढ़-चढ़कर हिस्सा लेते हैं। पटेलनगर की सुप्रसिद्ध रामलीला 8 अक्टूबर को पूरे विधि-विधान एवं पूजा-अर्चना के साथ शुरू होगी, जिसका यजमान सत्यप्रकाष रेशू को बनाया गया है।

पटेलनगर रामलीला का शुभारम्भ नगर पालिका चेयरमैन मीनाक्षी स्वरूप और प्रदेश के मंत्री कपिल देव अग्रवाल द्वारा दीप प्रज्जवलन कर किया जायेगा। जिसमें शहर के अनेकों गणमान्य लोग भी उपस्थित रहेंगे। रामलीला व्यवस्था पर अनिल ऐरन के नेतृत्व में सत्यप्रकाश रेशू को आमंत्रित किया गया। जिसे रेशू ने सहर्ष स्वीकार करते हुए रामलीला कमेटी के सभी पदाधिकारियों, कार्यकताओं, कलाकारों आदि के दर्शन एवं सेवा का शुभ अवसर माना।

पटेल नगर की रामलीला अनुष्ठान की रामलीला होती है। अनुष्ठान की रामलीला का एक विषेश महत्व होता है।

पटेलनगर की रामलीला के सभी कलाकार लगभग 02 माह पूर्व से ही अपनी रिहर्सल (अभ्यास) शुरू कर देते है, जिसके कारण पटेल नगर रामलीला सभी के लिये आकर्षण का केंद्र बन जाती है। सुरक्षा के लिहाज से पुलिस प्रशासन भी रामलीलाओं के लिए विषेश सुरक्षा व्यवस्था आदि करता है।

रंग संसार

क्यों रामायणम के 'राजा दशरथ' बने दूरदर्शन के राम? अरुण गोविल की कास्टिंग का खुल गया राज

नई दिल्ली। रामायणम के मेकर्स ने अरुण गोविल के राजा दशरथ के रूप में एक शानदार पोस्टर रिलीज कर दिया है। इस तरह से एक्टर महाकाव्य की दुनिया में एक ऐसे किरदार के रूप में लौट रहे हैं जिसका अपना अलग और बेहद खास महत्व है। रामानंद सागर की रामायण में राम के किरदार के लिए प्रसिद्ध अरुण गोविल, इस बार नितेश तिवारी की रामायणम् में राम के पिता दशरथ का किरदार निभाते नजर आने वाले हैं। कास्टिंग खुद में यादों को संजोए हुए है, जो कि सिर्फ जाने पहचाने चेहरे को फिल्म में लाने के फैसले से कही ज्यादा है। एक इंडिपेंडेंट सोर्स के अनुसार, फिल्म के मेकर्स को इस बात का अंदाजा था कि दर्शक अरुण गोविल से भावनात्मक जुड़ाव साझा करते हैं। ऐसे में उनका मानना था कि एक्टर को फिल्म में एक अलग केदार देना अपने आप में खास होगा।सोर्स ने साझा करते हुए कहा- जब आपके पास ऐसा कलाकार हो, जिसका कई पीढ़ियों से राम के किरदार से जुड़ाव रहा हो, तो उसके साथ बिना पल गंवाए एक भावनात्मक जुड़ाव बन जाता है। अरुण जी को दशरथ के किरदार में कास्ट करने के पीछे सिर्फ यादें वजह नहीं थीं।मेकर्स को लगा कि दर्शक उन्हें ह्यरामायणम्ह्न की दुनिया में एक बिल्कुल अलग किरदार में वापस देखकर भी खुश होंगे। उन्हें इस कहानी में दोबारा लाने का फैसला बहुत नैचुरल लगा, लेकिन इस बार राम के पिता के रूप में। यह एक खूबसूरत फुल-सर्कल मोमेंट है, क्योंकि जिस कलाकार ने एक पूरी पीढ़ी के लिए राम के किरदार को परिभाषित किया, वही अब राम के पिता का किरदार निभा रहे हैं। कास्टिंग इस तरह से दर्शक जो रामायण को देखते हुए बड़े हुए और नई पीढ़ी के लिए तैयार की जा रही नई सिनेमैटिक प्रस्तुति के बीच एक खास पुल बनाती है। अरुण गोविल की मौजूदगी फिल्म की दुनिया को अपनापन का एहसास देती है।

राज काज

रेपो रेट बढ़ने से महंगे होंगे किसानों के लोन? केसीसी और एग्री मशीनरी के साथ पशुपालकों पर भी दिखेगा सीधा प्रभाव

नई दिल्ली 07 अक्टूबर बुधवार को आरबीआई मॉनेटरी पॉलिसी कमेटी की मीटिंग में रेपो रेट में बढ़ोतरी की है, जिसके बाद पर्सनल लोन, होम लोन, कार लोन जैसे बैंक कर्ज महंगे होंगे। सबसे बड़ा सवाल ये है कि देश के किसानों और पशुपालकों को मिलने वाले लोन पर भी इसका असर देखने को मिलेगा या नहीं? कृषि सुधार को लेकर पीएम हाई पावर कमेटी के मेंबर विनोद आनंद जी ने जागरण बिजनेस से इस सवाल के जुड़े महत्वपूर्ण पहलुओं को समझाया है, जिससे देश के किसान और आम नागरिकों पर सीधा प्रभाव पड़ने की बात कही है। आम लोगों के मन में सवाल उठ रहा है कि किसान क्रेडिट कार्ड के तहत मिलने वाले लोन पर भी 25 स्त्र२ बढ़कर 5.50% रेपो रेट का असर देखने को मिलेगा या नहीं? फिलहाल इस स्कीम के तहत ड्ट5 लाख तक का लोन 7% सालाना आधार पर मिलता है। विनोद आनंद ने बताया कि केसीसी या अन्य सरकारी लोन पर खेती या पशुपालन से जुड़े कामों के लिए पहले से लागू नियमों में कोई बदलाव नहीं होगा।कृषि यंत्रों की खरीदी पर लोन होगा महंगा विनोद आनंद ने जानकारी देने हुए बताया कि क्रेडिट फार्मिंग के लिए भी लोन महंगा होगा। अगर कोई किसान ट्रैक्टर के लिए फाइनेंस या लोन ले रहा है तो उस पर पहले की तरह चल रही व्यवस्था का लाभ मिलेगा, लेकिन अगर किसान कल्टीवेटर, सीड ड्रील, थ्रेसर जैसे यंत्रों की खरीद पर कोई छूट नहीं मिलेगी, कृषि यंत्रों के लिए लोन लेना महंगा पड़ सकता है।पशुपालकों का लोन भी महंगा होगा इसके अलावा पशुपालन से जुड़े लोगों को भी लोन लेना महंगा हो सकता है। विनोद के मुताबिक सरकार की ओर से चलाई जा रही योजनाओं या किसान क्रेडिट कार्ड के माध्यम से अगर आप एनिमल हस्बेंड्री के लिए लोन लेते हैं तो उसमें कोई बदलाव नहीं होगा, लेकिन अगर आप बैंकों से इन कामों के लिए लोन लेते हैं तो वहां भी कर्ज के ब्याज में बढ़ोतरी हो सकती है। उनके मुताबिक देश में बड़ी संख्या में किसान और पशुपालक हैं जिन पर इसका सीधा असर देखने को मिलेगा।

दैनिक राशिफल गुरूवार 08 अक्टूबर 2026

मेष – कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। कर भला तो हो भला वाली कहावत याद रखें। किसी को हानी पहुंचाने की चेष्टा न करें अन्यथा हानि संभव है। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। कर्ज तथा रोगों से मुक्ति भी संभव है। इच्छित कार्य सफल होंगे।

वृष – यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम पर पैनी नजर रखिए। विरोधी नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेगा। अपने काम को प्राथमिकता से करें। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा।

मिथुन : शनै-शनै स्थिति पक्ष की बनने लगेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होगी। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी।

कर्क – मध्याह्न से ही आशाएं बलवती होंगी। महत्वपूर्ण कार्यों को आज ही निपटा लें, उसके बाद समय व्ययकारी सिद्ध होगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। इच्छित कार्य सफल होंगे। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी।

सिंह– कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। यात्रा शुभ रहेगी। माता पक्ष से विशेष लाभ। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। यात्रा का परिणाम मिल जाएगा।

कन्या – अपने काम पर पैनी नजर रखिए। स्वास्थ्य लाभ में समय और धन व्यय होगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। समय पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे।

तुला – कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी।

वृश्चिक – अपने काम को प्राथमिकता से करें। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढने. के अवसर लाभकारी सिद्ध होंगे। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते हैं। कोई प्रिय वस्तु या नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। पुराने मित्र से मिलन होगा। अपने हित के काम सुबह-सवेरे निपटा लें।

धनु – धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। निर्मूल शंकाओं के कारण मनस्ताप भी पैदा हो सकते है। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धम-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। समय पक्ष का बना रहेगा।

मकर – परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। आलस्य का त्याग करें। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। जीवन साथी अथवा यार दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा।

कुंभ – पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। मित्र से मिलन होगा।

मीन – भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश सफल होगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं।

दैनिक पंचांग

8 अक्टूबर 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ समय	
सूर्य	कन्या में	तुला	06.39 बजे से
चंद्र	सिंह में	वृश्चिक	08.54 ब.से
मंगल	कर्क में	धनु	11.10 बजे से
बुध	तुला में	मकर	13.15 बजे से
गुरु	कर्क में	कुंभ	15.02 बजे से
शुक्र	तुला में	मीन	16.34 बजे से
शनि	मीन में	मेष	18.05 बजे से
राहु	कुंभ में	वृष	19.45 बजे से
केतु	सिंह में	मिथुन	21.43 बजे से
राहुकाल 1.30 से 3.00 बजे तक		कर्क	23.57 बजे से
		सिंह	02.13 बजे से
		कन्या	04.25 बजे से

गुरुवार 2026 वर्ष का 281 वा दिन **दिशाशूल** दक्षिण **ऋतु** शरद। **विक्रम संवत्** 2083 **शक संवत्** 1948 **मास** आश्विन (दक्षिण भारत में भाद्रपद) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** त्रयोदशी 22.17 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** पूर्वाफाल्गुनी 21.20 बजे को समाप्त। **योग** शुक्ल(शुक्र) 00.59 बजे रात्र को समाप्त। **करण** गर 10.44 बजे तदनन्तर वणिज 22.17 बजे को समाप्त। **चन्द्रायु** 24.9 घण्टे **रवि क्रान्ति** दक्षिण 05° 48' **सूर्य** दक्षिणायन **कलि अहर्गण** 1872856 **जूलियन दिन** 2461321.5 **कलियुग संवत्** 5128 **कल्पारंभ संवत्** 1972949128 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885128 **वीरनिर्वाण संवत्** 2552 **हिजरी सन्** 1448 **महीना** रवि उस्सानी **तारीख** 26 **विशेष** गुरु प्रदोष व्रत, मासिक शिवरात्रि, कलि युग दिवस।

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
शुभ	05.54 से 07.22 बजे तक	अमृत	05.40 से 07.11 बजे तक
रोग	07.22 से 08.51 बजे तक	चर	07.11 से 08.43 बजे तक
उद्वेग	08.51 से 10.19 बजे तक	रोग	08.43 से 10.15 बजे तक
चर	10.19 से 11.47 बजे तक	काल	10.15 से 11.47 बजे तक
लाभ	11.47 से 01.15 बजे तक	लाभ	11.47 से 01.19 बजे तक
अमृत	01.15 से 02.43 बजे तक	उद्वेग	01.19 से 02.51 बजे तक
काल	02.43 से 04.11 बजे तक	शुभ	02.51 से 04.23 बजे तक
शुभ	04.11 से 05.40 बजे तक	अमृत	04.23 से 05.55 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

मुजफ्फरनगर में रफ्तार के सिरफिरे: चलती स्कूटी पर घुटनों के बल खड़े होकर खतरनाक स्टंटबाजी, वीडियो वायरल के बाद हरकत में आई पुलिस

शहर की मुख्य सड़क पर दो युवकों ने जमकर उड़ाया यातायात नियमों का मखौल, पुलिस स्टंटबाजों की पहचान करने में जुटी

मुजफ्फरनगर। औद्योगिक नगरी मुजफ्फरनगर की सड़कों पर हुड़दंगियों और खतरनाक स्टंटबाजों का खौफ थमने का नाम नहीं ले रहा है। मंगलवार की देर रात शहर की एक व्यस्त सड़क पर उस वक्त राहगीरों के रोंगटे खड़े हो गए, जब दो युवकों को चलती स्कूटी पर जानलेवा स्टंट करते देखा गया। स्कूटी चला रहा युवक तेज रफ्तार में गाड़ी दौड़ा रहा था, जबकि पीछे बैठा युवक सीट पर घुटनों के बल खड़ा होकर हवा में संतुलन बनाने की कोशिश कर रहा था। इस पूरे घटनाक्रम का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसके बाद शहर की ट्रैफिक पुलिस और संबंधित थाना पुलिस हरकत में आ गई है। प्रत्यक्षदर्शियों ने मोबाइल में किया कैदे

घटना मंगलवार रात करीब 10 बजे की बताई जा रही है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, दोनों युवक मुख्य मार्ग पर अन्य वाहनों के बीच बेहद लापरवाही से स्कूटी दौड़ा रहे थे। स्कूटी के पीछे चल रहे कुछ अन्य वाहन चालकों ने इस खौफनाक हरकत को अपने मोबाइल कैमरों में रिकॉर्ड कर लिया और इंटरनेट पर अपलोड कर दिया। वायरल वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि जरा सा भी संतुलन बिगड़ने पर दोनों युवकों की जान जा सकती थी, साथ ही आसपास चल रहे अन्य वाहन चालक भी इसकी चपेट में आ सकते थे। फिलहाल वीडियो किस थाना क्षेत्र या किस मुख्य मार्ग का है, पुलिस इसकी बारीकी से जांच कर रही है। ट्रैफिक नियमों की धज्जियां, सख्त कार्रवाई की तैयारी

सड़क सुरक्षा विशेषज्ञों का कहना है कि इस तरह की स्टंटबाजी न केवल स्टंट करने वालों के लिए आत्मघाती है, बल्कि सड़क पर चल रहे बेकसूर लोगों के लिए भी काल बन सकती है। मुजफ्फरनगर पुलिस अब वायरल वीडियो के आधार पर स्कूटी के पंजीकरण नंबर को ट्रेस करने का प्रयास कर रही है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन का नंबर मिलते ही भारी-भरकम चालान काटने और वाहन को जब्त करने की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। मोटर वाहन अधिनियम की धारा 184 के तहत खतरनाक ड्राइविंग का मामला दर्ज होगा। वहीं सार्वजनिक मार्ग पर दूसरों की जान जोखिम में डालने के तहत दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी। गौरतलब है कि मुजफ्फरनगर में इस तरह की घटना पहली बार सामने नहीं आई है। इससे पहले भी शहर और राष्ट्रीय राजमार्गों पर रील बनाने और पब्लिसिटी पाने के चक्कर में युवा जान जोखिम में डालते रहे हैं।

हालिया कार्रवाई का नजीर

कुछ ही समय पहले पानीपत-खटीमा राष्ट्रीय राजमार्ग पर टोल प्लाजा के पास एक ही बाइक पर 5 युवक सवार होकर स्टंटबाजी कर रहे थे। उस मामले में मीरापुर थाना पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए पांचों युवकों को गिरफ्तार कर जेल भेजा था और बाइक सीज करते हुए भारी जुमार्ना लगाया था। पुलिस प्रशासन का कहना है कि शहर में शांति और सड़क सुरक्षा बनाए रखने के लिए ऐसे हुड़दंगियों पर लगाम कसना बेहद जरूरी है। जल्द ही इस वीडियो में दिख रहे युवकों को चिन्हित कर सलाखों के पीछे भेजा जाएगा।

भोपा क्षेत्र में करोड़ों के बारहसिंघा के छह सींग बरामद: पुलिस ने दबोचा तस्कर, नेटवर्क की तलाश में जुटी पुलिस

बरला-भोकरहेड़ी मार्ग से चेकिंग के दौरान हत्थे चढ़ा शातिर आरोपी

मोरना (मुजफ्फरनगर)। प्रदेश भर में वन्यजीवों के अंगों की अवैध तस्करी रोकने के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत थाना भोपा पुलिस को एक बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस टीम ने घेराबंदी कर बरला-भोकरहेड़ी मार्ग से एक अभियुक्त को गिरफ्तार किया है, जिसके कब्जे से दुर्लभ बारहसिंघा हिरन के छह सींग बरामद हुए हैं। पुलिस के अनुसार बरामद सींगों का कुल वजन करीब छह किलोग्राम है और अंतरराष्ट्रीय काले बाजार में इनकी अनुमानित कीमत करोड़ों रुपये आंकी जा रही है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, थाना भोपा पुलिस की एक टीम बरला-भोकरहेड़ी मार्ग पर स्थित रजवाहे की पुलिया के पास संदिग्ध वाहनों और व्यक्तियों की सघन चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान पैदल आ रहे एक व्यक्ति ने पुलिस टीम को देखकर अचानक अपना रास्ता बदलने और छिपने की कोशिश की। उसकी गतिविधियां संदिग्ध प्रतीत होने पर पुलिस जवानों ने घेराबंदी कर उसे हिरासत में ले लिया। तलाशी लेने पर आरोपी के पास मौजूद बैग से प्रतिबंधित वन्यजीव अंग यानी बारहसिंघा हिरन के छह सींग बरामद हुए। पुलिस ने मौके पर ही सींगों का वजन कराया, जो लगभग छह किलोग्राम निकला। इसके तुरंत बाद आरोपी को कस्टडी में लेकर थाने लाया गया। पुलिस पूछताछ में

गिरफ्तार आरोपी की पहचान विजय कुमार (पुत्र मन कुमार), निवासी ग्राम योगेन्द्रपुर, थाना भोपा, जनपद मुजफ्फरनगर के रूप में हुई है। प्रतिबंधित वन्यजीव अंगों के अवैध कब्जे और परिवहन के आरोप में पुलिस ने आरोपी के खिलाफ वन्यजीव संरक्षण अधिनियम, 1972 की सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज कर विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है। बरामद सींगों के मूल्य को लेकर पुलिस अधिकारियों का कहना है कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में इनकी कीमत करोड़ों रुपये बताई जाती है। हालांकि, सींगों की वास्तविक गुणवत्ता और सटीक मूल्यांकन वन विभाग के विशेषज्ञों व विभागीय प्रक्रिया के पूरा होने के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा। इतनी बड़ी मात्रा में संरक्षित वन्यजीव अंगों की बरामदगी के बाद पुलिस की जांच अब केवल विजय कुमार तक सीमित नहीं है। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक आरोपी के पूरे सप्लाई नेटवर्क (बैकवर्ड और फॉरवर्ड लिंकेज) की गहनता से पड़ताल की जा रही है। मुख्य फोकस इस बात पर है कि आरोपी को यह सींग किस जगह या किस शिकारी से प्राप्त हुए? इन्हें किस तस्करी नेटवर्क के जरिए कहां भेजा जाना था?

इस अवैध कारोबार के पीछे कौन-कौन से बड़े तस्कर या गिरोह सक्रिय हैं? पुलिस अधिकारियों का कहना है कि पूछताछ और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर इस गिरोह के बाकी सदस्यों तक पहुंचने का प्रयास किया जा रहा है

और संलिप्तता पाए जाने पर अन्य लोगों के खिलाफ भी सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

खतौली में ठाकुरद्वारा रामलीला का शुभारंभ: नारद तपस्या और मनु-शतरूपा के प्रसंगों ने मोहा मन

116 साल से कायम रामभक्ति की अलख, जय श्रीराम के जयकारों से गूंजा परिसर

खतौली (मुजफ्फरनगर)। खतौली के बड़ा बाजार स्थित ऐतिहासिक ठाकुरद्वारा में रामभक्ति और सनातन संस्कृति की 116 साल पुरानी अमर परंपरा का एक बार फिर से भव्य आगाज हुआ। ठाकुरद्वारा रामलीला का 116वां वार्षिकोत्सव धार्मिक श्रद्धा, उमंग और अपार उत्साह के साथ शुरू हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता रवि सैनी ने विधिवत पूजन-अर्चन के बाद फीता काटकर रामलीला का शुभारंभ किया। विगत 116 वर्षों से अनवरत चली आ रही यह परंपरा आज भी नगरवासियों की आस्था, उच्च संस्कारों और समृद्ध सनातन संस्कृति को अपने में संजोए हुए है।

रामलीला में भावपूर्ण प्रसंगों ने दर्शकों को मोहा

उद्घाटन समारोह के उपरांत चित्रकूट से

पधारे सुप्रसिद्ध कलाकारों ने मंच संभाला। लीला के प्रथम दिन कलाकारों ने नारद जी की कठोर तपस्या, कामदेव द्वारा तपस्या भंग करने के असफल प्रयास तथा मनु-शतरूपा द्वारा भगवान से वरदान मांगने के ऐतिहासिक एवं पौराणिक प्रसंगों का सजीव और भावपूर्ण मंचन किया। कलाकारों के ओजस्वी अभिनय, सजीव वेषभूषा और प्रभावशाली संवादों ने रामलीला मैदान में मौजूद सैकड़ों दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। मंचन के दौरान पूरा रामलीला परिसर 'जय श्रीराम' और 'हर-हर महादेव' के उद्घोष से लगातार गूंजता रहा, जिससे समूचा वातावरण पूरी तरह भक्तिमय और अलौकिक हो गया।

नई पीढ़ी को मयार्दा और संस्कारों से जोड़ना मुख्य लक्ष्य

आयोजन के महत्व पर प्रकाश डालते हुए रामलीला कमेटी के पदाधिकारियों ने संयुक्त रूप से कहा कि इस भव्य आयोजन का मकसद केवल धार्मिक मनोरंजन तक सीमित नहीं है। इसका मूल उद्देश्य आधुनिक दौर में अपनी जड़ों से दूर हो रही नई पीढ़ी को भगवान श्रीराम के उच्च आदर्शों, मयार्दा, संस्कारों और भारतीय संस्कृति के महान मूल्यों से परिचित कराना और उनसे जोड़ना है। कार्यक्रम का मंच संचालन (मास्टर संचालन) तेजपाल शर्मा ने अपनी ओजस्वी शैली में किया, जिसे उपस्थित जनसमूह ने काफी सराहा। देर रात तक चले इस धार्मिक कार्यक्रम में बड़ी संख्या में पहुंचे श्रद्धालुओं की मौजूदगी से पूरा रामलीला परिसर भक्ति, श्रद्धा और आनंद के सागर में डूबा रहा।

रामलीला कमेटी और गणमान्य नागरिकों की रही मौजूदगी

इस 116वें वार्षिकोत्सव के सफल आयोजन में रामलीला कमेटी के पदाधिकारियों और नगर के प्रमुख समाजसेवियों का विशेष सहयोग रहा। कार्यक्रम के दौरान कमेटी अध्यक्ष गणेश शंकर पालीवाल, कोषाध्यक्ष नवीन गुप्ता, मंत्री राजेंद्र जैन, नरेश पालीवाल, दुष्यंत शर्मा अन्नू, ज्ञानेश्वर शर्मा और पूरन विश्वकर्मा, सूरज पालीवाल, वेद प्रकाश अग्रवाल, प्रवीण शर्मा, सतीश वर्मा, अनुपम गौड़, मनोज सैनी, कन्हैया मित्तल, आदर्श नागर, रजनीश मिश्रा, प्रवीण गुप्ता, बृजभूषण विश्वकर्मा, राजेंद्र वर्मा, अनिल त्यागी, मनन गुप्ता, शिवम मित्तल, डॉ. दिनेश चंद्रा, मदन छाबड़ा, पूर्व सभासद वैभव जैन, नरेश गौड़, विभु शर्मा, राजकुमार निकास, अनिल चड्ढा, प्रदीप गुप्ता, सुशील गुर्जर, अखिलेश दत्त शर्मा सहित अनेक गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे।

पौष्टिक आहार के प्रति विद्यार्थियों को किया जागरूक

मुजफ्फरनगर। जी. डी. गोयनका पब्लिक स्कूल में कक्षा 6 से 8 के विद्यार्थियों के लिए स्वस्थ में आहार एवं पोषण विषय पर जागरूकता कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला के शुभारंभ पर विद्यालय की प्रधानाचार्या डॉ. स्वाति शर्मा ने विशेषज्ञ वक्ता श्रीमती रितिका भार्गव का स्वागत करते हुए उन्हें सम्मानस्वरूप पौधा भेंट किया। श्रीमती रितिका भार्गव ने विद्यार्थियों को संतुलित आहार, आवश्यक पोषक तत्त्वों, पौष्टिक नाश्ते तथा पर्याप्त जल के महत्त्व से परिचित कराया। उन्होंने काबोर्हाइड्रेट, प्रोटीन, स्वस्थ वसा, विटामिन एवं खनिजों की भूमिका समझाते हुए जंक फूड और अत्यधिक मीठे पेय पदार्थों के सेवन को सीमित करने के लिए प्रेरित किया।

कार्यशाला में गुड फूड हेबिटस विषय पर प्रश्नोत्तर सत्र भी हुआ, जिसमें

विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और अपनी स्वास्थ्य एवं पोषण संबंधी जिज्ञासाओं के समाधान प्राप्त किए।

इस अवसर पर प्रधानाचार्या डॉ. स्वाति शर्मा ने कहा, स्वस्थ आदतें ही स्वस्थ भविष्य की नींव हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से कार्यशाला में मिली सीख को दैनिक जीवन में अपनाने का आह्वान किया। उप-प्रधानाचार्या श्रीमती अंजली आनंद ने कार्यशाला की सराहना करते हुए विशेषज्ञ वक्ता एवं आयोजन से जुड़े सभी सदस्यों के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यशाला विद्यार्थियों के लिए ज्ञानवर्धक एवं उपयोगी रही। कार्यक्रम का मंच संचालन श्रीमती रूबी सिंह मलिक द्वारा किया गया और उनके सुव्यवस्थित संचालन के साथ कार्यक्रम संपन्न हुआ।

खतौली में केके जैन एजुकेशन एसोसिएशन में अनियमितता: जांच समिति का हुआ गठन, कुलपति के जल्द आख्या सौंपने के निर्देश

माँ शाकुम्भरी विश्वविद्यालय ने लिया संज्ञान, समिति करेगी गहन जांच

खतौली (मुजफ्फरनगर)। श्री कुन्द-कुन्द जैन एजुकेशन एसोसिएशन, खतौली में वित्तीय, प्रशासनिक और सदस्यता वितरण में कथित अनियमितताओं को लेकर उठ रहे सवालों के बीच उच्च शिक्षा जगत से बड़ी खबर सामने आई है। माँ शाकुम्भरी विश्वविद्यालय, सहारनपुर ने इन तमाम गंभीर शिकायतों को संज्ञान में लेते हुए एक उच्चस्तरीय जांच समिति का गठन कर दिया है। विश्वविद्यालय के कुलसचिव कमल कृष्ण द्वारा जारी कार्यालय ज्ञाप के अनुसार, समिति को मामले की निष्पक्ष जांच कर जल्द से जल्द आख्या सौंपने के निर्देश दिए गए हैं। राजभवन के निर्देश और स्थानीय शिकायतों पर बड़ा एक्शन विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा जारी आदेश के अनुसार, इस मामले में राज्यपाल सचिवालय (राजभवन), उत्तर प्रदेश के निदेशों के साथ-साथ अमित जैन, मोहित जैन तथा अचल जैन द्वारा प्रस्तुत लिखित

शिकायतों को मुख्य आधार बनाया गया है।एसोसिएशन में लंबे समय से वित्तीय लेन-देन, प्रशासनिक फैसलों और नए सदस्यों की सदस्यता को लेकर गड़बड़ी के आरोप लग रहे थे। इन शिकायतों की गंभीरता को देखते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति के आदेशों के अनुपालन में 5 अक्टूबर को जांच कराने का फैसला लिया गया, जिसके बाद 6 अक्टूबर को औपचारिक रूप से चार सदस्यीय समिति के गठन का ज्ञाप जारी कर दिया गया। चार सदस्यीय जांच समिति में ये अधिकारी शामिल विश्वविद्यालय द्वारा गठित चार सदस्यीय जांच समिति में प्रशासनिक और शैक्षणिक क्षेत्र के वरिष्ठ अधिकारियों को जिम्मेदारी सौंपी गई है। समिति में निम्नलिखित सदस्यों को शामिल किया गया है। इनमें माँ शाकुम्भरी विश्वविद्यालय के संकायाध्यक्ष (वाणिज्य), विश्वविद्यालय के वित्त अधिकारी अथवा उनके द्वारा नामित प्रतिनिधि, सहारनपुर मंडल के क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी तथा माँ शाकुम्भरी विश्वविद्यालय के सहायक कुलसचिव (प्रशासन/सम्बद्धता) शामिल हैं।

विश्वविद्यालय प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि समिति एसोसिएशन के संबंध में प्राप्त सभी शिकायतों के प्रत्येक पहलू की बारीकी से जांच करेगी और अपनी विस्तृत रिपोर्ट तैयार कर विश्वविद्यालय को प्रस्तुत करेगी। इस जांच आख्या के आधार पर ही आगे की विधिक व प्रशासनिक कार्रवाई तय की जाएगी। कार्यालय ज्ञाप की प्रतिलिपि कुलपति कार्यालय, जांच समिति के सभी सदस्यों, श्री कुन्द-कुन्द जैन एजुकेशन एसोसिएशन के प्राचार्य/सचिव तथा शिकायतकताओं को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्रवाई हेतु प्रेषित कर दी गई है। विश्वविद्यालय के इस कदम से एसोसिएशन के प्रबंधतंत्र में हड़कंप मच गया है।

भोपा क्षेत्र में मासूम के साथ हैवानियत: नशीली दवाई खिलाकर किया कुकर्म, पुलिस जांच में जुटी

नहाने के बहाने ट्यूबवेल पर ले गया था आरोपी, बेहोशी की हालत में छोड़कर हुआ फरार

मोरना (मुजफ्फरनगर)। जनपद के भोपा थाना क्षेत्र अंतर्गत एक गांव से इंसानियत को शर्मसार कर देने वाली सनसनीखेज वारदात सामने आई है। यहां पड़ोस के ही एक युवक द्वारा नौ वर्षीय मासूम बालक को बहाने से खेत पर ले जाकर नशीली दवाई खिलाने और उसके साथ अप्राकृतिक कृत्य (कुकर्म) करने का गंभीर आरोप लगा है। घटना के बाद आरोपी पीड़ित बच्चे को बेहोशी की हालत में खेत में छोड़कर मौके से फरार हो गया। प्राप्त विवरण के अनुसार, घटना बुधवार की सुबह उस वक्त की है जब पीड़ित बालक का पिता खेत पर काम करने गया हुआ था। इसी दौरान उसका नौ वर्षीय पुत्र गांव में ही स्थित एक खाली पड़े प्लॉट में आसपास के बच्चों के साथ खेल रहा था। पीड़ित पिता द्वारा पुलिस को दी गई तहरीर में आरोप लगाया गया है कि गांव के ही एक व्यक्ति का पुत्र उनके बेटे को नहाने के बहाने

ट्यूबवेल की ओर ले गया। आरोप है कि आरोपी युवक बालक को ईख के खेत में ले गया, जहां उसने मासूम को कोई नशीली दवाई खिला दी। इसके बाद आरोपी ने अचेत हो रहे बालक के साथ अप्राकृतिक कृत्य किया। वारदात को अंजाम देने के बाद जब बालक की हालत बिगड़ने लगी और वह बेहोश हो गया, तो आरोपी उसे वहीं छोड़कर मौके से फरार हो गया। काफी देर तक बालक के घर न पहुंचने पर परिजन उसकी तलाश कर रहे थे। इसी बीच मार्ग से गुजर रहे एक राहगीर ने खेत में बालक को बेहोशी की हालत में पड़ा देखा और तुरंत उसके परिवार को सूचना दी। परिजन आनन-फानन में मौके पर पहुंचे और मासूम को उठाकर घर लाए। घर लाकर प्राथमिक उपचार व देखभाल के बाद जब बालक को थोड़ा होश आया, तो उसने रोते हुए परिजनों को आपबीती सुनाई। पूरी बात सुनते ही परिजनों के पैरों तले जमीन खिसक गई। उन्होंने तुरंत डायल 112 पुलिस को सूचना दी, जिसके बाद पुलिस टीम गांव पहुंची।

घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस टीम पीड़ित बालक और उसके पिता को साथ लेकर थाना भोपा पहुंची। पीड़ित पिता ने थाने में नामजद/घटना से संबंधित तहरीर सौंपकर आरोपी के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई और गिरफ्तारी की मांग की है। मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। भोपा पुलिस का कहना है कि प्राप्त तहरीर के आधार पर घटना की पड़ताल की जा रही है और बालक का डॉक्टरी परीक्षण कराया जा रहा है, जांच के आधार पर आरोपी को जल्द गिरफ्तार कर विधिक कार्रवाई की जाएगी।

शुकतीर्थ के गंगा पुल से नाबालिग लड़की लापता: मानव तस्करी की आशंका, पुलिस जांच में जुटी

पिता ने मीरापुर निवासी दो युवकों पर अपहरण कर पंजाब भेजने का लगाया आरोप

मोरना (मुजफ्फरनगर)। जनपद के प्रसिद्ध तीर्थस्थल शुकतीर्थ से एक दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है। यहां गंगा नदी के पुल के पास से एक व्यक्ति की नाबालिग पुत्री संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गई। पीड़ित पिता ने मीरापुर क्षेत्र के दो युवकों पर अपनी बेटी का अपहरण करने और उसे पंजाब में सक्रिय एक मानव तस्करी (ह्यूमन ट्रैफिकिंग) गिरोह के पास भेजने का सनसनीखेज आरोप लगाते हुए थाना भोपा में तहरीर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, भोपा थाना क्षेत्र के निवासी एक व्यक्ति ने पुलिस को दी गई तहरीर में बताया कि बीते 28 सितंबर की सुबह वह अपनी नाबालिग पुत्री को लेकर शुकतीर्थ गया हुआ था। सुबह के समय वह अपनी बेटी को गंगा नदी के पुल पर सुरक्षित बैठाकर पास ही शौच के लिए चला गया। पीड़ित के मुताबिक जब वह कुछ देर बाद वापस लौटा, तो उसकी बेटी वहां से गायब थी। उसने आसपास के लोगों और श्रद्धालुओं से काफी पूछताछ की तथा संभावित ठिकानों पर तलाश की,

लेकिन बालिका का कोई सुराग नहीं मिल सका।

पीड़ित पिता का आरोप है कि घटना के तुरंत बाद उसने स्थानीय स्तर पर पुलिस को सूचना दी थी, लेकिन उस समय कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। इसके बाद पीड़ित ने अपने स्तर पर जानकारी जुटानी शुरू की, तो उसे पता चला कि उसकी नाबालिग पुत्री को थाना मीरापुर क्षेत्र के निवासी दो युवक बहला-फुसलाकर अपने साथ ले गए हैं।पीड़ित ने अपनी तहरीर में बेहद गंभीर आरोप लगाते हुए कहा है कि ये दोनों युवक नाबालिग लड़कियों का अपहरण कर उन्हें पंजाब में रह रहे अपने एक रिश्तेदार के पास भेज देते हैं, जहां से मानव तस्करी का नेटवर्क संचालित होता है। पीड़ित के अनुसार आरोपी युवक उसे धमकी भी दे रहे हैं कि पुलिस या कोर्ट उनका कुछ नहीं बिगाड़ सकती।अपनी नाबालिग बेटी की सुरक्षा को लेकर अनहोनी की आशंका जताते हुए पीड़ित पिता ने थाना भोपा पुलिस से गुहार लगाई है। उसने आरोपियों के खिलाफ अपहरण, धमकी देने तथा मानव तस्करी की संबंधित धाराओं में सख्त कानूनी कार्रवाई करने और अपनी बेटी की सकुशल बरामदगी की मांग की है। मामला संज्ञान में आने के बाद स्थानीय पुलिस हरकत में आ गई है। भोपा पुलिस का कहना है कि पीड़ित द्वारा दी गई तहरीर के आधार पर आरोपों की गंभीरता से पड़ताल की जा रही है। संदिग्धों की तलाश और बालिका की बरामदगी के लिए पुलिस टीम को सक्रिय कर दिया गया है।

जलभराव में उतरा खंभे का करंट, बैल की मौत, किसान बाल-बाल बचा

मीरापुर। थाना मीरापुर क्षेत्र के ग्राम रसूलपुर गढ़ी में बुधवार को विद्युत पोल में उतरे करंट की चपेट में आने से एक किसान के बैल की मौत हो गई। बैलगाड़ी चला रहा किसान करंट का झटका महसूस होते ही बैलगाड़ी से कूद गया, जिससे उसकी जान बच गई। घटना के बाद मौके पर ग्रामीणों की भीड़ जमा हो गई।

मीरापुर के मोहल्ला मुश्तर्क निवासी किसान मुनव्वर पुत्र मीदा अपने बैलों से बैलगाड़ी चलाकर खेत से चारा लेकर वापस लौट रहा था। बताया गया कि ग्राम रसूलपुर गढ़ी में सरकारी स्कूल के पास सड़क किनारे जलभराव था। किसान जलभराव वाले रास्ते से बैलगाड़ी लेकर गुजर रहा था। इसी दौरान सड़क किनारे लगे विद्युत विभाग के खंभे से पानी में करंट उतर आया, जिसकी चपेट में बैल आ गया। करंट लगते ही बैल तड़पने लगा। खतरा भांपते हुए किसान मुनव्वर ने बैलगाड़ी से कूदकर अपनी जान बचाई। वहीं बैलगाड़ी के पीछे बंधा दूसरा बैल भी करंट की चपेट में आने से बाल-बाल बचा। कुछ देर बाद करंट लगने से एक बैल की मौके पर ही मौत हो गई। किसान ने विद्युत विभाग पर लापरवाही का आरोप लगाया। उसका कहना है कि विद्युत पोल के नीचे तार लटका हुआ है, जो जलभराव के पानी के संपर्क में आने के कारण करंट उतरने का कारण बना। पीड़ित किसान ने विद्युत विभाग से मृत बैल का उचित मुआवजा दिलाने की मांग की है। जे.ई. सतीश कुमार ने बताया कि पीडित किसान से सम्पर्क कर मामले की जांच की जा रही है,

कैलापुर जसमोर के जंगल में अवैध खनन का आरोप, वन विभाग की कार्रवाई में जेसीबी और ट्राला जब्त

मीरापुर। थाना क्षेत्र के कैलापुर जसमोर के जंगल में प्रतिबंधित क्षेत्र होने के बावजूद कथित रूप से अवैध खनन किए जाने का मामला सामने आया है। ग्रामीणों का आरोप है कि पिछले करीब चार दिनों से जंगल क्षेत्र में दिन-रात बड़े पैमाने पर मिट्टी का खनन किया जा रहा था। सूचना के बाद वन विभाग की टीम ने कार्रवाई करते हुए एक जेसीबी मशीन और मिट्टी से भरा एक ट्राला जब्त किया है।

ग्रामीणों के मुताबिक खनन कार्य में कई जेसीबी मशीनों के साथ बड़ी संख्या में डंपर लगाए गए थे। आरोप है कि प्रतिबंधित वन क्षेत्र से मिट्टी निकालकर उसे दिल्ली-पौड़ी राजमार्ग के निर्माण कार्य में इस्तेमाल किया जा रहा था। भारी वाहनों की लगातार आवाजाही से क्षेत्र की सड़कों के भी प्रभावित होने की बात ग्रामीणों ने कही। ग्रामीणों का कहना है कि जिस स्थान पर खनन किए जाने का आरोप है, वह वन विभाग के कार्यालय से करीब तीन किलोमीटर की दूरी पर है। सेंचुरी क्षेत्र में खनन प्रतिबंधित होने के बावजूद बड़े स्तर पर मिट्टी उठाए जाने को लेकर ग्रामीणों ने सवाल उठाए हैं। उन्होंने वन क्षेत्राधिकारी पर खनन करने वालों से मिलीभगत का आरोप लगाते हुए निष्पक्ष जांच की मांग की है। ग्रामीणों ने उच्च अधिकारियों से मौके का निरीक्षण कर खनन तत्काल रुकवाने तथा मशीनों और डंपरों की जांच कराने की मांग की है। वन क्षेत्राधिकारी अशोक शर्मा ने बताया कि अवैध खनन के मामले में विभागीय कार्रवाई शुरू कर दी गई है। वन विभाग की टीम ने एक जेसीबी और मिट्टी से भरा ट्राला जब्त किया है। निर्धारित जुमार्ना संबंधित व्यक्ति से वसूला जाएगा।

एक क्लिक से खाली हो सकता है बैंक खाता, साइबर ठगों से बचने के लिए छात्रों को किया जागरूक

जानसठ रोड के एस.डी. पब्लिक स्कूल में साइबर जागरूकता कार्यक्रम, एसपी क्राइम व निरीक्षक ने बताए ठगी के नए तरीके; ओटीपी, पिन, सीवीवी और पासवर्ड किसी से साझा न करने की दी हिदायत

मुजफ्फरनगर। साइबर अपराध लगातार नए रूप में सामने आ रहे हैं। कभी फर्जी लिंक भेजकर तो कभी इनाम और रिवार्ड का लालच देकर साइबर ठग लोगों को अपना शिकार बना रहे हैं। ऑनलाइन गेमिंग के नाम पर भी युवाओं और बच्चों को ठगी के जाल में फंसाया जा रहा है। ऐसे में साइबर अपराधों से बचाव के लिए मुजफ्फरनगर पुलिस ने स्कूली छात्र-छात्राओं को जागरूक करने की पहल तेज कर दी है। इसी क्रम में बुधवार को जानसठ रोड स्थित द एस.डी. पब्लिक स्कूल में साइबर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में पुलिस अधीक्षक अपराध इन्दु सिद्धार्थ ने छात्र-छात्राओं और स्कूल स्टाफ को साइबर अपराधों के प्रति जागरूक किया। कार्यक्रम का शुभारंभ एसपी क्राइम ने दीप प्रज्वलित कर किया। स्कूल स्टाफ की ओर से उनका पौधा भेंट कर स्वागत किया गया।

बच्चों को समझाए साइबर ठगी के नए तरीके कार्यक्रम के दौरान एसपी क्राइम इन्दु सिद्धार्थ व साइबर क्राइम थाना प्रभारी निरीक्षक कर्मवीर सिंह ने छात्र-छात्राओं को वर्तमान समय में सामने आ रहे विभिन्न प्रकार के साइबर अपराधों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि साइबर अपराधी लोगों को ठगने के लिए लगातार नए तरीके अपना रहे हैं। बॉस स्कीम, जिप फाइल फ्रॉड, ओटीपी फ्रॉड और गेमिंग फ्रॉड जैसे मामलों में विशेष सावधानी बरतने की जरूरत है। उन्होंने छात्र-छात्राओं को बताया कि साइबर अपराधी कई बार आकर्षक संदेश, लिंक, फाइल या ऑफर के माध्यम से लोगों को अपने जाल में फंसाते हैं। लिंक पर क्लिक करते ही मोबाइल या खाते से जुड़ी जानकारी खतरे में पड़ सकती है। इसलिए किसी भी अनजान व्यक्ति द्वारा भेजे गए लिंक को खोलने से पहले

उसकी पूरी तरह जांच करना जरूरी है। ऑनलाइन गेमिंग में लालच देकर हो रही ठगी कार्यक्रम में ऑनलाइन गेमिंग के दौरान होने वाली साइबर ठगी को लेकर भी छात्र-छात्राओं को विशेष रूप से सचेत किया गया। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि साइबर अपराधी फर्जी गेमिंग लिंक, नकली गेमिंग एप्लीकेशन और वेबसाइट के जरिए लोगों को आकर्षित करते हैं। इसके बाद इनाम, रिवार्ड या गेम में पैसे लगाने का लालच देकर उनसे रकम ऐंठने का प्रयास किया जाता है। छात्रों को सलाह दी गई कि किसी भी अनजान गेमिंग एप्लीकेशन या वेबसाइट पर अपनी व्यक्तिगत अथवा बैंकिंग जानकारी दर्ज न करें। किसी फर्जी इनाम या रिवार्ड के लालच में आकर पैसे ट्रांसफर करने से भी बचें। ओटीपी, पिन और सीवीवी बताया सबसे गोपनीय एसपी क्राइम ने छात्र-छात्राओं को साइबर सुरक्षा के बुनियादी नियम भी समझाए। उन्होंने कहा कि ओटीपी, पिन, सीवीवी, पासवर्ड और बैंकिंग संबंधी गोपनीय जानकारी किसी भी व्यक्ति के साथ साझा नहीं करनी चाहिए। बैंक या किसी सरकारी संस्था के नाम पर फोन आने पर भी बिना पुष्टि किए अपनी गोपनीय जानकारी देने से बचना चाहिए। उन्होंने अनजान लिंक पर क्लिक नहीं करने, संदिग्ध जिप फाइल अथवा अज्ञात फाइल और एप्लीकेशन डाउनलोड नहीं करने की सलाह दी। साथ ही सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल करते समय भी सावधानी बरतने को कहा गया। कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं से कहा गया कि यदि उन्हें सोशल मीडिया, ऑनलाइन गेमिंग अथवा इंटरनेट पर कोई संदिग्ध गतिविधि दिखाई देती है तो उसे नजरअंदाज न करें। इसकी जानकारी तत्काल अपने अभिभावकों अथवा पुलिस को दें।

20 आईपीएस अधिकारियों के तबादले, सूरज राय बने मुजफ्फरनगर के नए एसएसपी

संजय कुमार को प्रयागराज पीएसी भेजा गया, बागपत से मुजफ्फरनगर आए सूरज कुमार राय, कई जिलों के पुलिस कप्तान बदले

मुजफ्फरनगर। उत्तर प्रदेश शासन ने पुलिस विभाग में बड़ा फेरबदल करते हुए 20 आईपीएस अधिकारियों के तबादले किए हैं। सबसे महत्वपूर्ण बदलाव मुजफ्फरनगर में हुआ है। जिले के एसएसपी संजय कुमार को 04वीं वाहिनी पीएसी प्रयागराज का सेनानायक बनाया गया है, जबकि बागपत के एसपी सूरज कुमार राय को मुजफ्फरनगर का नया एसएसपी बनाया गया है। तबादला सूची इस प्रकार है–

1. ए. सतीश गणेश, आईपीएस-1996 अपर पुलिस महानिदेशक यातायात एवं सड़क सुरक्षा, उत्तर प्रदेश, लखनऊ के पद पर बने रहेंगे। उनके पास रहा अपराध शाखा का अतिरिक्त कार्यभार हटा दिया गया है।

2. भगवान एस. श्रीवास्तव, आईपीएस-1998
अपर पुलिस महानिदेशक तकनीकी सेवाएं, लखनऊ के साथ अपर पुलिस महानिदेशक अपराध का अतिरिक्त कार्यभार संभालेंगे।

3. यशवीर सिंह, आईपीएस-2013 पुलिस अधीक्षक बस्ती से पुलिस अधीक्षक जौनपुर बनाए गए हैं।

4. कुँवर अनुपम सिंह, आईपीएस-2013 पुलिस अधीक्षक जौनपुर से पुलिस अधीक्षक, पीएसी मुख्यालय लखनऊ भेजे गए हैं।

5. रवीना त्यागी, आईपीएस-2014 पुलिस उपायुक्त लखनऊ से पुलिस अधीक्षक बाराबंकी बनाई गई हैं।

6. संजय कुमार, आईपीएस-एसपीएस-2014 मुजफ्फरनगर के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक पद से स्थानांतरित होकर 04वीं वाहिनी पीएसी प्रयागराज के सेनानायक बनाए गए हैं। 7. ओमवीर सिंह, आईपीएस-एसपीएस-2014
पुलिस अधीक्षक बलिया से पुलिस अधीक्षक बस्ती बनाए गए हैं।

8. कुँवर ज्ञानन्जय सिंह, आईपीएस-एसपीएस-2016
पुलिस अधीक्षक हापुड़ से पुलिस उपायुक्त, पुलिस कमिश्नरेट प्रयागराज भेजे गए हैं। 9. कमलेश बहादुर, आईपीएस-एसपीएस-2017 पुलिस अधीक्षक मऊ से पुलिस अधीक्षक लोक शिकायत, पुलिस महानिदेशक मुख्यालय लखनऊ भेजे गए हैं। 10. ईरज राजा, आईपीएस-2017 पुलिस अधीक्षक गाजीपुर से पुलिस अधीक्षक बलिया बनाए गए हैं। 11. अर्पित विजयवर्गीय, आईपीएस-2017 पुलिस अधीक्षक बाराबंकी से पुलिस उपायुक्त, पुलिस कमिश्नरेट लखनऊ भेजे गए हैं। 12. सर्वेश कुमार मिश्रा, आईपीएस-एसपीएस-2018 04वीं वाहिनी पीएसी प्रयागराज के सेनानायक से पुलिस अधीक्षक मऊ बनाए गए हैं।

13. विनय कुमार सिंह, आईपीएस-एसपीएस-2018 पुलिस अधीक्षक जालौन से पुलिस अधीक्षक गाजीपुर बनाए गए हैं।

14. सूरज कुमार राय, आईपीएस-2018
पुलिस अधीक्षक बागपत से वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मुजफ्फरनगर बनाए गए हैं।

15. चिराग जैन, आईपीएस-2020 पुलिस अधीक्षक ग्रामीण आजमगढ़ से पुलिस अधीक्षक नगर बरेली बनाए गए हैं।

16. मानुष पारीक, आईपीएस-2020 पुलिस अधीक्षक नगर बरेली से पुलिस अधीक्षक नगर आजमगढ़ बनाए गए हैं।

17. आलोक राज नारायण, आईपीएस-2022
सहायक पुलिस अधीक्षक हरदोई से अपर पुलिस अधीक्षक मथुरा बनाए गए हैं।

मशालों की रोशनी में निकली सेवा ज्योति यात्रा, भाजपाइयों ने लिया विकसित भारत का संकल्प

टाउन हॉल में गोष्ठी के बाद शहर में निकली यात्रा, भाजपा नेताओं ने गिनाईं केंद्र और प्रदेश सरकार की उपलब्धियां, योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने का आह्वान

मुजफ्फरनगर। विकसित भारत के संकल्प को जन-जन तक पहुंचाने और केंद्र एवं प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रति लोगों को जागरूक करने के उद्देश्य से बुधवार को शहर में सेवा ज्योति यात्रा निकाली गई। इससे पहले टाउन हॉल में आयोजित गोष्ठी में भाजपा नेताओं ने सरकार की उपलब्धियों और विभिन्न योजनाओं पर विस्तार से चर्चा की। वक्ताओं ने कार्यकताओं से आह्वान किया कि वह सरकार की योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक पहुंचाने के लिए सक्रिय भूमिका निभाएं।

कार्यक्रम में भाजपा किसान मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष देवेंद्र सिंह, जिला पंचायत प्रशासक डॉ. वीरपाल निर्वाल, पूर्व विधायक बुढ़ाना उमेश मलिक, भाजपा जिलाध्यक्ष सुधीर सैनी, जिला महामंत्री शरद शर्मा, नगर पालिका परिषद की चेयरपर्सन मीनाक्षी स्वरूप, श्रीमोहन तायल समेत बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि और कार्यकर्ता मौजूद रहे। टाउन हॉल में आयोजित गोष्ठी में भाजपा नेताओं ने केंद्र और प्रदेश सरकार की ओर से संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं और विकास कार्यों को लेकर कार्यकताओं से संवाद किया। वक्ताओं ने कहा कि सरकार की नीतियों का उद्देश्य समाज के हर वर्ग को विकास की मुख्यधारा से जोड़ना है। नेताओं ने कहा कि गरीबों, किसानों, महिलाओं और युवाओं के लिए संचालित योजनाओं का व्यापक स्तर पर लाभ पहुंचा है। उन्होंने कार्यकताओं से कहा कि योजनाओं की जानकारी केवल पार्टी कार्यकताओं तक सीमित न रहे, बल्कि जरूरतमंद लोगों को योजनाओं की जानकारी देकर उन्हें उनका लाभ दिलाने के लिए भी

प्रयास किए जाएं। गोष्ठी में वक्ताओं ने कहा कि विकसित भारत का लक्ष्य केवल सरकार के प्रयासों से पूरा नहीं हो सकता। इसके लिए समाज के प्रत्येक वर्ग की भागीदारी जरूरी है। जनभागीदारी के माध्यम से ही विकास की योजनाओं को व्यापक स्तर पर लागू किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि किसानों, महिलाओं, युवाओं और गरीब परिवारों के लिए सरकार की ओर से कई योजनाएं संचालित की जा रही हैं। कार्यकताओं की जिम्मेदारी है कि वह पात्र लोगों को इन योजनाओं की जानकारी दें और उन्हें लाभ लेने के लिए प्रेरित करें। गोष्ठी के समापन के बाद कार्यकताओं ने मशाल जलाकर सेवा ज्योति यात्रा का शुभारंभ किया। बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता हाथों में मशाल लेकर यात्रा में शामिल हुए। मशालों की रोशनी के बीच निकली यात्रा के दौरान कार्यकताओं में खासा उत्साह नजर आया। यात्रा में शामिल भाजपा कार्यकर्ता सेवा, सुशासन और विकास का संदेश लेकर आगे बढ़े। यात्रा को लेकर कार्यकताओं में उत्साह का माहौल रहा और बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता इसमें शामिल हुए। भाजपा नेताओं ने कहा कि सेवा ज्योति यात्रा का उद्देश्य लोगों तक सेवा, सुशासन और विकास का संदेश पहुंचाना है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश विकास के नए आयाम स्थापित कर रहा है और प्रदेश में भी विकास एवं जनकल्याण की योजनाओं को प्राथमिकता दी जा रही है। वक्ताओं ने कार्यकताओं से कहा कि विकसित भारत के लक्ष्य को हासिल करने के लिए संगठन के प्रत्येक कार्यकर्ता को अपनी जिम्मेदारी निभानी होगी।

मीरापुर के लाइनमैन चांद मियां ने कुश्ती में लहराया परचम

मीरापुर। पश्चिमांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड, मेरठ द्वारा 52वीं उत्तर प्रदेश पावर सेक्टर अंतर परियोजना के तहत चार दिवसीय कुश्ती प्रतियोगिता का आयोजन चैधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ में किया गया। प्रतियोगिता में पूर्वांचल, पश्चिमांचल, दक्षिणांचल और मध्यांचल विद्युत वितरण निगमों के विभागीय कर्मचारियों ने प्रतिभाग किया।

प्रतियोगिता में मीरापुर उपखंड के बिजली विभाग में तैनात टीजी-2 लाइनमैन चांद मियां ने भी शानदार प्रदर्शन करते हुए अपनी कुश्ती प्रतिभा का दम दिखाया। चांद मियां ने मुकाबले के दौरान 92 किलोग्राम भार वर्ग के पहलवान को हराकर अपनी मजबूत दावेदारी पेश की। बेहतरीन प्रदर्शन के दम पर उन्होंने प्रतियोगिता में दूसरा स्थान हासिल किया।

चांद मियां की इस उपलब्धि से मीरापुर उपखंड के बिजली कर्मचारियों के साथ-साथ क्षेत्र में भी खुशी का माहौल है। विभागीय कर्मचारियों और क्षेत्रवासियों ने उन्हें बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। प्रतियोगिता के समापन अवसर पर मुख्य अतिथि प्रबंध निदेशक रविश गुप्ता और क्रीड़ा अधिकारी अलका तोमर ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को शील्ड और मेडल देकर सम्मानित किया। चांद मियां के सम्मानित होने पर विभागीय अधिकारियों और सहकर्मियों ने हर्ष व्यक्त किया। प्रतियोगिता में प्रदेश के विभिन्न डिस्कॉम से आए कर्मचारियों ने खेल भावना के साथ प्रतिभाग किया।

फोटो कैप्शन- लाइनमैन चांद मियां को पुरस्कृत करते अतिथि।

मुजफ्फरनगर में 10 अक्टूबर से मिलेगा मुफ्त राशन, अंत्योदय कार्ड पर 35 किलो खाद्यान्न

25 अक्टूबर तक चलेगा वितरण अभियान, पात्र गृहस्थी कार्डधारकों को प्रति यूनिट पांच किलो गेहूं-चावल मिलेगा, सुबह-शाम तय समय पर ई-पॉस मशीन से होगा वितरण

मुजफ्फरनगर। जिले के अंत्योदय और पात्र गृहस्थी राशन कार्डधारकों के लिए बड़ी राहत की खबर है। राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम-2013 के तहत अक्टूबर माह का आवंटित खाद्यान्न 10 अक्टूबर से 25 अक्टूबर 2026 तक निःशुल्क वितरित किया जाएगा। जिला पूर्ति विभाग ने इसके लिए सभी उचित दर विक्रेताओं को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी कर दिए हैं। राशन का वितरण ई-पॉस मशीन के माध्यम से संबंधित दुकानों पर निर्धारित प्रक्रिया के तहत कराया जाएगा। जिला पूर्ति अधिकारी ने बताया कि शासन से प्राप्त निदेर्शों के अनुसार अक्टूबर माह के लिए अंत्योदय और पात्र गृहस्थी कार्डधारकों को निर्धारित मात्रा में गेहूं और चावल उपलब्ध कराया जाएगा। वितरण प्रक्रिया पर निगरानी रखने के लिए जिलाधिकारी द्वारा दुकानवार और क्षेत्रवार पर्यवेक्षणीय एवं नोडल अधिकारियों की भी तैनाती की गई है। अंत्योदय राशन कार्डधारकों को अक्टूबर माह में प्रति कार्ड कुल 35 किलोग्राम खाद्यान्न निःशुल्क दिया जाएगा। इसमें 21 किलोग्राम गेहूं और 14 किलोग्राम चावल शामिल होंगे। वहीं पात्र गृहस्थी राशन कार्डधारकों को उनके कार्ड से जुड़े प्रत्येक यूनिट के हिसाब से कुल 5 किलोग्राम खाद्यान्न मिलेगा। इसमें प्रति यूनिट 3 किलोग्राम गेहूं और 2 किलोग्राम चावल का वितरण किया जाएगा। जिला पूर्ति विभाग के अनुसार राशन वितरण की प्रक्रिया 10 अक्टूबर से शुरू होकर 25 अक्टूबर 2026 तक चलेगी। सभी कार्डधारकों को इसी अवधि में अपने संबंधित उचित दर विक्रेता की दुकान से निःशुल्क खाद्यान्न प्राप्त करना होगा। विभाग ने लाभार्थियों से अपील की है कि वे वितरण की अंतिम तिथि का इंतजार न करें और निर्धारित अवधि में राशन प्राप्त कर लें। आधार से सत्यापन नहीं हुआ तो

मोबाइल ओटीपी से मिलेगा राशन
राशन वितरण के दौरान आधार प्रमाणीकरण की व्यवस्था लागू रहेगी। ऐसे उपभोक्ता जिनका आधार प्रमाणीकरण के माध्यम से सत्यापन नहीं हो पा रहा है, उन्हें मोबाइल ओटीपी सत्यापन के माध्यम से खाद्यान्न प्राप्त करने की सुविधा दी जाएगी।
मोबाइल ओटीपी के माध्यम से भी राशन प्राप्त करने की अंतिम तिथि 25 अक्टूबर 2026 ही निर्धारित की गई है।

पोर्टेबिलिटी की भी मिलेगी सुविधा
अक्टूबर माह के निःशुल्क गेहूं और चावल के वितरण में पोर्टेबिलिटी ट्रांजेक्शन की सुविधा भी उपलब्ध रहेगी। उचित दर विक्रेता अपने उपलब्ध स्टॉक की सीमा तक पोर्टेबिलिटी के माध्यम से राशन वितरण कर सकेंगे। इस सुविधा से ऐसे लाभार्थियों को सहूलियत मिलेगी, जो निर्धारित व्यवस्था के तहत पोर्टेबिलिटी के माध्यम से अपना राशन प्राप्त करना चाहते हैं।

सुबह 8 से दोपहर 12 और शाम 2 से 6 बजे तक खुलेंगी दुकानें
विभाग ने राशन वितरण के लिए समय भी निर्धारित कर दिया है। उचित दर दुकानों पर आवश्यक वस्तुओं का वितरण सुबह 8 बजे से दोपहर 12 बजे तक तथा दोपहर 2 बजे से शाम 6 बजे तक सुनिश्चित किया जाएगा। राशन दुकानदारों को निर्देश दिए गए हैं कि वे निर्धारित समय के दौरान दुकान पर मौजूद रहकर लाभार्थियों को ई-पॉस मशीन के माध्यम से खाद्यान्न उपलब्ध कराएं। राशन वितरण में किसी तरह की गड़बड़ी रोकने के लिए जिलाधिकारी द्वारा दुकानवार और क्षेत्रवार पर्यवेक्षणीय एवं नोडल अधिकारी नामित किए गए हैं। संबंधित अधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्र की उचित दर दुकानों पर सतर्क निगरानी रखने के निर्देश दिए गए हैं।

शाहपुर और सिसौली की कान्हा गोशालाओं में पहुंची पशु चिकित्सा विभाग की टीम, गोवंशों का लिया हाल

पशु चिकित्सा अधिकारी डूंगर ने किया औचक निरीक्षण, सभी गोवंश स्वस्थ मिले; हरा चारा, भूसा, चोकर और स्वच्छ पेयजल की व्यवस्था जांची, पशु आहार देने और साफ-सफाई के निर्देश

मुजफ्फरनगर। गोवंशों की देखभाल और गोआश्रय स्थलों की व्यवस्थाओं को लेकर पशु चिकित्सा विभाग लगातार निगरानी कर रहा है। इसी क्रम में बुधवार को पशु चिकित्सा अधिकारी डूंगर डॉ. वैभव आर्य ने कान्हा गोशाला शाहपुर और सिसौली का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान गोशालाओं में मौजूद गोवंशों के स्वास्थ्य के साथ-साथ चारे, पानी, पशु आहार और साफ-सफाई की व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया। मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. जितेंद्र गुप्ता के निर्देशन में किए गए निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने गोवंशों की स्थिति को बारीकी से देखा। निरीक्षण में सभी गोवंश स्वस्थ पाए गए। गोशालाओं में व्यवस्थाओं को लेकर संबंधित कर्मचारियों और केयरटेकर को आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए गए।

पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. वैभव आर्य ने शाहपुर स्थित कान्हा गोआश्रय स्थल का निरीक्षण करते हुए वहां उपलब्ध चारे और अन्य व्यवस्थाओं की जानकारी

ली। निरीक्षण के दौरान गोवंशों के लिए पर्याप्त मात्रा में हरा चारा, भूसा, स्वच्छ पेयजल और पशु आहार उपलब्ध मिला। अधिकारियों ने गोवंशों को नियमित रूप से हरा चारा और पशु आहार उपलब्ध कराने के साथ ही गोशाला परिसर में साफ-सफाई व्यवस्था बेहतर बनाए रखने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान गोशाला में केयरटेकर भी मौजूद मिले। सिसौली गोशाला में अगोला, भूसा और चोकर उपलब्ध मिला
इसके बाद पशु चिकित्सा अधिकारी ने सिसौली स्थित कान्हा गोआश्रय स्थल का निरीक्षण किया। यहां गोवंशों के लिए पर्याप्त मात्रा में अगोला, भूसा और चोकर उपलब्ध पाया गया। निरीक्षण के दौरान संबंधित कर्मचारियों को सभी गोवंशों को नियमित रूप से पशु आहार उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए। अधिकारियों ने यह भी सुनिश्चित करने को कहा कि गोवंशों के खान-पान और स्वास्थ्य संबंधी जरूरतों में किसी प्रकार की लापरवाही न हो। निरीक्षण के दौरान सभी गोवंश स्वस्थ पाए जाने पर पशु चिकित्सा विभाग ने संतोष जताया। अधिकारियों ने गोशाला संचालकों और कर्मचारियों को निर्देश दिए कि गोवंशों के स्वास्थ्य पर लगातार नजर रखी जाए और किसी पशु के बीमार होने की स्थिति में तत्काल पशु चिकित्सा विभाग को सूचना दी जाए। साथ ही गोशाला परिसर में साफ-सफाई, स्वच्छ पेयजल और पर्याप्त चारे की उपलब्धता लगातार बनाए रखने के निर्देश दिए गए। जिला प्रशासन की ओर से गोशालाओं की व्यवस्थाओं पर लगातार निगरानी रखी जा रही है। पशु चिकित्सा विभाग के अधिकारी समय-समय पर गोआश्रय स्थलों का निरीक्षण कर वहां गोवंशों के स्वास्थ्य, चारे और अन्य व्यवस्थाओं की स्थिति जांच रहे हैं। अधिकारियों ने संबंधित कर्मचारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि गोवंशों की देखभाल में किसी भी स्तर पर लापरवाही नहीं होनी चाहिए और शासन की मंशा के अनुरूप गोआश्रय स्थलों में सभी आवश्यक व्यवस्थाएं दुरुस्त रखी जाएं।

सब्सिडी भुगतान को लेकर भूम्मा बी-पैक्स पर किसानों का धरना, भाकियू ब्लॉक अध्यक्ष विवेक भाटी ने संभाली कमान, 15 अक्टूबर तक भुगतान का भरोसा

मीरापुर। थाना मीरापुर क्षेत्र के ग्राम भूम्मा स्थित बहुउद्देश्यीय ग्रामीण सहकारी समिति लिमिटेड (बी-पैक्स) पर बुधवार को भारतीय किसान यूनियन (राजनैतिक) के बैनर तले किसानों ने सब्सिडी के भुगतान की मांग को लेकर धरना प्रदर्शन शुरू कर दिया। धरने का नेतृत्व भाकियू के ब्लॉक अध्यक्ष विवेक भाटी ने किया। किसानों ने समिति से जुड़े पात्र किसानों को लंबित तीन प्रतिशत सब्सिडी का भुगतान जल्द कराने की मांग उठाई। ब्लॉक अध्यक्ष विवेक भाटी ने बताया कि समिति द्वारा किसानों से सात प्रतिशत ब्याज लिया गया था, जिसमें तीन प्रतिशत राशि सब्सिडी के रूप में किसानों को वापस की जानी थी। उनके अनुसार समिति से जुड़े कुल 1537 किसानों को तीन प्रतिशत सब्सिडी मिलनी है, लेकिन अभी तक केवल 416 किसानों के खातों में ही सब्सिडी पहुंची है। शेष किसानों को भुगतान नहीं होने से उनमें रोष है। किसानों ने कहा कि जब तक सभी पात्र किसानों को सब्सिडी का भुगतान नहीं किया जाता, तब तक

उनका धरना जारी रहेगा। इसके अलावा किसानों ने फाइल तैयार करने के नाम पर प्रति किसान 2000 रुपये लिए जाने का आरोप लगाते हुए मामले की जांच कराने की भी मांग की। वहीं समिति के एमडी विपिन पांडे ने बताया कि कुछ किसानों द्वारा जमा कराए गए प्रमाण पत्रों में त्रुटियां होने के कारण उनकी सब्सिडी नहीं मिल सकी है। प्रमाण पत्रों की त्रुटियां दूर कर 15 अक्टूबर तक पात्र किसानों के खातों में सब्सिडी भेजने का प्रयास किया जाएगा। उन्होंने बताया कि करीब 300 किसानों ने निर्धारित तिथि के बाद फॉर्म जमा किए थे, जिसके चलते उनकी सब्सिडी खाते में नहीं पहुंच पाएगी। फिलहाल पूरे मामले की जांच की जा रही है। धरने में नफीस नगर अध्यक्ष जानसठ, ओमपाल, अमित कुमार, सत्य प्रकाश, प्रेमराज, मुकेश गिरी, धर्मेंद्र भाटी, भरे खान, इकबाल, बालिस्टर, राजपाल, नसीम, रिजवान, जितेंद्र, रवि चंद्रा, अनुराग, वीर भानु, अंकुर भाटी, जय सिंह, सुरेश चंद त्यागी, नीरव, नीरज भाटी, शिवम कुमार, जोगिंदर, अमरीश कुमार और अर्पित भाटी सहित बड़ी संख्या में किसान मौजूद रहे।

15 नवंबर के आगरा दलित सम्मेलन को लेकर सपा ने कसी कमर, मुजफ्फरनगर से बड़ी भागीदारी का आह्वान

मधुर मिलन पैलेस में पीडीएफ संवाद कार्यक्रम में राष्ट्रीय महासचिव रामजीलाल सुमन ने कार्यकताओं में भरा जोश, जिलाध्यक्ष जिया चौधरी और विधायक पंकज मलिक ने भी सम्मेलन को सफल बनाने की अपील की

मुजफ्फरनगर। कुकड़ा चौराहा स्थित मधुर मिलन पैलेस में समाजवादी पार्टी की ओर से आयोजित पीडीएफ संवाद कार्यक्रम में आगामी 15 नवंबर को आगरा में होने वाले दलित सम्मेलन को लेकर पार्टी कार्यकताओं में जोश भरने का काम किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव एवं राज्यसभा सांसद रामजीलाल सुमन ने कार्यकताओं को संबोधित करते हुए सम्मेलन में मुजफ्फरनगर से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचने का आह्वान किया। रामजीलाल सुमन ने कहा कि कार्यकर्ता संगठन की रीढ़ हैं और किसी भी बड़े कार्यक्रम की सफलता कार्यकताओं की सक्रिय भागीदारी से ही सुनिश्चित होती है। उन्होंने पार्टी पदाधिकारियों से कहा कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में संपर्क अभियान चलाएं और अधिक से अधिक लोगों को आगरा सम्मेलन से जोड़ने का काम करें। उन्होंने सामाजिक न्याय, समानता और वंचित वर्गों की आवाज को मजबूत करने के लिए संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत करने पर जोर दिया। राष्ट्रीय महासचिव ने कहा कि 15 नवंबर को आगरा में होने वाला दलित सम्मेलन महत्वपूर्ण कार्यक्रम है। उन्होंने मुजफ्फरनगर के कार्यकताओं से बड़ी संख्या में आगरा पहुंचकर सम्मेलन को सफल बनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि पार्टी कार्यकर्ता गांव, कस्बे और शहर के स्तर पर लोगों से संवाद स्थापित करते हुए संगठन की गतिविधियों को मजबूत करें। उन्होंने कार्यकताओं से एकजुट होकर पार्टी की नीतियों और

सामाजिक न्याय से जुड़े मुद्दों को जनता के बीच ले जाने की अपील की। कार्यक्रम के दौरान कार्यकताओं में आगामी सम्मेलन को लेकर उत्साह भी दिखाई दिया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता समाजवादी पार्टी के जिलाध्यक्ष जिया चौधरी ने की। उन्होंने कहा कि पार्टी संगठन की ताकत उसके कार्यकर्ता हैं। सभी पदाधिकारी और कार्यकर्ता आपसी समन्वय के साथ संगठन को मजबूत करने का काम करें। उन्होंने 15 नवंबर को आगरा में होने वाले दलित सम्मेलन में मुजफ्फरनगर से अधिक से अधिक कार्यकताओं की भागीदारी सुनिश्चित करने का आह्वान किया। जिया चौधरी ने कहा कि पार्टी के सभी प्रकोष्ठ और फ्रंटल संगठन अपने-अपने स्तर पर तैयारियों में जुटें और कार्यकताओं के साथ लगातार संपर्क बनाए रखें। उन्होंने कहा कि सम्मेलन को सफल बनाने के लिए जिला संगठन पूरी ताकत के साथ काम करेगा। विधायक पंकज मलिक ने कहा कि समाजवादी पार्टी सामाजिक न्याय, समानता और सभी वर्गों के अधिकारों की आवाज मजबूती से उठाती रही है। 15 नवंबर को आगरा में होने वाला दलित सम्मेलन इसी दिशा में महत्वपूर्ण कार्यक्रम है। उन्होंने कार्यकताओं से आह्वान किया कि वे सम्मेलन की तैयारियों में अभी से जुट जाएं और मुजफ्फरनगर से बड़ी संख्या में कार्यकताओं को आगरा लेकर पहुंचें। उन्होंने कहा कि संगठन की असली ताकत कार्यकर्ता हैं और कार्यकताओं की एकजुटता से ही पार्टी का संदेश मजबूत तरीके से जनता तक पहुंचता है। उन्होंने सभी पदाधिकारियों से अपने-अपने क्षेत्रों में संपर्क बढ़ाने और सम्मेलन को सफल बनाने में सक्रिय भूमिका निभाने की अपील की।

मीटिअरोलॉजी में कॅरियर के बेहतरीन अवसर

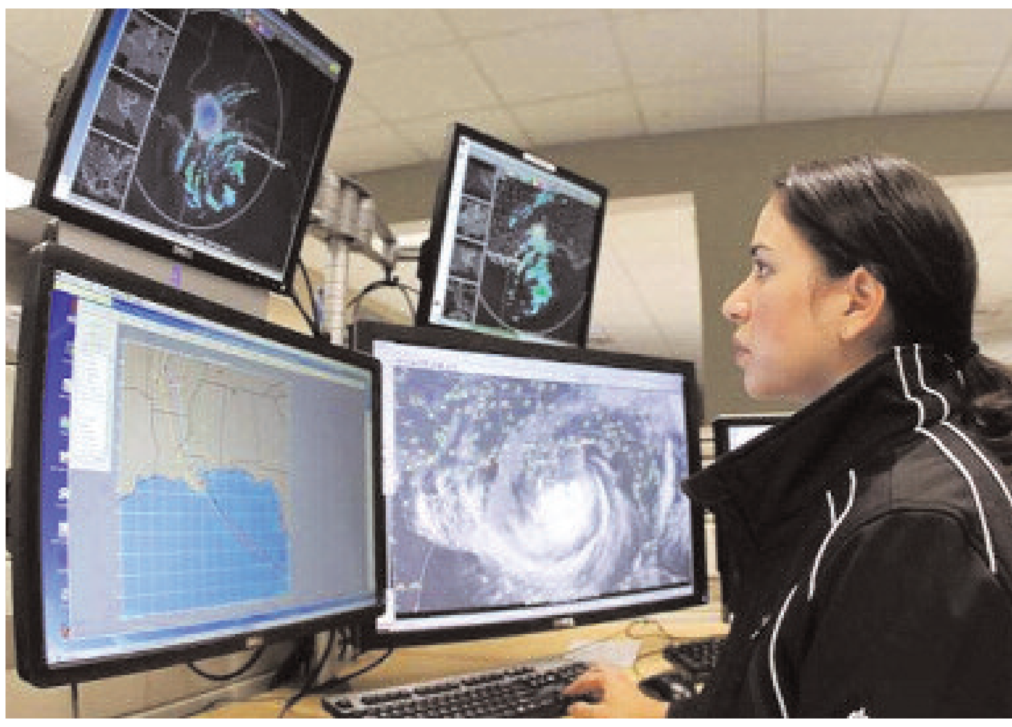

वायुमण्डल के वैज्ञानिक अध्ययन को मौसम विज्ञान कहा जाता है। हवा, आंधी-तूफान, धुंध-कोहरे और बिजली में दिलचस्पी दिखाने वाले छात्र इस फील्ड में अपना कॅरियर बना सकते हैं। मीटिअरोलॉजी में आपको कॅरियर के बेहतरीन अवसर मिलेंगे।

दुनिया में हर दिन बदलते मौसम को लेकर सभी देश चिंतित हैं। क्योंकि प्राकृतिक घटनाओं पर हमारा नियंत्रण नहीं है। हालांकि मौसम वैज्ञानिक आने वाले प्राकृतिक खतरे को भांप लेते हैं। मौसम वैज्ञानिक के पूर्वानुमान से लोगों की जिंदगी को बचाया जा सकता है, या फिर इस परेशानी को कुछ हद तक कम किया जा सकता है। ऐसे में अगर आप स्टूडेंट है तो यह आर्टिकल आपके लिए है। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि आप मौसम वैज्ञानिक कैसे बन सकते हैं और इसमें कितने प्रकार का कोर्स होता है।

क्या है मौसम विज्ञान

मौसम या वातावरण के वैज्ञानिक अध्ययन को मौसम विज्ञान कहा जाता है। यह मौसम की क्रिया-प्रतिक्रिया, पूर्वानुमान पर आधारित होता है। इसके तहत कई विषयों पर शोध व अध्ययन किया जाता है।

एग्रीकल्चर मीटियोरोलॉजी

फसलों की पैदावार और उससे होने वाले फायदे व नुकसान का आंकलन मौसम के अनुरूप दी जाती है। मौसम के हिसाब से गाइडलाइन जारी की जाती है। जिसमें मिट्टी प्रबंधन के लिए उपयोगी समय और फसलों की पैदावार का आंकलन किया जाता है।

सैटेलाइट मेटियोरोलॉजी

सैटेलाइट मेटियोरोलॉजी में सैटेलाइट के माध्यम रिमोट सेंसिंग उपकरणों से आने वाले डाटा के आधार पर महासागर और वायुमंडल का अध्ययन किया जाता है।

फिजिकल मेटियोरोलॉजी

इसमें मौसम के इलेक्ट्रिकल, ध्वनिक, ऑप्टिकल और थर्मोडायनामिक घटनाओं का अध्ययन किया जाता है।

डाइनामिक मेटियोरोलॉजी

इस विषय में पृथ्वी और उसके आसपास वायु की गति का अध्ययन होता है। इसके साथ ही बादल, बारिश, तापमान और हवा के पैटर्न पर भी अध्ययन होता है। जो मनुष्य को प्रभावित करती है।

सिनॉप्टिक मेटियोरोलॉजी

इस विषय में मौसम संबंधी बाधाओं जैसे ट्रापिकल साइक्लोन, एंटी साइक्लोन और फंटल डिप्रेशन का बारीकी से अध्ययन किया जाता है। कम दबाव के क्षेत्र में वायु, चक्रवात, क्षेत्र, जल और दबाव स्तर से एकत्र होने वाला मैप जो कि पूरी दुनिया के मौसम का सिनाप्टिक व्यू को बताता है।

क्लाइमेटोलॉजी

क्लाइमेटोलॉजी के जरिए जलवायु और उससे जुड़ी चीजों का अध्ययन किया जाता है। जलवायु के प्रभाव और उसके बदलवा पर भी शोध किया जाता है।

एविएशन मेटियोरोलॉजी

एविएशन मेटियोरोलॉजी पर एविएशन इंडस्ट्री के नजरिए से मौसम का शोध होता है। वहीं प्राप्त आंकड़े से पूर्वानुमान लगाया जाता है।

न्यू लैंग्वेज सीखने के आसान टिप्स

अगर आप भी न्यू लैंग्वेज सीखना चाहते हैं, तो सबसे पहले आपका टारगेट बिल्कुल क्लीयर होना चाहिए। आपको यह पता होना चाहिए कि आप दूसरी लैंग्वेज क्यों सीखना चाहते हैं। जैसे अगर बिजनेस को एक्सपेंड करना चाहते हैं, तो आपको लोकल वेंडर से कम्युनिकेट करना होगा। इसके अलावा अगर आपको संबंधित लैंग्वेज के साहित्य में इंट्रेस्ट है, जिस कारण आप न्यू लैंग्वेज सीखना चाहते हैं। इसलिए न्यू लैंग्वेज सीखने से पहले आपका उद्देश्य क्लियर होना चाहिए। जब आपका उद्देश्य क्लियर होता है, तो फिर आप न्यू लैंग्वेज सीखने की कोशिश करें। आप जो लैंग्वेज सीखना चाहते हैं, उस भाषा से रिलेडेट ड्रामा, सॉन्ग, मूवी और बुक्स पढ़ सकते हैं। किसी भी न्यू लैंग्वेज को सीखने के लिए यह सबसे असरदार टिप्स होते हैं। आप नई भाषा सीखने के लिए अपने चारों ओर वैसा ही माहौल बना लें। इससे आप न्यू लैंग्वेज जल्द से जल्द सीख सकेंगे। नई भाषा सीखने के लिए आप क्लासेस भी ज्वॉइन कर सकते हैं। क्लासेस करने के लिए आप अच्छे से रिसर्च करने के बाद ऑनलाइन व ऑफलाइन का ऑप्शन चुनें। इसके लिए आप एप की मदद भी ले सकते हैं। किसी भी भाषा को सीखने के लिए सबसे ज्यादा जरूरी होता है कि आप इसे बोलने की ज्यादा से ज्यादा प्रैक्टिस करें। इसलिए प्रयास करें कि आप जो भी भाषा सीख रहे हैं। उससे संबंधित पार्टनर ढूंढकर उससे बातचीत करें।

न्यू लैंग्वेज सीखने के लिए आपकी वोकेब और ग्रामर अच्छी हो। नए शब्दों को जानने के लिए ज्यादा से ज्यादा उस लैंग्वेज की किताबों को पढ़ें। इससे आपकी न्यू लैंग्वेज को सीखने में काफी मदद मिलेगी।

पिता का काम सिर्फ ऑफिस जाना नहीं

बच्चे की बेहतर परवरिश के लिए निभानी होती हैं ये खास जिम्मेदारियां

नई दिल्ली। हमारे समाज का ताना-बाना कुछ ऐसा है कि घर की ज्यादातर जिम्मेदारियां औरतों के हाथों में आती हैं। फिर चाहे वो खाना बनाना या साफ-सफाई करना हो या बच्चों का पालन पोषण।

ऐसे में हमें समझना जरूरी है कि इन कामों के साथ ही बच्चों के परवरिश की जिम्मेदारी अकेली महिला की नहीं है, उसमें पुरुषों की भी बहुत बड़ी भूमिका होती है। हम यहां सिर्फ पैसे कमाने की बात नहीं कर रहे, आइए जानते हैं कि परवरिश में कमाई के अलावा पिता की और कौन सी जिम्मेदारियां होती हैं।

अनुशासन और सीमाएं सिखाना

मां का प्यार दुलार जहां एक तरफ बच्चे में भावनाओं को विकसित करने में मदद करता है, तो वहीं दूसरी तरफ पिता की सख्ती उन्हें जिम्मेदारी का मतलब समझाती है। यह दोनों ही बातें बच्चों की बेहतर परवरिश की एक सीढ़ी हैं। पिता के कंधों पर बच्चों को अनुशासित करने और उन्हें सीमाएं सिखाने की बड़ी जिम्मेदारी होती है, जिसे कई बार वो अनदेखा भी कर देते हैं।

क्वालिटी टाइम देना

अक्सर पिता अपने ऑफिस और काम के प्रेशर के चलते बच्चों को उतना समय नहीं दे पाते। इसकी वजह से कहीं न कहीं एक बड़ा गैप भी बन जाता है, जिसे पाटना जरूरी है। यहां बात केवल समय बिताने की नहीं हो रही, उनके साथ काम में एक्टिव रहने और जुड़े रहने की भी हो रही है।

> बच्चों की परवरिश की जिम्मेदारी अक्सर महिलाओं पर मानी जाती है, लेकिन पिता की भूमिका सिर्फ पैसे कमाने तक सीमित नहीं।

इमोशनल बैलेंस की सीख देना

पिता नेचुरली लॉजिकल सोचते हैं, उनके लिए इमोशंस से ज्यादा प्रैक्टिकल रहना जिंदगी की जरूरत शर्त है। यही सीख बच्चों को भी देनी जरूरी है, ताकि मुश्किल परिस्थितियों में वो मन से हार मानने के बजाय अपनी भावनाओं को बैलेंस करना जान पाएं।

परिवार का रक्षक बनना

प्रकृति ने पुरुषों को एक रक्षक के रूप में बनाया है, ऐसे में जब बच्चे आपके पिता के साथ होते हैं तो उनमें सुरक्षा की भावना बढ़ती है। इससे फिर उन्हें मुश्किल परिस्थितियों में लड़ने और आत्मविश्वास के साथ खड़े होने की भी प्रेरणा मिलती है। स्थिरता की यही भावना उनके भविष्य के रिश्तों पर भी प्रभाव डालती है।

दुनिया की समझ विकसित करना

मां बच्चा का उसकी भीतरी दुनिया से परिचय करवाती हैं और पिता का काम है बाहरी दुनियादारी की समझ देना। यह स्ट्रीट स्मार्ट स्किल उसे लोगों के बीच सर्वाइव करने में बड़ी काम आती है। उन्हें समझ आने लगता है कि कौन सी चीज या व्यक्ति उनके लिए सही है और कौन नहीं।

एटीडीसी नोएडा में ओडीओपी टूलकिट एवं वितरण योजना का औपचारिक शुभारंभ

नोएडा। वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए एक जनपद एक उत्पाद टूलकिट एवं वितरण योजना का औपचारिक शुभारंभ आज अपैरल ट्रेनिंग एंड डिजाइन सेंटर (एटीडीसी), नोएडा में किया गया।

कार्यक्रम में ललित ठुकराल, कार्यकारिणी सदस्य, एटीडीसी एवं संयोजक बीओजी एटीडीसी, सेवानिवृत्त आईएफएस राजीव कुमार भाटिया, पंकज निर्वाण, डीसीआई गौतम बुद्ध नगर, वत्स एसीआई गौतम बुद्ध नगर, डॉ. नीर चंद्रा निदेशक एटीडीसी एनएचओ तथा डॉ. नीर सिंह परिहार, निदेशक एटीडीसी एवं एनएचओ ने गरिमामयी उपस्थिति दर्ज कराई। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। इस अवसर पर उपस्थित अतिथियों ने कौशल विकास, रोजगार सृजन, उद्यमिता तथा स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देने में ओडीओपी योजना की महत्वपूर्ण भूमिका पर अपने विचार साझा किए।

कार्यक्रम के दौरान पंकज निर्वाण डीसीआई गौतम बुद्ध नगर ने लाभार्थियों को उत्तर प्रदेश सरकार एवं मुद्रा ऋण योजना के अंतर्गत उपलब्ध ऋण सुविधाओं के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि प्रशिक्षण पूर्ण करने के बाद लाभार्थी अपना व्यवसाय शुरू करने अथवा उसे विस्तार देने के लिए ?5 लाख तक की ऋण सहायता का लाभ उठा सकते हैं।

ललित ठुकराल ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि कौशल विकास को रोजगार एवं उद्यमिता के अवसरों से जोड़ना युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। अन्य अतिथियों ने भी लाभार्थियों को प्रशिक्षण एवं उपलब्ध सरकारी सहायता का अधिकतम लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम के सफल आयोजन एवं समुचित व्यवस्थाओं का समन्वय डॉ. मीनू डाबास, प्रिंसिपल, एटीडीसी नोएडा द्वारा एटीडीसी नोएडा की टीम के सहयोग से किया गया। डॉ. डाबास ने सभी विशिष्ट अतिथियों, सरकारी अधिकारियों, एटीडीसी प्रबंधन एवं अन्य हितधारकों का कार्यक्रम में उपस्थिति एवं सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया।

कार्यक्रम का समापन धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ। इस अवसर पर ओडीओपी के माध्यम से कौशल विकास, स्वरोजगार एवं आजीविका के अवसरों को मजबूत करने के लिए एटीडीसी नोएडा की प्रतिबद्धता को दोहराया गया।

ग्रेटर नोएडा में निकली सेवा ज्योति कलश यात्रा, प्रधानमंत्री के 25 साल पूरे होने पर जुटे हजारों लोग

नोएडा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन के 25 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में 17 सितंबर से 18 अक्टूबर 2026 तक चलाए जा रहे सेवा संकल्प अभियान के तहत बुधवार को ग्रेटर नोएडा क्षेत्र में सेवा ज्योति कलश यात्रा निकाली गई। इस अभियान को चलाने का मुख्य उद्देश्य देश के नागरिकों और युवाओं को विभिन्न सामाजिक सरोकारों के साथ जोड़ना है। इसके साथ ही इस अभियान के माध्यम से 'विकसित भारत 2047' के सामूहिक संकल्प को भी बढ़ावा दिया जा रहा है। इसी पूरे क्रम के तहत इस कार्यक्रम को समाज के जन-जन तक पूरी तरह से पहुंचाने के उद्देश्य से ग्रेटर नोएडा के एक्सपो मार्ट में एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया था।

ग्रेटर नोएडा के एक्सपो मार्ट में आयोजित किए गए इस कार्यक्रम में हजारों की संख्या में लोग मौजूद रहे। इस दौरान भारतीय जनता पार्टी के तमाम पदाधिकारी और कार्यकर्ता भी वहां पर बड़ी संख्या में जुटे।यहाँ मौजूद सभी लोगों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संबोधन का लाइव प्रसारण बहुत ध्यान से सुना। इस पूरे सेवा संकल्प अभियान के तहत समाज के एकदम अंतिम छोर पर बैठे व्यक्ति तक सरकार की सभी नीतियों और विकास कार्यों को बिल्कुल पारदर्शी तरीके से पहुंचाने पर विशेष रूप से जोर दिया गया है, ताकि हर जरूरतमंद तक योजनाओं का सीधा लाभ पहुंच सके।

जनता के आशीर्वाद से पूरे हुए 25 वर्ष: देश को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने सार्वजनिक जीवन के 25 वर्ष पूरे होने के इस खास अवसर पर अपने विचार साझा किए। उन्होंने अपने संबोधन में बताया कि 7 अक्टूबर 2001 को गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेने के बाद उन्होंने कभी भी यह नहीं सोचा था कि वे सार्वजनिक जीवन में लोगों की सेवा करते हुए अपने 25 वर्ष पूरे कर लेंगे। प्रधानमंत्री ने अपनी इस बेहद लंबी यात्रा का पूरा श्रेय देश की महान जनता के लगातार मिलने वाले प्रेम और उनके आशीर्वाद को दिया। उन्होंने देश की जनता-जनार्दन को अपने लिए सीधे तौर पर ईश्वर का ही रूप बताया। उन्होंने कहा कि इन बीते हुए 25 वर्षों के दौरान देश में 7 बार चुनाव हुए, लेकिन देश की सम्मानित जनता ने हमेशा उन्हें देश और समाज की निरंतर सेवा करने का बहुमूल्य अवसर प्रदान किया।

कार्यक्रम में मौजूद रहे प्रमुख नेता: प्रधानमंत्री के इस लाइव संबोधन के दौरान कार्यक्रम स्थल पर देश और प्रदेश के कई बड़े दिग्गज नेता मौजूद रहे।इस कार्यक्रम में केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री एवं पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, प्रभारी मंत्री कुंवर बृजेश सिंह, सांसद एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री डॉ. महेश शर्मा और राज्यसभा सांसद सुरेंद्र नागर ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। इनके अलावा कार्यक्रम में विधायक धीरेन्द्र सिंह, विधायक तेजपाल नागर, जिलाध्यक्ष अभिषेक शर्मा और नोएडा जिला अध्यक्ष महेश चौहान भी मुख्य रूप से मौजूद रहे। कार्यक्रम में अमित चौधरी, विनोद त्यागी, अमित त्यागी, राज नागर, चंदगीराम यादव, कर्मवीर आर्य सहित अन्य कई लोग भी विशेष रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान सभी भाजपा पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने बेहद उत्साहपूर्वक भाग लिया और सेवा संकल्प अभियान के संदेश को आगे बढ़ाया।

नोएडा में हुआ कांग्रेस के यूपी प्रभारी सचिव संजीव आर्या का स्वागत

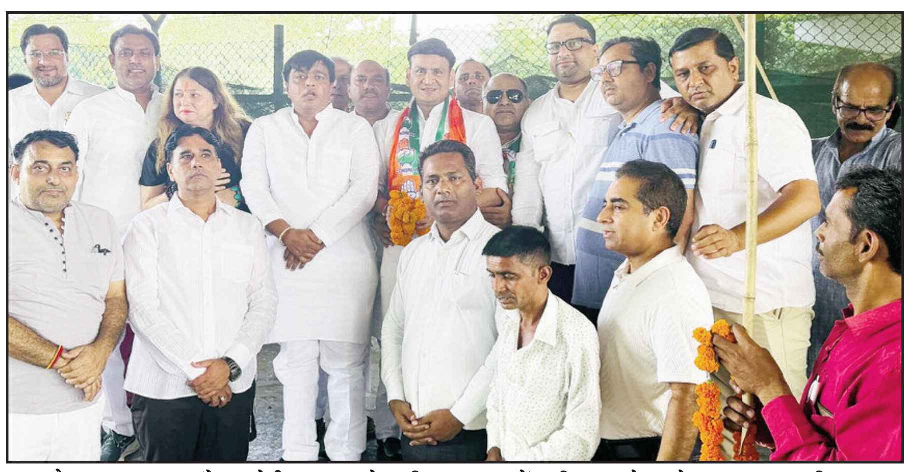

नोएडा। महानगर कांग्रेस कमेटी नोएडा के अध्यक्ष मुकेश यादव के नेतृत्व में आज संजीव आर्या सचिव प्रभारी यूपी का महामाया फ्लाई ओवर के नीचे फूल माला पहना कर जोरदार स्वागत किया गया। संजीव आर्या आज जेवर किसान यात्रा में शामिल होने के लिए जा रहे थे। संजीव आर्या ने सभी कार्यकर्ताओं को एक जूट होकर आगामी चुनाव के लिए तैयार रहने के लिए कहा और इस भाजपा सरकार की नाकामियों को जनता तक ले जाने का आवाहन किया। इस अवसर पर कांग्रेस के कट्टर एवं समर्पित कार्यकर्ता पुरुषोत्तम नागर, सत्येंद्र शर्मा, यतेंद्र शर्मा, लियाकत चौधरी, ललित अवाना, समेत भारी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

समय पर आंखों की जांच से बचाई जा सकती है नजर, भारत में प्रिवेंटेबल ब्लाइंडनेस पर ध्यान जरूरी

नोएडा। आंखों की सेहत को अक्सर तब तक गंभीरता से नहीं लिया जाता, जब तक नजर से जुड़ी कोई परेशानी रोजमर्रा के कामों में दिक्कत पैदा न करने लगे। हालांकि, नजर को नुकसान पहुंचाने वाली कई बीमारियों का समय पर पता लगाकर उनका इलाज किया जा सकता है। विशेषज्ञों का कहना है कि नियमित आंखों की जांच और समय पर इलाज से कई मामलों में नजर को कमजोर होने से बचाया जा सकता है।

कैटरेक्ट, ग्लूकोमा, डायबिटिक रेटिनोपैथी, नजर का नंबर, कॉर्निया और रेटिना से जुड़ी कुछ बीमारियां धीरे-धीरे नजर को प्रभावित कर सकती हैं। कैटरेक्ट इनमें सबसे आम समस्याओं में से एक है। इसमें धीरे-धीरे धुंधला दिखने लगता है, रात में देखने में परेशानी हो सकती है और तेज रोशनी आंखों को परेशान कर सकती है। उम्र बढ़ने के साथ कैटरेक्ट का खतरा बढ़ता है, लेकिन समय पर जांच और सर्जरी से ज्यादातर मरीजों की नजर में काफी सुधार लाया जा सकता है।

डॉ. महिपाल सिंह सचदेव, चेयरमैन एवं मैनेजिंग डायरेक्टर, सेंटर फॉर साइट ग्रुप ऑफ हॉस्पिटल्स ने कहा, 'अच्छी नजर होने का मतलब यह नहीं है कि आंखें पूरी तरह स्वस्थ हैं। ग्लूकोमा और डायबिटिक रेटिनोपैथी जैसी कई बीमारियां शुरुआत में बिना किसी खास लक्षण के आंखों को नुकसान पहुंचा सकती हैं। इसलिए आंखों की जांच को केवल चश्मे का नंबर जांचने तक सीमित नहीं समझना चाहिए। नियमित जांच से ऐसी बीमारियों का समय पर पता लगाने और नजर को बचाने में मदद मिल सकती है। '

कैटरेक्ट के इलाज में भी पिछले कुछ वर्षों में काफी बदलाव आया है। आज डॉक्टर आंखों की विस्तृत जांच के बाद मरीज की जरूरत के अनुसार सर्जरी

और लेंस का चुनाव कर सकते हैं। आंखों की सटीक माप, रेटिना और कॉर्निया की जांच, जरूरत के अनुसार लेजर तकनीक और अलग-अलग तरह के इंट्राओक्युलर लेंस से इलाज को मरीज की आंखों और जीवनशैली के हिसाब से तय करने में मदद मिलती है। हालांकि, हर मरीज के लिए एक जैसी तकनीक या लेंस सही नहीं होता। डॉ. सचदेव ने आगे कहा, 'आधुनिक तकनीक ने कैटरेक्ट सर्जरी को पहले से ज्यादा सटीक बनाया है, लेकिन सबसे जरूरी बात यह है कि इलाज मरीज की आंखों की स्थिति और उसकी जरूरत के अनुसार हो। सर्जरी और लेंस का चुनाव उसकी आंखों की सेहत, जीवनशैली और सर्जरी के बाद वह किस तरह की नजर चाहता है, इन सभी बातों को ध्यान में रखकर किया जाना चाहिए। '

ग्लूकोमा और डायबिटिक रेटिनोपैथी जैसी बीमारियों में नियमित जांच और भी जरूरी है। ग्लूकोमा धीरे-धीरे ऑप्टिक नर्व को नुकसान पहुंचा सकता है और इससे गई नजर आमतौर पर वापस नहीं आती। इसी तरह डायबिटीज रेटिना की नसों को नुकसान पहुंचा सकती है। डायबिटीज, ब्लड प्रेशर, परिवार में ग्लूकोमा का इतिहास या पहले से आंखों की कोई बीमारी होने पर डॉक्टर की सलाह के अनुसार नियमित जांच कराना जरूरी है।

बच्चों की नजर पर भी ध्यान देना चाहिए। अगर बच्चा बार-बार सिरदर्द की शिकायत करे, पढ़ते समय आंखें सिकोड़कर देखे, बार-बार आंखें रगड़े या स्कूल में बोर्ड देखने में परेशानी हो, तो उसकी आंखों की जांच करानी चाहिए। खेलते समय या मशीनरी और केमिकल के साथ काम करते समय सुरक्षा वाला चश्मा पहनने से आंखों को गंभीर चोट से बचाया जा सकता है।

कंप्यूटर और स्मार्टफोन पर लंबे समय तक काम करने से आंखों में सूखापन, थकान, सिरदर्द और आई स्ट्रेन की समस्या हो सकती है। हर 20 मिनट में करीब 20 फीट दूर किसी चीज को 20 सेकंड तक देखना, बीच-बीच में ब्रेक लेना, बार-बार पलकें झपकाना, स्क्रीन से सही दूरी रखना और पर्याप्त रोशनी में स्क्रीन का इस्तेमाल करना आंखों के लिए मददगार हो सकता है। पूरी नींद लेना भी जरूरी है।

कृष्ण की बाल लीलाओं से भक्तिमय हुआ नोएडा, अनिरुद्धाचार्य जी महाराज का आगमन

नोएडा। सेक्टर-33 स्थित शिल्प हाट के निकट हेलीपैड ग्राउंड में भारत विकास परिषद, नोएडा की ओर से आयोजित श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ के पंचम दिवस बुधवार को भगवान श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं और गोवर्धन पूजा का भावपूर्ण प्रसंग सुनाया गया। कार्यक्रम का विशेष आकर्षण विश्वविख्यात कथावाचक पूज्य श्री अनिरुद्धाचार्य जी महाराज का पावन आगमन हुआ। इस अवसर पर भव्य छप्पन भोग भी लगाया गया

कथा व्यास आचार्य श्री मृदुल कांत शास्त्री जी महाराज श्रीमद्भागवत के प्रसंगों के माध्यम से श्रद्धालुओं को भक्ति, संस्कार और सनातन जीवन मूल्यों का संदेश दिया । पंचम दिवस श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं के साथ गोवर्धन पर्वत धारण करने और गोवर्धन पूजा के प्रसंग का वर्णन किया ।

कथा के पिछले दिवस श्रीकृष्ण जन्म और भव्य नंदोत्सव के प्रसंग ने श्रद्धालुओं को भावविभोर कर दिया। श्रीकृष्ण जन्म की घोषणा होते ही कथा पंडाल जयकारों से गूंज उठा। श्रद्धालुओं ने पुष्पवर्षा कर जन्मोत्सव मनाया। नंदोत्सव में भजन और मंगलगीतों पर श्रद्धालु झूमते नजर आए।

आचार्य श्री मृदुल कांत शास्त्री जी महाराज ने पितृ पक्ष में श्रीमद्भागवत श्रवण के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि भागवत कथा मनुष्य को भक्ति के साथ संस्कार, सदाचार और सकारात्मक जीवन की प्रेरणा देती है।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अपर जनपद न्यायाधीश, जिला गाजियाबाद, भारत सिंह यादव, मनोज त्यागी, सी ई ओ संस्कार टीवी, रोहित रिछारिया महाराज जी, आचार्य सतपाल जी, महाराज आचार्य सगम जी, विमला वाथम पूर्व विधायक नोएडा ने कथा व्यास का माल्यार्पण एवं शॉल ओढ़ाकर अभिनंदन किया। कथा के मुख्य यजमान डॉ. वी.के. गुप्ता एवं श्रीमती रीना गुप्ता रहे।

भारत विकास परिषद, नोएडा के अध्यक्ष संजय कुमार गुप्ता ने बताया कि श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए पेयजल, पार्किंग, सुरक्षा एवं स्वच्छता की विशेष व्यवस्था की गई है। कथा के उपरांत प्रतिदिन भंडारा एवं प्रसाद वितरण किया जा रहा है।

इस अवसर पर सचिव अखिलेश भदौरिया, कोषाध्यक्ष अक्षय पारीक, महिला सहभागिता संयोजिका सुनीता मित्तल, पूर्व अध्यक्ष एवं संरक्षक डॉ. टी.एन. गोविल, शाखा संरक्षक प्रताप मेहता, सीए महेश बाबू गुप्ता, विपिन मल्हन, केशव गंगल, एन.के. अग्रवाल, रामरतन शर्मा, राकेश कत्याल, वीके सेठ , विकास अग्रवाल डॉ. नरेश शर्मा, मुकुल वाजपेयी सहित परिषद के पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा जिला कारागार का किया गया मासिक निरीक्षण

गौतमबुद्धनगर। उ0प्र0 राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ एवं माननीय जनपद न्यायाधीश/अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, गौतमबुद्धनगर के निर्देशों के क्रम में सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, गौतमबुद्धनगर शिवानी रावत द्वारा आज जिला कारागार, गौतमबुद्धनगर का मासिक निरीक्षण किया गया। इस अवसर पर उप जेलर सुरजीत सिंह उपस्थित रहे।

निरीक्षण के दौरान अवगत कराया गया कि वर्तमान में जिला कारागार, गौतमबुद्धनगर में 2271 बंदी निरुद्ध हैं। सचिव द्वारा किशोर बैरकों का निरीक्षण कर वहां निरुद्ध किशोरों से उनके मुकदमों की वर्तमान स्थिति के संबंध में जानकारी प्राप्त की गई तथा उनकी समस्याओं के संबंध में भी जानकारी ली गई।

निरीक्षण के दौरान जिला कारागार में स्थापित लीगल एड सेल का भी निरीक्षण किया गया। इसके साथ ही महिला बैरक में विधिक जागरूकता शिविर आयोजित कर निरुद्ध महिलाओं की समस्याओं को सुना गया।

विजिट के दौरान कारागार में नियुक्त बंदी पीएलवी द्वारा किए जा रहे कार्यों एवं संधारित अभिलेखों का अवलोकन करते हुए आवश्यक जानकारी प्राप्त की गई। साथ ही, विधिक सहायता संबंधी व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए गए।

किराना स्टोर में चोरी करने वाले गिरफ्तार

नोएडा। सेक्टर-24 थाना पुलिस ने मोरना गांव के किराना स्टोर में चोरी करने वाले गिरोह का पर्दाफाश कर चार आरोपियों मंगलवार शाम गिरफ्तार कर लिया। आरोपियों के पास से चोरी किया गया सामान, अवैध हथियार और चोरी में इस्तेमाल औजार बरामद हुए। एडीसीपी मनीषा सिंह ने बताया कि सेक्टर-35 स्थित मोरना गांव निवासी अनिल कुमार महतो ने थाने में एफआईआर दर्ज कराई थी। उन्होंने पुलिस को बताया था कि गांव में उनका शिवांश जनरल स्टोर है। वह दो अक्तूबर की सुबह दुकान पर पहुंचे तो शटर का ताला टूटा मिला। अंदर घुसकर देखा तो सामान बिखरा पड़ा था। बदमाश रिफाइंड की तीन पेटी, 15 किलो तेल का टीन, 10 चोकोपिक के पैकेट, 20 सिगरेट के पैकेट, एक घरेलू गैस सिलेंडर और गल्ले में रखे दो हजार रुपये चोरी करके ले गए।

एफआईआर दर्ज कर घटना का पर्दाफाश करने के लिए टीम गठित की गई। मंगलवार शाम चार आरोपियों को सिटी सेंटर से सेक्टर-12/22 जाने

वाले रास्ते से गिरफ्तार किया गया। आरोपियों की पहचान बिहार के जिला अररिया के गांव रानीगंज निवासी सत्यम कुमार, मिर्जापुर के कीलापुर गांव निवासी विकास, शाहजहांपुर के हैतमपुर गांव निवासी अमन जाटव और गाजीपुर के मोहमदा गांव निवासी कृष्णा के रूप में हुई। चारों आरोपी वर्तमान में सेक्टर-66 स्थित मामूरा गांव में किराये पर रहते हैं। उनके पास से दुकान की बिक्री का सामान, एक गैस सिलेंडर, दो मुहर, दो चेक बुक, एक घड़ी, एक क्रेडिट कार्ड, एक सीसीटीवी कैमरा, चोरी करने में इस्तेमाल लोहे का सब्बल और दो चाकू बरामद हुए। पूछताछ में पता चला कि गैंग का लीडर सत्यम कुमार है। लोहे के सब्बल का प्रयोग कर बंद मकान/दुकान के ताले एवं शटर तोड़कर चोरी की घटनाओं को अंजाम देते थे। मोरना गांव में चोरी की घटना के बााद सामान को सेक्टर-33ए में नाले के पास छिपाकर रख दिया था। चोरी किए गए सामान को थोड़ा-थोड़ा करके आसपास के गांवों में घूम-फिरकर तथा मजदूरों को बेच देते थे। उससे मिलने वाली रकम को आपस में बांट लेते थे।

विदेशी प्रतिनिधियों को साइबर ठगी रोकने का तरीका समझाया

नोएडा। भारत सरकार के नेशनल सेंटर फॉर गुड गवर्नेंस (एनसीजीजी) के क्षमता निर्माण कार्यक्रम के तहत विभिन्न देशों से आए करीब 40 प्रशासनिक अधिकारी ने मंगलवार को सेक्टर-108 स्थित पुलिस आयुक्त कार्यालय में साइबर सिक्योरिटी सेल का भ्रमण किया। इस दौरान उनको साइबर ठगी की शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई, डिजिटल साक्ष्यों के इस्तेमाल और पीड़ितों की मदद के तरीके बताए गए।

पुलिस कमिश्नर लक्ष्मी सिंह के निर्देशन में आयोजित कार्यक्रम का नेतृत्व डीसीपी साइबर प्रीति यादव ने किया। साइबर सिक्योरिटी सेल में आयोजित गोष्ठी में विदेशी प्रतिनिधियों को कमिश्नरेट की साइबर सुरक्षा व्यवस्था और साइबर अपराध की रोकथाम के लिए अपनाए जा रहे तरीकों की जानकारी दी गई। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि साइबर ठगी के मामलों में समय सबसे महत्वपूर्ण होता है। शिकायत मिलने के बाद तकनीकी टीम संदिग्ध लेनदेन, बैंक खातों, मोबाइल नंबरों, यूपीआई आईडी और अन्य डिजिटल माध्यमों का विश्लेषण करती है। संबंधित बैंक, वित्तीय संस्थाओं और दूसरी एजेंसियों के साथ समन्वय कर पीड़ित की रकम को आगे जाने से रोकने का प्रयास किया जाता है। प्रतिनिधियों को डिजिटल साक्ष्यों को सुरक्षित करने और जांच में उनका इस्तेमाल करने की प्रक्रिया भी समझाई गई।

ऐसे में पुलिस को भी तकनीक और अपराध के बदलते तरीकों के साथ अपनी कार्यप्रणाली लगातार अपडेट करनी पड़ती है। गोष्ठी में ऑनलाइन फ्रॉड के बदलते स्वरूप, डिजिटल माध्यमों के बढ़ते इस्तेमाल और साइबर अपराध की जांच में आने वाली चुनौतियों पर चर्चा हुई। पुलिस की ओर से बताया गया कि अपराधियों की पहचान और उनके नेटवर्क तक पहुंचने के लिए तकनीकी विश्लेषण के साथ अलग-अलग संस्थाओं के बीच बेहतर तालमेल जरूरी है। प्रतिनिधियों को साइबर अपराध की निगरानी, शिकायतों के विश्लेषण और पीड़ितों को समय पर सहायता देने की व्यवस्था की जानकारी भी दी गई। पुलिस अधिकारियों ने साइबर अपराध के मामलों में त्वरित रिस्पॉन्स और तकनीकी दक्षता को प्रभावी साइबर पुलिसिंग का अहम हिस्सा बताया।

प्रतिनिधियों ने अपने यहां की चुनौतियां साझा कीं: कार्यक्रम के दौरान विदेशी प्रतिनिधियों ने अपने-अपने देशों में साइबर अपराध से निपटने के अनुभव और चुनौतियां साझा कीं। साइबर सुरक्षा, डिजिटल अपराध की रोकथाम, तकनीकी संसाधनों और जांच की आधुनिक पद्धतियों को लेकर प्रतिनिधियों और पुलिस अधिकारियों के बीच चर्चा हुई। विदेशी प्रतिनिधियों ने गौतमबुद्ध नगर पुलिस की तकनीक आधारित साइबर पुलिसिंग, शिकायतों के त्वरित निस्तारण और जन-जागरूकता के प्रयासों में रुचि दिखाई। अधिकारियों ने भी दूसरे देशों में अपनाई जा रही व्यवस्थाओं के बारे में जानकारी ली। पुलिस के मुताबिक अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधिमंडल के साथ अनुभव साझा करने से साइबर अपराध के खिलाफ काम करने वाली एजेंसियों के बीच सहयोग और बेहतर हो सकता है। कार्यक्रम के जरिए गौतमबुद्ध नगर पुलिस की साइबर अपराध नियंत्रण व्यवस्था, तकनीकी संसाधनों और त्वरित कार्रवाई के मॉडल को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर साझा किया गया।

जागरुकता कार्यक्रम के बारे में भी बताया: पुलिस ने प्रतिनिधियों को साइबर ठगी से बचाव के लिए चलाए जा रहे जागरुकता अभियानों के बारे में भी जानकारी दी। बताया गया कि लोगों को फर्जी कॉल, लिंक, यूपीआई फ्रॉड, ऑनलाइन निवेश और अन्य डिजिटल ठगी के तरीकों के प्रति लगातार जागरूक किया जा रहा है। पुलिस का मानना है कि तकनीकी कार्रवाई के साथ आम लोगों की सतर्कता भी साइबर अपराध रोकने में महत्वपूर्ण है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक अनिल रॉयल ने रॉयल बुलेटिन को मै. साई प्रिंटिंग प्रेस, डी-85, सैक्टर-6, नोएडा- 201301 से मुद्रित कराकर 318-द्वितीय तल, जयपुरिया प्लाजा, डीपीएस के सामने, सैक्टर-26, नोएडा (गौतमबुद्धनगर, उ.प्र.) से प्रकाशित किया।

सम्पादक: अनिल रॉयल

फोन: (0120) 4545477
मो. 9910779911
e-mail Address : royalnoida@gmail.com

भाजपा नोएडा महानगर ने केंद्रीय मंत्री जे.पी. नड्डा का किया स्वागत

नोएडा। भारतीय जनता पार्टी नोएडा महानगर द्वारा आज ग्रेटर नोएडा जाते समय डीएनडी पर केंद्रीय मंत्री (स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण) आदरणीय जे.पी. नड्डा जी का भव्य स्वागत किया गया। स्वागत कार्यक्रम का आयोजन जिला अध्यक्ष श्री महेश चौहान जी के नेतृत्व में किया गया।

इस अवसर पर गौतम नगर सांसद डॉ महेश शर्मा, जिला अध्यक्ष महेश चौहान एवं जिला महामंत्री अमित त्यागी ने केंद्रीय मंत्री जे.पी. नड्डा जी को पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका अभिनंदन किया। इस दौरान बड़ी संख्या में उपस्थित भाजपा कार्यकर्ताओं ने उत्साहपूर्वक उनका स्वागत किया। जे.पी.नड्डा जी ग्रेटर नोएडा में आयोजित एक कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होने के लिए जा रहे थे। उनके नोएडा आगमन पर कार्यकर्ताओं में विशेष उत्साह देखने को मिला और कार्यकर्ताओं ने पूरे जोश एवं उत्साह के साथ उनका स्वागत किया।

स्वागत कार्यक्रम में राकेश शर्मा, चंदगीराम यादव, ओमबीर अवाना, संजय बाली, विनोद शर्मा, डिंपल आनंद,उमेश त्यागी, अशोक मिश्रा, प्रमोद बहल,बबलू यादव, पंकज झा, मनीष वाल्मीकि, मीनाक्षी चौहान, रामनिवास यादव, करतार चौहान, रामकिशन यादव, नीरज चौधरी, प्रदीप चौहान, शशिधर उपाध्याय, सत्यनारायण महावर, मनोज चौहान ,विपुल शर्मा, मुक्तानंद शर्मा, हाशिम मलिक, रिंकू तंवर, विपिन चौधरी, रुचि चौहान,दीपक शर्मा, राजीव उपाध्याय, कालू पंडित, प्रवीण चौहान, अतुल त्यागी, रवि वाल्मीकि, रेनू बाला, दुर्गेश तंवर, उत्कर्ष सिन्हा, दीपाली दीक्षित, उषा थापा, उषा किशोर, गौरव मेहरा,अनिमेष सिंह, ममता सिंह, गुड़िया, साईमा चौधरी, रोशनी सिंह, किरण सहित हजारों की संख्या में भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

भाजपा कार्यकर्ताओं ने केंद्रीय मंत्री जे.पी. नड्डा जी का स्वागत करते हुए संगठन के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की और उनके नेतृत्व में पार्टी को और अधिक मजबूत एवं जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया।

भोजन की बर्बादी रोकने के लिए जागरूक किया

नोएडा। जीडी गोयनका पब्लिक स्कूल में बुधवार को विश्व खाद्य दिवस के अवसर पर विद्यार्थियों को भोजन की बर्बादी रोकने के लिए जागरूकता किया। इस अवसर पर नर्सरी-ए और बी के नन्हें विद्यार्थियों ने उत्साह एवं आत्मविश्वास के साथ सभा का संचालन किया। विभिन्न मनोरंजक एवं शिक्षाप्रद गतिविधियों के माध्यम से विश्व खाद्य दिवस के महत्व को प्रस्तुत किया। यह बताया गया कि हमारे जीवन में भोजन का कितना महत्वपूर्ण स्थान है। बच्चों की मनमोहक प्रस्तुति ने सभी को स्वस्थ, पौष्टिक एवं संतुलित भोजन के महत्व का संदेश दिया। गीत के माध्यम से विद्यार्थियों ने यह भी समझाया कि भोजन केवल हमारी भूख मिटाने का साधन नहीं, बल्कि हमारे शरीर को ऊर्जा प्रदान करने, स्वस्थ रहने तथा वृद्धि एवं विकास के लिए आवश्यक है।

बच्चों ने विभिन्न खाद्य पदार्थों के महत्व को समझाते हुए पौष्टिक भोजन अपनाने और स्वस्थ खान-पान की आदतें विकसित करने का संदेश दिया।

कंपनी के एजेंट के खाते से डेढ़ करोड़ रुपये निकाले

नोएडा। साइबर अपराधियों ने रैपिडपे फिनटेक प्राइवेट लिमिटेड कंपनी के एक फील्ड एजेंट का मोबाइल फोन और ऐप हैक कर 43 अनधिकृत ट्रांजेक्शन किए। इन ट्रांजेक्शन के जरिए कंपनी के बैंक खाते से डेढ़ करोड़ रुपये निकाल लिए गए। यह जालसाजी तीन अक्तूबर की सुबह 10:41 बजे से 11:04 बजे के बीच हुई। पुलिस ने शिकायत के आधार पर केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। कंपनी के अधिकृत प्रतिनिधि जितिन जयशील करकेरास ने पुलिस को शिकायत दी कि रैपिडपे फिनटेक प्राइवेट लिमिटेड डिजिटल वित्तीय सेवाएं उपलब्ध कराने का काम करती है। कंपनी के फील्ड एजेंट और कारोबारी प्रतिनिधि मोबाइल ऐप के जरिए ग्राहकों से जुड़े लेनदेन करते हैं। तीन अक्तूबर को कंपनी के बैंक खाते से अचानक बड़ी संख्या में ऐसे लेनदेन हुए, जिन्हें कंपनी ने अधिकृत नहीं किया था। इस अवधि में कुल 43 ट्रांजेक्शन किए गए और इनमें कंपनी के खाते से एक करोड़ 56 लाख 68 हजार 668 रुपये दूसरे खातों में भेजे गए। कंपनी ने इन सभी लेनदेन को संदिग्ध मानते हुए साइबर क्राइम पोर्टल पर रिपोर्ट की। कंपनी प्रतिनिधि ने पुलिस को बताया कि संदिग्ध लेनदेन उसके एक फील्ड एजेंट धीरेज कुमार केशरी के मोबाइल फोन में इस्तेमाल किए जा रहे ऐप के जरिए हुए। एजेंट सोनभद्र के विंढमगंज क्षेत्र का रहने वाला है।

एजेंट का मोबाइल फोन या ऐप किसी अज्ञात व्यक्ति ने अपने नियंत्रण में ले लिया था और उसके बाद उसके जरिए लेनदेन किया गया। कंपनी ने शिकायत में स्पष्ट किया है कि वह एजेंट पर किसी तरह का गलत काम करने का आरोप नहीं लगा रही है। उसके मोबाइल फोन और ऐप के साथ छेड़छाड़ होने की आशंका है। कंपनी ने पुलिस से जांच के दौरान इसकी भी पड़ताल करने का अनुरोध किया है कि मोबाइल और ऐप का इस्तेमाल किसने किया और रकम किन खातों में भेजी गई।

खातों का विवरण उपलब्ध कराया: शिकायत के साथ कंपनी ने प्रत्येक लेनदेन का विवरण पुलिस को उपलब्ध कराया है। इसमें बैंक खाता संख्या, आईएफएससी कोड, बैंक का नाम, लाभार्थी का नाम और ट्रांजेक्शन रेफरेंस नंबर शामिल हैं। कंपनी ने पुलिस से इन खातों की जांच कर रकम को जल्द से जल्द फ्रीज कराने की मांग की है, ताकि साइबर अपराधी रकम को आगे दूसरे खातों में न भेज सकें। कंपनी ने बताया कि सभी 43 लेनदेन की शिकायत राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल पर भी दर्ज कराई गई है। शिकायत के अलग-अलग ट्रांजेक्शन के लिए पोर्टल से प्राप्त एक्नॉलेजमेंट नंबर भी पुलिस को दिए गए हैं।

खातों और मोबाइल नंबरों की जांच होगी: कंपनी ने पुलिस से लेनदेन में इस्तेमाल किए गए बैंक खातों, यूपीआई आईडी, मोबाइल नंबर और अन्य माध्यमों की जांच करने की मांग की है। पुलिस अब बैंक रिकॉर्ड और ट्रांजेक्शन की जानकारी के आधार पर रकम की आगे की कड़ी तलाश रही है। डीसीपी साइबर प्रीति यादव ने बताया कि पुलिस यह भी पता लगाएगी कि एजेंट के मोबाइल और रैपिडपे ऐप तक आरोपियों ने कैसे पहुंच बनाई। इसके लिए मोबाइल डिवाइस, ऐप की गतिविधियों, बैंक खातों और ट्रांजेक्शन से जुड़े डिजिटल साक्ष्यों की जांच की जाएगी। जिन खातों में ठगी की रकम ट्रांसफर हुई है, उनके संबंधित बैंक अधिकारियों से भी पुलिस टीम ने संपर्क किया है।

पेयजल समस्याओं के समाधान के लिए ज्ञापन सौंपा

नोएडा। शहर के विभिन्न सेक्टरों में पेयजल संबंधी समस्याओं से लोग जूझ रहे हैं। बुधवार को फेडरेशन ऑफ आरडब्ल्यूए के पदाधिकारियों ने इसके स्थायी समाधान के लिए ग्रेनो प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) एनजी रवि कुमार को ज्ञापन सौंपा। बैठक के दौरान विभिन्न सेक्टरों की पेयजल समस्याओं को प्रमुखता से उठाया गया। इनमें पानी का कम प्रेशर, गंदे पानी की सप्लाई, यूजीआर की समस्याएं, खराब पड़ी पानी की मोटर, नई मोटर और पंप लगाने एवं पुरानी व जर्जर जलापूर्ति लाइनों को बदलने सहित अन्य समस्याओं से अधिकारियों को अवगत कराया गया। फेडरेशन अध्यक्ष देवेंद्र टाइगर ने कहा कि शहर के कई सेक्टरों में पुरानी जलापूर्ति लाइनें होने के कारण आए दिन पानी की सप्लाई प्रभावित होती है।

कई स्थानों पर गंदे पानी और कम प्रेशर की समस्या बनी हुई है। इसलिए इन समस्याओं का अस्थायी नहीं, बल्कि स्थायी समाधान किया जाना आवश्यक है।

नोएडा पुलिस कर्मियों के लिए भावातीत ध्यान पर विशेष परिचयात्मक कार्यक्रम आयोजित

नोएडा। पुलिस कर्मियों के मानसिक स्वास्थ्य, तनाव प्रबंधन और समग्र कल्याण को ध्यान में रखते हुए नोएडा पुलिस लाइन के ऑडिटोरियम में भावातीत ध्यान (ट्रान्सेंडेंटल मेडिटेशन) पर एक विशेष परिचयात्मक कार्यक्रम आयोजित किया गया। नोएडा पुलिस कमिश्नर के निर्देश पर आयोजित इस कार्यक्रम में 200 से अधिक पुलिस अधिकारियों एवं कर्मियों ने भाग लिया।

कार्यक्रम का उद्देश्य पुलिस अधिकारियों और कर्मियों को भावातीत ध्यान की सरल एवं सहज प्रक्रिया से परिचित कराना तथा यह समझाना था कि नियमित ध्यान अभ्यास मानसिक शांति, आंतरिक संतुलन और स्पष्ट सोच के लिए किस प्रकार उपयोगी हो सकता है। पुलिस सेवा की व्यस्त और चुनौतीपूर्ण कार्यप्रणाली को देखते हुए कार्यक्रम में मानसिक एवं शारीरिक विश्राम के महत्व पर भी विशेष रूप से चर्चा की गई।

कार्यक्रम के दौरान भावातीत ध्यान की प्रकृति और इसके अभ्यास के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। प्रतिभागियों को बताया गया कि यह एक

सरल, प्राकृतिक और सहज प्रक्रिया है, जिसमें मन को विचारों से जबरदस्ती हटाने या किसी एक बिंदु पर एकाग्र करने का प्रयास नहीं किया जाता। अभ्यास के दौरान मन स्वाभाविक रूप से अधिक शांत अवस्था की ओर जाता है और शरीर को गहरे विश्राम का अनुभव होता है।

स्पिरिचुअल रीजेनेरेशन मूवमेंट फाउंडेशन ऑफ इंडिया की ओर से टीएम शिक्षकों अदिति श्रीवास्तव और गौरव ठाकुर ने कार्यक्रम में प्रतिभागियों के साथ संवाद किया। उन्होंने भावातीत ध्यान की प्रक्रिया, इसके नियमित अभ्यास और दैनिक जीवन में इसकी उपयोगिता के बारे में जानकारी साझा की। कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों को महर्षि महेश योगी के विचारों और ध्यान एवं चेतना के क्षेत्र में उनके योगदान से भी परिचित कराया गया।

कार्यक्रम में योग एवं प्राणायाम को भी शामिल किया गया। सुमित मलिक, पीयूष और प्रीति ने प्रतिभागियों को योग, स्ट्रेचिंग, विश्राम एवं प्राणायाम के विभिन्न अभ्यास कराए। इन सत्रों के माध्यम से प्रतिभागियों को शरीर और मन को तनावमुक्त रखने तथा स्वस्थ दिनचर्या विकसित करने के व्यावहारिक तरीकों से परिचित कराया गया।

कार्यक्रम में उपस्थित पुलिस अधिकारियों और कर्मियों ने भावातीत ध्यान के बारे में जानकारी प्राप्त करने में उत्साह दिखाया। प्रतिभागियों को बताया गया कि भावातीत ध्यान को प्रशिक्षित शिक्षक से व्यक्तिगत रूप से सीखा जाता है और इसे सीखने के लिए पाँच-दिवसीय पाठ्यक्रम निर्धारित है। कई प्रतिभागियों ने इस प्रक्रिया को आगे सीखने और इसे अपनी दैनिक दिनचर्या में शामिल करने में रुचि व्यक्त की।

भावातीत ध्यान का अभ्यास आराम से बैठकर आंखें बंद करके दिन में दो बार लगभग 15-20 मिनट किया जाता है। यह सहज प्रक्रिया है, जिसमें विचारों को रोकने या मन को नियंत्रित करने का प्रयास नहीं किया जाता।

संक्षिप्त समाचार

ट्रक की टक्कर से कैंटर चालक की मौत

नोएडा। दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे पर बुधवार तड़के सड़क किनारे खराब खड़े ट्रक से दूध का कैंटर टकरा गया। हादसे में कैंटर चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। अस्पताल में उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस के मुताबिक हापुड़ निवासी 30 वर्षीय पवन दूध का कैंटर लेकर हापुड़ से दिल्ली की ओर जा रहे थे। एनआईबी चौकी के पास एक ट्रक खराब होने के कारण सड़क किनारे खड़ा था। इसी दौरान पीछे से आ रहा पवन का कैंटर अनियंत्रित होकर खड़े ट्रक से जा टकराया। टक्कर इतनी जोरदार थी कि पवन कैंटर के अंदर फंस गए और गंभीर रूप से घायल हो गए।

सूचना मिलने पर सेक्टर-58 थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिसकर्मियों ने कड़ी मशक्कत के बाद उन्हें कैंटर से बाहर निकाला। इसके बाद एंबुलेंस से उन्हें सेक्टर-39 स्थित जिला अस्पताल भेजा गया। अस्पताल में उपचार के दौरान बुधवार दोपहर पवन की मौत हो गई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। हादसे की सूचना मृतक के परिजनों को दे दी गई है। पुलिस ने घटना की जांच शुरू कर दी है। पुलिस यह भी जांच कर रही है कि खराब ट्रक सड़क किनारे किस स्थिति में खड़ा था और वहां सुरक्षा के लिए कोई संकेतक या अन्य इंतजाम किए गए थे या नहीं। घटना को लेकर मृतक के परिजनों ने अभी तक शिकायत नहीं दी है। थाना प्रभारी ने बताया कि अंतिम संस्कार करने के बाद यदि परिजन शिकायत देते हैं तो उसी के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

सड़कों के किनारे सजावटी लाइट लगेंगी

नोएडा। ग्रेटर नोएडा की सड़कों को अधिक रोशन और सुंदर बनाने के लिए सजावटी लाइट लगाने की तैयारी है। सड़कों के किनारे दो तरह के सजावटी पोल लगेंगे। यह लाइट बारिश और धूल में भी खराब नहीं होगी। वरिष्ठ प्रबंधक (विद्युत) सौरभ भारद्वाज ने बताया कि शहर के प्रमुख मार्गों, पार्कों और चौराहों पर पोल के साथ एलईडी सजावटी स्ट्रीट लाइट लगाई जाएंगी। इससे रात में शहर की खूबसूरती बढ़ेगी और सड़कों पर रोशनी भी बेहतर होगी। योजना के तहत दो प्रकार के पोल लगाए जाएंगे। पहला आठ मीटर ऊंचा एमएस पाइप डेकोरेटिव पोल होगा, जिसमें 150 वाट की एलईडी लाइट लगाई जाएगी।

इस पोल पर जंग नहीं लगेगा। बारिश और धूल में भी लाइट खराब नहीं होगी। वहीं, दूसरा पांच मीटर ऊंचा माडर्न डेकोरेटिव माइल्ड स्टील पोल होगा। इसमें विशेष ल्यूमिनेयर लगेगा। यह सफेद रोशनी देगा जो आंखों के लिए आरामदायक होगी। इसमें 10 केवी सर्ज प्रोटेक्शन, बीआइएस मानक के अनुरूप एलईडी ड्राइवर, 140 लुमेन प्रति वाट एफिशिएंसी और 50 हजार घंटे की लाइफ वाली लाइट लगाई जाएंगी। कोटेशन प्रक्रिया पूरी होने के बाद जल्द ही काम शुरू करा दिया जाएगा।

नार्थ आई चौराहे पर लेफ्ट टर्न फ्री करने का काम शुरू

नोएडा। सेक्टर-77 नार्थ आई चौराहे को लेफ्ट टर्न फ्री करने का काम शुरू हो गया है। इस महीने के अंत तक यह काम पूरा कर लिया जाएगा। यह चौराहा सेक्टर-74, 75, 76, 77 को जोड़ता है। यहां से काफी संख्या में लोग अक्सर सोसाइटी के लिए आते-जाते हैं। यहां लेफ्ट टर्न फ्री नहीं होने की वजह से अक्सर जाम की समस्या रहती है। लोगों की मांग पर प्राधिकरण ने बुधवार से चौराहे को लेफ्ट टर्न फ्री करना शुरू कर दिया। बुधवार को वर्क सर्किल-6 के वरिष्ठ प्रबंधक अरुण के अलावा प्रबंधक और जेई मौके पर कामकाज देखने गए। इस मौके पर आसपास की सोसाइटियों में रहने वाले कुछ लोग भी थे। सेक्टर-77 प्रतीक विस्टीरिया सोसाइटी अमित गुप्ता ने बताया कि यहां पर बेहतर यातायात व्यवस्था के लिए प्राधिकरण के अधिकारियों को कुछ सुझाव दिए गए हैं। प्राधिकरण के अधिकारियों ने बताया कि चौराहे के चारों ओर करीब एक से डेढ़ मीटर सड़क का निर्माण किया जाएगा, ताकि वाहन आसानी से लेफ्ट टर्न ले सकें। दो साइड फुटपाथ भी बनाया जाएगा। यहां पर हो रखे अवैध निर्माण को भी हटाया जाएगा। अधिकारियों ने बताया कि बिजली विभाग के खंभों की वजह से भी अटकाव है। बिजली के खंभों को हटाने के लिए बिजली विभाग से कहा गया है। ये दूसरी जगह शिफ्ट कर लगाए जा सकते हैं। प्राधिकरण के अधिकारियों ने सेक्टर-116-117 तिराहे पर जो कलवर्ट बना है, उसकी सड़क की गुणवत्ता काफी खराब है। इस सड़क को भी ठीक करने के निर्देश वरिष्ठ प्रबंधक ने अधीनस्थ अधिकारियों को दिए।

किसान अपनी मांगों को लेकर यमुना प्राधिकरण पर आंदोलन करेंगे

नोएडा। किसान एकता संघ ने बुधवार दोपहर 2 बजे जेवर के राजपुर गांव में बैठक की। इसमें यमुना प्राधिकरण क्षेत्र के किसानों की लंबित समस्याओं पर चर्चा हुई। किसानों ने अपनी मांगों को लेकर जल्द ही प्राधिकरण पर आंदोलन शुरू करने का फैसला लिया है।

राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी सोरन प्रधान ने बताया कि आबादी निस्तारण, बैकलीज, 10 प्रतिशत भूखंड और 2013 के भूमि अधिग्रहण कानून लागू करने जैसी कई मांगें लंबित हैं। उन्होंने कहा कि मांगें पूरी होने तक आंदोलन जारी रहेगा। आंदोलन की तैयारी के लिए संगठन गांव-गांव जाकर किसानों को एकजुट करेगा। इसके बाद यमुना प्राधिकरण पर दिन-रात धरना शुरू होगा। बैठक में राकेश नागर को प्रदेश सचिव, प्रवीण नागर को जिला उपाध्यक्ष और अर्चना सिंह को महिला मोर्चा की जिलाध्यक्ष बनाया गया।।चौधरी बलराज प्रधान ने बैठक की अध्यक्षता की और पप्पे नागर ने संचालन किया। देशराज नागर, श्रीकृष्ण बैंसला, राजसिंह ठेकेदार, जगदीश शर्मा, विक्रम नागर समेत कई किसान मौजूद थे।

सेक्टर में आईटी इंजीनियर से सोने की चेन लूटी

नोएडा। सेक्टर बीटा-1 में बाइक सवार बदमाशों ने आईटी इंजीनियर से चेन लूट ली और भाग गए। पीड़ित का आरोप है कि घटना के करीब बीस दिन बाद भी पुलिस ने मुकदमा दर्ज नहीं किया। वहीं, पुलिस घटना की जानकारी होने से इनकार कर रही है। आईटी कंपनी के इंजीनियर आशीष कुमार चौमाल ने बताया कि वह 11 सितंबर की देर शाम को भोजन करने के बाद घर के बाहर टहल रहे थे। इस दौरान वह फोन पर बात कर रहे थे, तभी बाइक सवार दो बदमाश उनके गले से सोने की चेन झपट कर ले गए। पीड़ित ने तुरंत घटना की सूचना पुलिस को दी।

सूरजपुर और बीटा दो कोतवाली की पुलिस मौके पर पहुंची। इसके बाद पीड़ित ने घटना के दूसरे दिन बीटा चौकी पहुंचकर पुलिस को लिखित शिकायत दी।

दिल्ली में सम्पन्न हुई परिवर्तन योगेश की 38वीं सुदर्शन सभा

नोएडा। नीति आयोग द्वारा मानित राष्ट्र, संस्कृति व समाज हित समर्पित संस्था परिवर्तन योगेश की 38वीं सुदर्शन सभा 3 अक्टूबर 2026 को दिल्ली में सम्पन्न हुई। यह सभा परिवर्तन योगेश संस्थान के उप संगठन महर्षि सत्य सनातन हिन्दी विद्यापीठ के विद्या वाचस्पति एवं विद्या सागर मानद सम्मान प्रेषण द्वारा सम्पन्न हुई। मुख्य अतिथि रहे - -सद्गृहस्थ संत डॉ हरीश मिश्र (राष्ट्रीय अध्यक्ष : परिवर्तन योगेश- नई दिल्ली, पीठाध्यक्षःमहर्षि सत्य सनातन अखाड़ा- वाराणसी, उपकुलपति/कुलमहासचिवः महर्षि सत्य सनातन हिंदी विद्यापीठ - वाराणसी) , डॉ. योगेश तरेहन (संस्थापक - परिवर्तन योगेश), महामंडलेश्वर निरंकार नंद महाराज जी (पीठाधीश्वर : महर्षि सत्य सनातन अखाड़ा), डॉ. प्रशांत मनोहर गायकवाड (तबला वादक एवं ज्योतिषाचार्य) एवं डॉ. रविकुमार द्विवेदी (कुलपति : महर्षि सत्य सनातन हिन्दी विद्यापीठ)

इस सभा में विद्या सागर देश के

3 विद्वानों को दिया गया। जिनके नाम हैं- डॉ. भभुता राम चौहान, डॉ. लोकेश कुमार एवं डॉ यशदेव प्रसाद शर्मा। विद्या वाचस्पति 33 महानुभावों को प्रेषित किया गया, जिनके नाम हैं- संजय हरिहरनाथ त्रिपाठी, प्रमोद तिवारी, शम्भू नाथ दुबे, राहुल कपूर, विजय प्रकाश दीक्षित, प्रभात अग्रवाल, शंकर कुमार मिश्रा, चन्द्र मोहन बाली, यश अवस्थी, महामंडलेश्वर मंजू वर्मा, श्रीमती रेखा मुकुल चौबे, विवेका कुमार सिन्हा, डॉ. जितेन्द्र माधव, कुलजीत सिंह, श्री दर्शन दिलीपराव जोशी, रामेश्वर सिंह शांडिल्य, श्रीमती शुभांगी शांडिल्य, कृष्ण कान्त दूबे, महर्षि श्री राजेन्द्र प्रसाद विश्वकर्मा, प्रकाश चंद्र पंड्या, सुरेश चन्द्र जोशी, डॉ. जितेंद्रकुमार बाबूलाल प्रजापति, शिव शंकर शर्मा, टीकादास मराबी, विनोद राजपूत, देवेन्द्र सिंह आर्य, विष्णु सिकरवार, धनन्जय सिंह, सुंदर पाल यादव, कमलेश कुमार मिश्रा, परमार कुंजलता सुरसिंह, देश दीपक शर्मा एवं पंकज कुमार दीक्षित।

सभा में प्रसिद्ध नृत्यांगना श्रीमती कल्पना शर्मा जी ने कत्थक नृत्य की प्रस्तुति की, उन्हें कला शिरोमणि सम्मान देय हुआ व प्रसिद्ध तबला वादक एवं ज्योतिषाचार्य डॉ. प्रशांत मनोहर गायकवाड जी जोकि राष्ट्रपति सम्मान प्राप्तकर्ता एवं गिनीज वर्ड रिकॉर्ड होल्डर हैं, सनातन गौरव सम्मान प्राप्त किये।

व्यवस्था समिति के सदस्य इस प्रकार रहे - पत्रकार संजय कुमार, सुनील दुग्गल, डॉ. यशदेव प्रसाद शर्मा, आचार्य डॉ. देव कुमार पाण्डेय, राकेश कुमार,डॉ महेंद्र मोहन अवस्थी एवं गिरिराज सिंह।

घर के गेट पर महिला से चेन लूट की कोशिश

नोएडा। सेक्टर बीटा-1 में घर के बाहर खड़ी महिला से चेन लूटने का प्रयास किया गया। महिला परिवार के साथ घर के बाहर खड़ी थी। इसी बीच पता पूछने के बहाने बदमाशों ने घटना को अंजाम दिया। हालांकि, छीना झपटी में चेन टूट कर जमीन पर गिर गई। इस बीच बदमाश खुद को घिरता देखकर वहां से भाग गए। सेक्टर बीटा-1 में एक महिला परिवार के साथ रहती है। वह दो अक्तूबर की शाम पति और दो बच्चों के साथ घर के बाहर खड़ी थी। इसी बीच बाइक सवार दो बदमाश उनके पास पहुंचे और पता पूछने के बहाने महिला के गले से चेन झपट ली।

महिला ने हिम्मत दिखाते हुए बदमाश का हाथ पकड़ लिया। छीना झपटी में चेन टूटकर कर जमीन पर गिर गई। महिला के शोर मचाने पर बदमाश खुद को घिरता देखकर खाली हाथ वहां से भाग गए। दोनों बदमाश हेलमेट पहने थे। यह पूरी घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इस मामले में पुलिस का कहना है कि घटना की कोई लिखित शिकायत नहीं मिली।

कॉलेज की जमीन पर अवैध कब्जे की कोशिश, भूमाफिया के खिलाफ छात्रों का फूटा गुस्सा

ग्रेटर नोएडा। दनकौर कस्बे में स्थित बिहारीलाल इंटर कॉलेज की करीब 2 हजार गज की जमीन पर भूमाफियाओं द्वारा अवैध कब्जा करने का प्रयास किया गया। हालांकि, कॉलेज के छात्र-छात्राओं ने एकजुट होकर भूमाफियाओं के मंसूबों पर पानी फेर दिया, बल्कि निर्माणाधीन बाउंड्री वॉल को भी क्षतिग्रस्त कर आरोपियों को मौके से खदेड़ दिया।

स्कूल प्रिंसिपल महकार सिंह ने बताया कि भूमाफियाओं की नजर काफी समय से कॉलेज की खेल मैदान और परिसर से सटी जमीन पर थी। बुधवार को दबंगों ने भारी संख्या में मजदूरों को बुलाकर करीब 2 हजार गज जमीन पर अवैध रूप से बाउंड्री वॉल का निर्माण शुरू करवा दिया था। इसकी भनक स्कूल के छात्र-छात्राओं और प्रबंधन को लगी, परिसर में भारी आक्रोश फैल गया। सैकड़ों की संख्या में छात्र और छात्राएं एकजुट होकर मैदान में उतर आए। छात्रों के उग्र रूप को देखकर अवैध निर्माण करा रहे भूमाफिया और उनके साथी पीछे हटने लगे। आक्रोशित छात्रों ने अवैध रूप से खड़ी की जा रही बाउंड्री वॉल को ढहा दिया। छात्रों का भारी विरोध देखकर आरोपी मौके से भाग खड़े हुए।

कॉलेज प्रशासन का कहना है कि यह जमीन छात्रों के भविष्य और खेलकूद के लिए है, जिस पर किसी भी कीमत पर भूमाफिया का कब्जा नहीं होने दिया जाएगा। मामले की सूचना स्थानीय पुलिस को दे दी गई है। स्कूल प्रबंधन ने जिला प्रशासन और पुलिस से आरोपियों की पहचान कर उनके खिलाफ सख्त से सख्त कानूनी कार्रवाई करने और स्कूल की जमीन को पूरी तरह सुरक्षित करने की मांग की है। एसीपी रविशंकर मिश्र का कहना है कि दो पक्षों के बीच कॉलेज जमीन का विवाद है। एक पक्ष ने निर्माण शुरू किया था, जिसका कॉलेज के पक्ष ने विरोध किया। इसमें कॉलेज के बच्चे भी आ गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने बच्चों को समझाकर भेज दिया। दोनों पक्षों का विवाद राजस्व में विचाराधीन है। राजस्व से निर्णय होने के बाद ही दोनों पक्षों को निर्माण नहीं करने की हिदायत दी गई है।

श्री सिद्ध पीठ शनि मंदिर में होगा पितृदोष निवारण एवं शनि शांति महायज्ञ

नोएडा। शनि अमावस्या एवं पितृ अमावस्या के पावन अवसर पर शनिवार,10 अक्टूबर को यमुना पुस्ता मार्ग, सेक्टर-14 के सामने स्थित श्री सिद्ध पीठ शनि मंदिर के प्रांगण में विशेष धार्मिक आयोजन किए जाएंगे।

बुधवार को नोएडा मीडिया क्लब में समिति द्वारा प्रेसवार्ता कर जानकारी दी गयी कि शनि सेवा समिति (पंजी.), नोएडा की ओर से आयोजित इस महापर्व में पितृदोष निवारण एवं शनि शांति महायज्ञ, सुंदरकांड पाठ, भंडारा, भजन संध्या और आकर्षक धार्मिक झांकियों का आयोजन होगा।

समिति के अध्यक्ष ठा.मान सिंह चौहान ने जानकारी देते हुए बताया कि प्रातः 10:30 बजे विद्वान आचार्य श्री पीसी भट्ट एवं उनकी टीम द्वारा पितृदोष निवारण एवं शनि

शांति महायज्ञ विधि-विधान और मंत्रोच्चार के साथ कराया जाएगा। श्रद्धालु अपने पितरों के नाम से यज्ञ में आहुति देकर शनिदेव महाराज का आशीर्वाद प्राप्त कर सकेंगे।

इसके साथ ही सुबह 11 बजे विशाल भंडारे एवं प्रसाद वितरण की व्यवस्था रहेगी।

कार्यक्रम में शाम 4 बजे सुंदरकांड का पाठ होगा। इसके समापन के बाद भजन संध्या और मनमोहक धार्मिक झांकियों की प्रस्तुति श्रद्धालुओं के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र रहेगी। शाम 7 बजे संध्याकालीन आरती तथा शाम 7:30 बजे से रात 10 बजे तक भजन संध्या एवं झांकियों का आयोजन किया जाएगा।

संक्षिप्त समाचार

5-स्टार होटल की पार्किंग में नगालैंड की महिला से छेड़छाड़ मामले में एक्शन, तीन आरोपी गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली पुलिस ने 4 अक्टूबर को चाणक्यपुरी इलाके के एक पांच सितारा होटल की पार्किंग में हुई कथित छेड़छाड़ और

हमले के मामले में तीन युवकों को गिरफ्तार कर लिया है। पीड़िता नगालैंड की रहने वाली हैं। महिला की शिकायत के अनुसार, वह पार्किंग क्षेत्र में खड़ी थी। तभी तीन युवक कार से आए और उनके साथ बदतमीजी की तथा उन्हें जबरदस्ती कार में बैठाने की कोशिश की। जब उनकी दोस्तों ने हस्तक्षेप कर उन्हें बचाने की कोशिश की, तो आरोपियों ने उन पर भी हमला किया। दिल्ली पुलिस ने बताया कि आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है और आगे की जांच चल रही है।

दिल्ली की जहरीली हवा में वाहनों का बड़ा योगदान

नई दिल्ली। दिल्ली की जहरीली हवा में वाहनों की भूमिका कितनी बड़ी है, इसका अंदाजा इस

बात से लगाया जा सकता है कि राजधानी में परिवहन क्षेत्र से पीएम 2.5 का करीब 39 प्रतिशत, पीएम 10 का 19 प्रतिशत और नाइट्रोजन आक्साइड (नाक्स) का 81 प्रतिशत उत्सर्जन होता है। ऐसे में वाहनों के ईंधन में बदलाव दिल्ली की वायु गुणवत्ता सुधारने की रणनीति का अहम हिस्सा हो सकता है। हालांकि, वाहनों के लिए केवल एक ही वैकल्पिक ईंधन को समाधान मानना उचित नहीं होगा। यह बात द एनर्जी एंड रिसोर्सेज इंस्टीट्यूट (टेरी) के वाहनों के ईंधन के तुलनात्मक आकलन संबंधी अध्ययन में सामने आई है। अध्ययन ने दिल्ली को देश के उन प्रमुख शहरों में शामिल किया है, जहां अलग-अलग ईंधन और तकनीकों के लिए उपलब्ध ढांचे का तुलनात्मक आकलन किया गया। इसमें सामने आया कि सीएनजी बुनियादी ढांचे के मामले में दिल्ली सबसे मजबूत स्थिति में है। वहीं ईवी ढांचे के लिहाज से भी दिल्ली और बेंगलुरु नौ आकलन किए गए स्थानों में अपेक्षाकृत बेहतर स्थिति में हैं। लेकिन रिपोर्ट का निष्कर्ष दिल्ली की ईवी नीति के लिए खासा मायने रखता है। केवल चार्जिंग केंद्रों की संख्या बढ़ा देना पर्याप्त नहीं है। पेट्रोल-डीजल या सीएनजी की तुलना में ईवी को चार्ज होने में अधिक समय लगता है। इसलिए समान संख्या में चार्जिंग केंद्र होने के बावजूद उनकी वास्तविक सेवा क्षमता कम हो सकती है। अध्ययन में दोपहिया वाहनों के लिए ईवी को दीर्घकाल का सबसे मजबूत विकल्प बताया गया है। तिपहिया वाहनों में भी मौजूदा समय में सीएनजी मजबूत है, लेकिन धीरे-धीरे ईवी के आगे आने का अनुमान है। निजी कारों में बदलाव धीमा रहने की संभावना है और सीएनजी लंबे समय तक मजबूत पूरक विकल्प बनी रह सकती है। व्यावसायिक चार पहिया वाहनों में ईवी दीर्घकाल में पसंदीदा विकल्प बन सकता है, जबकि सीएनजी संक्रमणकाल में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। अध्ययन ने डीजल को पर्यावरणीय और आर्थिक प्रदर्शन के लिहाज से कमजोर पाया है। वहीं सीएनजी ने कई श्रेणियों में तकनीकी, पर्यावरणीय और आर्थिक प्रदर्शन के बीच बेहतर संतुलन दिखाया। ईवी को स्थानीय वायु प्रदूषण घटाने में फायदा है, लेकिन मौजूदा बिजली मिश्रण, बैटरी निर्माण और कच्चे खनिजों पर निर्भरता उसके समग्र पर्यावरणीय आकलन को प्रभावित करती है। दिल्ली के लिए अध्ययन का संदेश साफ है, वाहन प्रदूषण घटाने के लिए केवल ईवी पर निर्भर रहने के बजाय वाहन के प्रकार और इस्तेमाल के हिसाब से रणनीति बनानी होगी। शहर में पहले से मजबूत सीएनजी ढांचे का इस्तेमाल संक्रमण के दौरान किया जा सकता है।

मकोका लगने के बाद भी दर्ज होते रहे मर्डर और किडनैपिंग के केस

दिल्ली पुलिस की जांच पर अदालत की सख्त टिप्पणी, कहा- 'कार्रवाई के नाम पर आईवॉश'

नई दिल्ली, एजेंसी। संगठित अपराध के एक गंभीर मामले में दिल्ली की एक विशेष अदालत ने पुलिस की कार्यशैली और जांच रिपोर्ट पर कड़ा रुख अपनाया है।

अदालत ने बाहरी-उत्तर जिला के पुलिस उपायुक्त द्वारा पेश की गई रिपोर्ट को पूरी तरह से 'लापरवाह और महज आंखों में धूल झोंकने वाला' करार दिया है।

विशेष न्यायाधीश गौरव राव ने कहा कि महाराष्ट्र संगठित अपराध नियंत्रण अधिनियम (मकोका) जैसी सख्त धाराएं लागू होने के बावजूद मुख्य आरोपी सालों तक बेखौफ घूमते रहे और कई संगीन अपराधों को अंजाम देते रहे, लेकिन पुलिस उन्हें गिरफ्तार नहीं कर सकी।

अदालत के अनुसार, यह मामला सितंबर 2020 में दर्ज हुई एक स्नैचिंग से जुड़ा है। उस दौरान आरोपी मुकेश उर्फ पुनीत और प्रदीप उर्फ गुरी पर मकोका लगाया गया था। मुकेश उर्फ पुनीत : मकोका दर्ज होने के वक्त उस पर हत्या और प्रयास समेत करीब 20 मामले दर्ज थे। कानून लागू होने के बाद भी 2021 से 2024 के बीच उस पर हत्या, डकैती और अपहरण के 8 नए मुकदमे दर्ज हुए। इसके बावजूद उसे फरवरी 2026 में जाकर गिरफ्तार किया जा सका, जब केस नए अधिकारी को सौंपा गया।

प्रदीप उर्फ गुरी : प्रदीप पर भी मकोका के बाद लगातार संगीन अपराध करने के आरोप लगे। वह 2024 के दो नए मामलों में नामजद था, लेकिन उसे अप्रैल 2026 में गिरफ्तार किया गया।

तीन आरोपी अब भी फरार: विनोद, प्रदीप और विकास नाम के तीन अन्य आरोपी 6 साल बीत जाने के बाद भी पुलिस की पकड़ से बाहर हैं।

पुलिस अधिकारियों ने सर्वोत्तम प्रयास किए

पिछली सुनवाई पर अदालत ने पुलिस से स्पष्टीकरण मांगा था कि आरोपी मकोका लगने के दौरान जमानत पर थे या हिरासत में और इतने सालों तक उनकी गिरफ्तारी क्यों नहीं हुई। हालांकि, डीसीपी द्वारा दायर रिपोर्ट में इन मुख्य सवालों पर पूरी तरह चुप्पी साध ली गई। इसके विपरीत, एडिशनल डीसीपी ने अपनी दलील में कहा कि 'पुलिस अधिकारियों ने अपनी तरफ से सर्वोत्तम प्रयास किए हैं।' इस पर अदालत ने तीखी टिप्पणी करते हुए कहा कि यदि अधिकारियों की नजर में यही उनका सर्वश्रेष्ठ प्रयास है, तो कोर्ट के पास कहने को कुछ नहीं बचता। अदालत ने कहा कि अफसर मकोका जैसे कड़े कानून की भावना और जनता के प्रति अपनी जवाबदेही को लेकर पूरी तरह असंवेदनशील नजर आते हैं।

रेलवे स्टेशनों पर कचरा अब नहीं बनेगा सिरदर्द, देश के 15 स्टेशन बनेंगे 'मॉडल'; ऐसे बदलेगी व्यवस्था

नई दिल्ली, एजेंसी। रेलवे स्टेशनों पर स्वच्छता व्यवस्था सुधारने के लिए सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों का पालन करते हुए कई कदम उठाए जा रहे हैं। इसी कड़ी में उत्तर रेलवे के श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा, जालंधर कैंट, देहरादून और जींद सहित देश के 15 रेलवे स्टेशनों को ठोस कचरा प्रबंधन के लिए आदर्श स्टेशन के रूप में विकसित किया जाएगा। यहां वैज्ञानिक तरीके से कचरे के संग्रहण से लेकर निस्तारण तक की व्यवस्था होगी। आने वाले समय में इसी माडल के अनुरूप चरणबद्ध तरीके से देश के अन्य स्टेशनों पर भी कचरा निस्तारण की व्यवस्था की जाएगी। देश में कचरा प्रबंधन के नियमों के उल्लंघन और इससे पर्यावरण को होने वाले नुकसान से संबंधित एक याचिका पर सुनवाई में सुप्रीम कोर्ट ने रेलवे स्टेशनों को भी शामिल किया है। इसे लेकर पिछले महीनों में कोर्ट द्वारा कई आदेश दिए गए हैं। इसी क्रम में सुप्रीम कोर्ट द्वारा गठित निगरानी समिति की देखरेख में स्टेशनों को स्वच्छता के मामले में आदर्श स्टेशन के रूप में विकसित करने का निर्णय लिया गया है। इनमें पर्यटन व तीर्थ स्थलों वाले स्टेशनों के साथ ही अलग-

अलग श्रेणियों (आकार के आधार पर) के स्टेशनों को शामिल किया गया है। इस व्यवस्था के अंतर्गत चिह्नित रेलवे स्टेशनों को रेलवे बोर्ड द्वारा जून में जारी मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) के अनुरूप विकसित किया जाएगा, जिसमें एक पूर्ण और कार्यात्मक अपशिष्ट प्रबंधन श्रृंखला स्थापित करने पर बल दिया जाएगा। इन स्टेशनों पर उत्पन्न कचरे का स्रोत पर ही पृथक्करण, संग्रहण, स्थानांतरण, प्रसंस्करण/पुनर्चक्रण और निपटान करने के लिए आधारभूत ढांचे का विकास किया जाएगा। पर्याप्त सफाईकर्मियों व उपकरणों की उपलब्धता तथा प्रशिक्षण से लेकर निगरानी तक की पुख्ता व्यवस्था की जाएगी। इसके अंतर्गत स्टेशनों पर कचरे को चार श्रेणियों गीला कचरा, सूखा कचरा, स्वच्छता संबंधी कचरा (जैसे सैनिटरी नैपकिन) और विशेष निगरानी वाला कचरा (जैसे इलेक्ट्रानिक या मेडिकल वेस्ट) में विभाजित कर अलग-अलग एकत्र किया जाएगा।

दिल्ली यूनिवर्सिटी के नॉर्थ कैंपस स्थित कार्यालय में लगी आग, फर्नीचर जलकर खाक; कोई हताहत नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली यूनिवर्सिटी (डीयू) के नॉर्थ कैंपस में स्थिति एक कार्यालय में देर रात अचानक आग लग गई। अधिकारियों के अनुसार, यह घटना मंगलवार रात करीब 11:53 बजे की है। आग लगने की सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और राहत कार्य शुरू किया। दमकल विभाग के अधिकारियों ने बताया कि आग कार्यालय कक्ष के भीतर लगी थी, जिसने वहां रखे सोफे, कुर्सियों और अन्य लकड़ी

के फर्नीचर को अपनी चपेट में ले लिया। आग फैलने के कारण कमरे में धुआं भर गया। सूचना मिलते ही दमकल कर्मियों ने तुरंत मौके पर पहुंचकर राहत अभियान चलाया और जल्द ही आग पर पूरी तरह से काबू पा लिया। राहत की बात यह रही कि घटना देर रात की थी जब दफ्तर बंद था, जिससे कोई भी व्यक्ति इसकी चपेट में नहीं आया और किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। हालांकि, कमरे में रखा फर्नीचर और कुछ दस्तावेज जलकर खाक हो गए हैं। आग लगने का प्राथमिक कारण अभी स्पष्ट नहीं हो पाया है। शुरुआती तौर पर शॉर्ट सर्किट को वजह माना जा रहा है। पुलिस और दमकल विभाग की टीम घटना के सटीक कारणों की जांच कर रही है।

वोटर लिस्ट में नाम बचाने दिल्ली आई बुशरा

एसआईआर नोटिस के जवाब में खर्च किए डेढ़ लाख

नई दिल्ली, एजेंसी। एसआइआर को लेकर मचे राजनीतिक घमासान के बीच एक ऐसा मामला सामने आया है, जो चिंता के साथ संवैधानिक अधिकार को सुरक्षित रखने की मिसाल है।

पुरानी दिल्ली निवासी एक महिला ने को मतदाता सूची में अपना नाम सुरक्षित रखने के लिए करीब डेढ़ लाख रुपये खर्च कर कनाडा से 12 हजार किमी तक की हवाई यात्रा तय कर दिल्ली पहुंची है। मामला मटिया महल की बुशरा सुल्तान का है। उन्हें नोटिस का जवाब देने और निस्तारण के लिए पिछले माह कनाडा से दिल्ली आना पड़ा।

डेढ़ लाख की फ्लाइट ली, अब वापस लौट गईं बुशरा

वैंकूवर में बीमार बेटी के पास मौजूद बुशरा को नोटिस की प्रक्रिया पूरी करने के लिए 28 सितंबर की फ्लाइट पकड़ी, जिसका एक तरफ का हवाई किराया ही करीब डेढ़ लाख रुपये का था। दिल्ली आने के बाद उन्होंने प्रक्रिया पूरी की।

उनका आरोप है कि उन्हें समय रहते बीएलओ द्वारा ऑनलाइन सुनवाई की सुविधा की जानकारी नहीं दी गई और बूथ पर आने के लिए मजबूर किया गया। इस कारण उनके परिवार को आर्थिक व मानसिक नुकसान झेलना पड़ा है।

वह मटियामहल विधानसभा के पार्ट नंबर पांच की मतदाता हैं। एसआइआर के दौरान उन्होंने एन्युमरेशन फार्म जमा की थी। उनका नाम ड्राफ्ट रोल में शामिल भी हो गया।

तो नहीं होता नुकसान...

इस दौरान 22 सितंबर को उन्हें नाम में त्रुटि का नोटिस मिला। तब उन्होंने बीएलओ से संपर्क किया। जिसने, उन्हें बताया कि फोटो अपलोड करने के लिए उनका मौके पर मौजूद रहना जरूरी है। तब उन्होंने परेशानी बीएलए- दो के जरिये अधिकारियों को भी दी, लेकिन कोई वैकल्पिक व्यवस्था नहीं मिली।

इसलिए उन्हें आना पड़ा। अगर, ऑनलाइन नोटिस प्रक्रिया निस्तारण की जानकारी दे दी होती तो न तो उनको आर्थिक नुकसान होता और न ही परेशानी।

बुशरा के मामले की जानकारी नहीं है। जबकि, वह रोजाना बीएलओ के साथ बैठक करते हैं। अगर उन्हें समय रहते मामले की जानकारी दी जाती तो कोई दूसरी व्यवस्था की जा सकती थी।

नरेला में दो जगहों पर लगी भीषण आग, सिलेंडर फटने से महिला की मौत; दो फैक्ट्रियां जलकर राख

नईदिल्ली, एजेंसी। नरेला के भोरगढ़ इलाके में मंगलवार रात और बुधवार तड़के आग लगने की दो घटनाएं सामने आईं। सन्नौठ गांव में रसोई में

एलपीजी सिलेंडर में आग लगने से 28 वर्षीय महिला की मौत हो गई। वहीं दूसरी घटना भोरगढ़ औद्योगिक क्षेत्र की है. जहां दो प्लास्टिक दाना फैक्ट्रियों में भीषण आग लग गई। दोनों घटनाओं में दमकल विभाग ने समय रहते आग पर काबू पाया। अग्निशमन विभाग के अनुसार सन्नौठ गांव में पंचायत घर के पास मंगलवार रात करीब 7:50 बजे मकान में आग लगने की सूचना मिली। दमकल की दो गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और करीब 8:35 बजे आग पर काबू पा लिया। आग रसोई में एलपीजी सिलेंडर में लगी थी। मौके से मंजू (28) का शव मिला, जिसे पुलिस के हवाले कर दिया गया। पुलिस ने शव कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है।

भारतीय थाली में प्रोटीन-फाइबर की कमी, हर तीसरा बच्चा कुपोषित

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत की आर्थिक तरक्की के बीच बड़ी जनसंख्या की थाली में आज भी पोषण की कमी गंभीर चुनौती बनी हुई है।

देश के 73 प्रतिशत लोगों के प्रतिदिन के आहार में पर्याप्त प्रोटीन नहीं पहुंच रहा है। शहरों में 44 प्रतिशत और गांवों में 36 प्रतिशत लोग अपनी रोज की प्रोटीन जरूरत पूरी नहीं कर पा रहे हैं।

हर तीसरे बच्चे में पोषण की कमी

शहरी भारत में 60 प्रतिशत लोग दाल, अंडा, दूध, पनीर, मछली या नट्स आदि प्रोटीनयुक्त खाद्य पदार्थ नियमित रूप से नहीं खाते। इसका असर बच्चों के पोषण पर भी दिख रहा है। पांच साल से कम उम्र का हर तीसरा बच्चा पोषण की कमी, बौनेपन या कम वजन से ग्रसित है।

इन शहरों के बच्चों पर हुआ अध्ययन

द स्टेट आफ प्रोटीन एंड फाइबर इन अर्बन इंडिया और आइसीएमआर-एनआइएन के व्हाट इंडिया ईट्स की ओर से मंगलवार को जारी की गई रिपोर्ट में देश की यह स्थिति सामने आई।

इसे भारतीय बाजरा अनुसंधान संस्थान (आइआइएमआर) ने पेप्सिको इंडिया, यूरोमानिटर इंटरनेशनल के सहयोग से दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरु, कोलकाता और

कोच्चि के 1250 लोगों पर किए गए अध्ययन के अनुसार जारी किया है। रिपोर्ट के अनुसार 70 प्रतिशत शहरी प्रतिदिन 41 ग्राम से कम प्रोटीन लेते मिले। अध्ययन में 60 प्रतिशत लोगों ने प्रोटीनयुक्त खाद्य पदार्थों की अधिक लागत और 57 प्रतिशत ने सुविधाजनक विकल्पों की कमी को बड़ी बाधा बताया। फाइबर के लिए 69 प्रतिशत ने सुविधाजनक और भरोसेमंद विकल्पों की कमी बताई। 90 प्रतिशत लोग चाहते हैं कि प्रोटीन को रोजमर्रा के भोजन में आसानी से शामिल किया जा सके।

इन परेशानियों से जूझ रहे बच्चे: राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण-5 के प्रमुख आंकड़ों के मुताबिक 5 वर्ष से कम उम्र के 35 प्रतिशत बच्चे बौनेपन के शिकार हैं। 5 वर्ष से कम उम्र के 32 प्रतिशत बच्चे कम वजन से ग्रसित हैं। 6 से 59 महीने की उम्र के 67.1% प्रतिशत बच्चे एनीमिया (खून की कमी) से पीड़ित हैं।15 से 19 वर्ष की 59.1% प्रतिशत किशोरियां एनीमिया की शिकार हैं।

श्रीअन्न से थाली की मजबूती पर जोर

आइआइएमआर न्यूट्री हब के अनुसार श्रीअन्न मिशन, पोषण अभियान और मिड-डे मील में बाजरा-रागी को शामिल करना पोषण सुधार की दिशा में कदम है। ज्वार, बाजरा और रागी फाइबर व पोषक तत्वों के अच्छे स्रोत हैं। दाल, दूध, अंडा और नट्स जैसे प्रोटीन स्रोतों के साथ इन्हें नियमित आहार में शामिल करने से थाली अधिक पौष्टिक बन सकती है।

80 हजार गिराने में लगेंगे 103 महीने; क्या करेगी एमसीडी

सत्य निकेतन हादसे के बाद एक माह में 774 संपत्तियां ध्वस्त

नई दिल्ली, एजेंसी। सत्य निकेतन हादसे के बाद हाई कोर्ट से लेकर सुप्रीम कोर्ट तक मामले की चर्चा हुई, लेकिन हादसे के एक माह बीत जाने के बाद भी एमसीडी सिर्फ 774 संपत्तियों को ही ध्वस्त कर पाई है। कार्रवाई की मौजूदा गति को देखें तो इस वर्ष अवैध निर्माण पर कार्रवाई के लिए लंबित 80 हजार शिकायतों पर कार्रवाई पूरी करने में एमसीडी को करीब नौ साल से अधिक समय लग सकता है।

अवैध निर्माण और अतिक्रमण पर कार्रवाई के लिए गठित स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) के आंकड़ों को देखें तो उसके पास दो लाख 37 हजार 559 शिकायतें आईं। इसमें से 154750 शिकायत कोई कार्रवाई योग्य नहीं मिली। शेष 82 हजार के करीब शिकायतें हैं जिन पर कार्रवाई होनी है लेकिन, 735 पर कोर्ट से कार्रवाई की रोक है या मामला लंबित है, जबकि 6616 संपत्ति को ध्वस्त किया जा चुका है। 3332 संपत्ति सील पड़ी है।

वहीं, सत्य निकेतन हादसे के बाद एमसीडी की कार्रवाई का आंकड़ा बताता है कि एक माह में औसतन 774 संपत्तियों पर ध्वस्तीकरण की कार्रवाई हुई। इस गति से 80 हजार संपत्तियों पर ध्वस्तीकरण कार्रवाई पूरी करने में करीब 103 महीने लगेंगे। यानी लगभग 8.6 वर्ष, बशर्ते हर माह कार्रवाई की यही गति बनी रहे और नई शिकायतें इसमें शामिल न हों। हालांकि, सत्य निकेतन हादसे और एमसीडी की कार्रवाई के बावजूद दिल्ली में अवैध निर्माण तेजी से जारी है। जितने अवैध निर्माण एमसीडी ने गिराये नहीं है उससे ज्यादा अवैध निर्माण दिल्ली में हो रहे हैं। खास तौर पर अनधिकृत कॉलोनियों में लगातार निर्माण जारी है। लोग चार मंजिल से ज्यादा का निर्माण कर रहे हैं। यह हाल तब है कि जबकि सत्य निकेतन में छह सितंबर को इमारत गिरने के बाद एमसीडी ने अवैध और खतरनाक निर्माण के खिलाफ अभियान तेज करने का दावा किया था। इसके बावजूद एक माह में कार्रवाई का आंकड़ा लंबित शिकायतों की तुलना में काफी कम है। यही वजह है कि निगम की कार्रवाई की गति पर सवाल उठ रहे हैं।

एमसीडी की कार्रवाई को लेकर यह भी आरोप लग रहे हैं कि निगम सभी शिकायतों पर समान रूप से कार्रवाई नहीं कर रहा है। एमसीडी के निर्माण समिति के चेयरमैन रहे जगदीश ममगांई कहते हैं कि अकसर इमारतें गिरने के बाद तीन चार दिन तो तेज गति से कार्रवाई चलती है।

बारापुला पर ड्रोन से रखी जा रही नजर, जाम मिलते ही बदलेगा रूट, गूगल मैप भी होगा अपडेट

नईदिल्ली, एजेंसी। बारापुला फेज-3 के मयूर विहार से एम्स जाने वाली लेन की निगरानी ड्रोन से की जा रही है। जाम की स्थिति दिखते ही प्रमुख प्वाइंट पर तैनात ट्रैफिक पुलिस कर्मियों को जरूरी निर्देश दिए जा रहे हैं। ट्रैफिक नियंत्रित करने के साथ ही जरूरत के मुताबिक रूट डायवर्जन भी किया जा रहा है। ट्रैफिक पुलिस के मुताबिक अभी गूगल मैप पर लोगों को रियल टाइम अपडेट नहीं मिल रहा है। इस पर गूगल की ओर से काम किया जा रहा है। अगले एक दो दिन में अपडेट मिलने लगेगा। दरअसल, मयूर विहार, डीएनडी लूप व एनएच-24 से एम्स की तरफ जाने वालों को गूगल सर्च में बारापुला फ्लाईओवर का रास्ता ब्लू यानी एकदम खाली दिख रहा है। शार्टकट का सुझाव देते हुए गूगल वाहन चालकों को फ्लाईओवर पर पहुंचा रहा है। यही भीषण जाम की बड़ी वजह भी है। सदर्न रेंज के पुलिस उपायुक्त यातायात संदीप गुप्ता के मुताबिक फ्लाईओवर और आसपास जाम से राहत दिलाने के लिए लगातार ड्रोन से नजर रखी जा रही है। सभी प्रमुख प्वाइंट पर ट्रैफिक पुलिस तैनात हैं। यातायात नियंत्रित और जरूरत के मुताबिक डायवर्जन किया जा रहा है।

संक्षिप्त समाचार

स्मृति मंधाना के लिए नई नहीं है कप्तानी

कुछ मौकों पर पहले भी संभाली है महिला टीम की कमान

नई दिल्ली। स्मृति मंधाना को भारतीय महिला क्रिकेट टीम का नया कप्तान नियुक्त किया गया है। मंधाना हरमनप्रीत कौर की जगह लेंगी और जिम्बाब्वे के खिलाफ सीमित ओवर सीरीज से उनके कार्यकाल का आगाज होगा। मंधाना के लिए

कप्तानी हालांकि, नई नहीं है। वह इससे पहले भी कुछ मौकों पर भारतीय महिला टीम की कमान संभाल चुकी हैं।

2013 से भारतीय टीम का हिस्सा हैं मंधाना – साल 2013 से भारतीय टीम का हिस्सा रहीं मंधाना वनडे और टी20 अंतरराष्ट्रीय को मिलाकर कुल 22 मैचों में टीम की कमान संभाल चुकी हैं। मंधाना का रिकॉर्ड वनडे में कप्तान के तौर पर शानदार रहा है। उन्होंने कुल चार वनडे मुकाबलों में टीम की कप्तानी की है और सभी में जीत दिलाई है। वहीं, टी20 में भी मंधाना का रिकॉर्ड दमदार रहा है। उन्होंने कुल 18 मैचों में टीम की अगुआई की है, जिसमें से 11 मुकाबलों में टीम को जीत मिली है, जबकि सिर्फ छह मैचों में हार का सामना करना पड़ा है।

भारत के विजन को आईओसी से पहचान मिलने पर सम्मानित महसूस कर रहे हैं: पी. टी. उषा

नई दिल्ली। 2036 ओलंपिक और पैरालंपिक गेम्स की मेजबानी की भारत की उम्मीद एक कदम आगे बढ़ी है। इंडियन ओलंपिक एसोसिएशन (आईओए) ने इंटरनेशनल ओलंपिक कमेटी की उस घोषणा का स्वागत किया है, जिसमें भविष्य के होस्ट चुनने की

प्रक्रिया में हिस्सा लेने वाले शहरों और देशों के बारे में बताया गया है। गुजरात के अहमदाबाद पर केंद्रित, भारत की बोली आईओसी के साथ सलाह-मशविरा करके बनाई जा रही है, जिसका विजन 'एक साथ उठना' थीम पर आधारित है। आईओए ने कहा कि यह विजन भारत की खेल संबंधी उम्मीदों को ओलंपिक मूवमेंट के दुनिया भर में अपनी पहुंच बढ़ाने के लक्ष्य के साथ जोड़ना चाहता है। प्रस्तावित गेम्स को सिर्फ एक बड़े खेल इवेंट के तौर पर नहीं, बल्कि भारत में खेलों में बड़े बदलाव के लिए एक कैटलिस्ट के तौर पर देखा जा रहा है।

टेनिस जगत को झटका, यानिक सिनर ने 2026 सीजन समाप्त करने की घोषणा की

नई दिल्ली। इटली के स्टार टेनिस खिलाड़ी यानिक सिनर ने मंगलवार को घुटने की चोट के कारण अपना 2026 सीजन समय से पहले समाप्त करने की घोषणा की। सिनर जुलाई से इस चोट से जूझ रहे थे। वर्ल्ड नंबर 1 यानिक सिनर विंबलडन जीतने के बाद से किसी टूर्नामेंट में नहीं खेले हैं और इसके बाद नॉर्थ अमेरिकन हार्ड-कोर्ट स्विंग और

एशियन स्विंग में भी हिस्सा नहीं ले पाए। सिनर ने सोशल मीडिया पर सीजन खत्म करने के फैसले की जानकारी देते हुए बताया कि वह अपने घुटने का इलाज करवा रहे हैं। सिनर ने सोशल मीडिया पर कहा, 'मैंने और डॉक्टरों ने मिलकर तय किया है कि मुझे अपने घुटने का इलाज करवाना होगा, जिसका मतलब है कि 2026 सीजन आधिकारिक तौर पर खत्म हो गया है। पिछले कुछ वर्षों में, खासकर ट्यूरिन में सीजन के अंत में, मुझे बहुत अच्छी भावनाएं और अनुभव मिले, लेकिन यह साल अलग होने वाला है।'

कप्तान अय्यर का टी-20 में पहला शतक

नमन धीर का शानदार डेब्यू

भारत की लगातार 10वें टी20 में जीत

पहले टी-20 में वेस्टइंडीज को आठ विकेट से हराया

लखनऊ। भारत ने मंगलवार को वेस्टइंडीज को आठ विकेट से हराकर लगातार 10वीं टी20 अंतरराष्ट्रीय जीत दर्ज की। कप्तान श्रेयस अय्यर ने अपने करियर का पहला टी20 अंतरराष्ट्रीय शतक जड़ा, जबकि डेब्यू कर रहे ऑलराउंडर नमन धीर ने तीन विकेट लेकर भारत की जीत में अहम भूमिका निभाई। पहले गेंदबाजी करते हुए भारत ने वेस्टइंडीज को 171 रन पर रोक दिया और फिर अय्यर (नाबाद 102) तथा ईशान किशन (नाबाद 37) की 137 रन की साझेदारी के दम पर 14.4 ओवर में लक्ष्य हासिल कर लिया।

डेब्यू में ही नमन धीर ने लिए3 विकेट

भारत के लिए नमन धीर ने गेंदबाजी में शानदार प्रदर्शन करते हुए 31 रन देकर तीन विकेट झटके। कुलदीप यादव ने भी दो विकेट लिए। अक्षर पटेल और अर्शदीप सिंह को एक-एक सफलता मिली। वेस्टइंडीज की शुरुआत हालांकि तेज रही। कप्तान शाई होप ने दूसरे ओवर में मयंक यादव के खिलाफ लगातार चार चौके जड़ दिए।

अय्यर ने किशन के साथ 137 रन की साझेदारी की

अय्यर ने इसके बाद वेस्टइंडीज के गेंदबाजों की जमकर खबर ली। उन्होंने मैदान के चारों ओर शानदार शॉट लगाए और ईशान किशन के साथ मिलकर तीसरे विकेट के लिए नाबाद 137 रन की साझेदारी की। अय्यर ने 42 गेंदों में अपना पहला टी20 अंतरराष्ट्रीय शतक पूरा किया। उन्होंने रॉस्टन चेज की गेंद पर लॉन्ग ऑन के ऊपर से सीधा छक्का लगाकर शतक पूरा किया। उनकी पारी में शानदार चौके और छक्के शामिल रहे। ईशान किशन ने भी कप्तान का बखूबी साथ दिया और नाबाद 37 रन बनाए। अय्यर और ईशान की साझेदारी ने भारत के लिए लक्ष्य को बेहद आसान बना दिया।

अय्यर ने शतक से आलोचकों को दिया जवाब, सैमसन ज्यादा अवसर के हकदार: सुनील गावस्कर

नई दिल्ली। भारतीय टी20 टीम के कप्तान श्रेयस अय्यर ने मंगलवार को लखनऊ के इकाना स्टेडियम में वेस्टइंडीज के खिलाफ खेले गए पहले मुकाबले में अपने अंतरराष्ट्रीय टी20 करियर का पहला शतक लगाया। अय्यर ने मात्र 42 गेंदों पर शतक लगाया। पूर्व भारतीय कप्तान सुनील गावस्कर ने श्रेयस अय्यर की जमकर तारीफ की है। गावस्कर ने जियोस्टार पर कहा, 'श्रेयस अय्यर की यह शानदार पारी थी। वह अजेय लग रहे थे, और वेस्टइंडीज के गेंदबाज चाहे किसी भी लाइन और लेंथ पर गेंद फेंकें, अय्यर के पास हर चीज का जवाब था। उन्होंने जो शॉट खेले, वे देखने लायक थे, खासकर रोमारियो शेफर्ड की गेंद पर अपर-कट, जिससे पता चला कि वह गंभीर थे। इस भारतीय टी20 टीम के कप्तान बनने के बाद से श्रेयस अय्यर का बल्ले से प्रदर्शन थोड़ा खराब रहा है। हाल के दिनों में, जीत मिली है, लेकिन बल्ले से उनका अपना फॉर्म चिंता का विषय था।' उन्होंने कहा, 'उनके लिए एक बड़ी पारी खेलना जरूरी था, और उन्होंने पहले टी20 में अच्छा किया। अय्यर ने रन चेज पर पूरा नियंत्रण रखा और बीच के ओवरों में तेजी से रन बनाते रहे। उन्होंने सिर्फ 28 गेंदों में अपने पचास रन पूरे किए और फिर पूरी तरह से गियर बदल दिया, सिर्फ 15 गेंदों के अंदर अगले 50 रन बनाकर 102 तक पहुंच गए। सोशल मीडिया पर श्रेयस की बैटिंग फॉर्म को लेकर सवाल उठ रहे थे। इस शतक ने उन सभी को चुप करा दिया है। यह पारी इस बात का पक्का संकेत है कि श्रेयस अय्यर अपने बेस्ट फॉर्म में वापस आ गए हैं।'
पूर्व भारतीय कप्तान ने विकेटकीपर और सलामी बल्लेबाज संजू सैमसन पर भी अपनी राय रखते हुए कहा, 'एक असफलता संजू के पुराने रिकॉर्ड से बड़ी नहीं होनी चाहिए।

श्रेयस ने कोहली का रिकॉर्ड तोड़ा, चेज करते हुए शतक लगाने वाले पहले भारतीय कप्तान

नई दिल्ली। भारतीय कप्तान श्रेयस अय्यर ने वेस्टइंडीज के खिलाफ मंगलवार को भारत रत्न श्री अटल बिहारी वाजपेयी इकाना क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए मैच में 102 रन की नाबाद पारी खेली। 43 गेंदों में अय्यर ने छह छक्कों और 10 चौके लगाए। इस पारी के साथ ही अय्यर ने रिकॉर्ड्स की झड़ी लगा दी है। श्रेयस की इस दमदार पारी की मदद से भारत ने वेस्टइंडीज को आठ विकेट से हराया और सीरीज में 1-0 की बढ़त ले ली।

- **सर्वोच्च रन बनाने वाले चौथे भारतीय–** श्रेयस अय्यर बतौर कप्तान टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सर्वाधिक रन बनाने वाले भारतीयों की सूची में चौथे स्थान पर पहुंच गए हैं। शीर्ष तीनों पारियां रोहित शर्मा के नाम हैं, जिन्होंने अफगानिस्तान के खिलाफ नाबाद 121 रन, श्रीलंका के विरुद्ध 118 रन और वेस्टइंडीज के खिलाफ नाबाद 111 रन की पारियां खेली हैं। श्रेयस अकेले ऐसे भारतीय कप्तान हैं, जिन्होंने रन चेज करते हुए शतक लगाया।
- **ईशान के साथ रिकॉर्ड साझेदारी –** टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में दूसरी पारी में बल्लेबाजी करते हुए किसी भारतीय कप्तान का पिछला सबसे बड़ा स्कोर 94* रन था, जो विराट कोहली ने 2019 में हैदराबाद में वेस्टइंडीज के खिलाफ बनाया था। अय्यर वेस्टइंडीज के खिलाफ टी20 क्रिकेट में शतक लगाने वाले तीसरे भारतीय बन गए हैं। उनसे पहले रोहित शर्मा (111*) और केएल राहुल (110*) यह कारनामा कर चुके थे। इस पारी के दौरान अय्यर ने ईशान किशन के साथ 137 रन की अटूट साझेदारी की, जो टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में रन चेज के दौरान भारत के लिए तीसरी सबसे बड़ी साझेदारी है।

सीनियर चयन समिति की बैठक में शामिल रहेंगे लक्ष्मण

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के सचिव देवजीत सैकिया ने मंगलवार को कहा कि सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) के प्रमुख वीवीएस लक्ष्मण भविष्य में सीनियर चयन समिति की सभी बैठकों में शामिल होंगे। वह गुवाहाटी में टी20 अंतरराष्ट्रीय और भारत ए टीम के चयन के लिए हुई बैठक में भी मौजूद थे। लक्ष्मण और अब पूर्व मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर के बीच संवाद की स्पष्ट कमी रही थी। माना जाता है कि चोटिल खिलाड़ियों के बारे में सीओई की ओर से समयसीमा की जानकारी नहीं मिलने के कारण कई बार अप्रिय स्थिति पैदा हुई।

बेहतर संवाद के लिए होंगे शामिल

सैकिया ने कहा, अब से वीवीएस लक्ष्मण सीनियर चयन समिति की सभी बैठकों में शामिल होंगे ताकि चयनकर्ताओं और सीओई के बीच किसी तरह की संवादहीनता नहीं हो। मुंबई में हुई समीक्षा बैठक में यह फैसला लिया गया कि सीओई के क्रिकेट प्रमुख के तौर पर लक्ष्मण आगे से सभी बैठकों में शामिल होंगे। इसका उद्देश्य संवादहीनता को रोकना और चयनकर्ताओं को सही निर्णय लेने के लिए सटीक जानकारी उपलब्ध कराना है। बीसीसीआई ने मंगलवार को अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक तस्वीर शेयर की, जिसमें लक्ष्मण को गुवाहाटी के एसीए स्टेडियम में हुई सीनियर पुरुष टीम की सिलेक्शन मीटिंग में देखा गया।

क्या महिला चयन समिति के लिए लागू होगी व्यवस्था?

यह नियम सीनियर पुरुष टीम की चयन मीटिंग के लिए है, लेकिन अभी यह पता नहीं चला है कि सीनियर महिला टीम की सिलेक्शन मीटिंग के लिए भी यह व्यवस्था लागू की जाएगी या नहीं। पिछले कुछ महीनों में, चोट की वजह से कई महिला खिलाड़ियों की अहम टूर्नामेंट में उपलब्धता पर असर पड़ा है।

न्यूजीलैंड दौरे के लिए टी-20 टीम का ऐलान

चार साल बाद भुवनेश्वर की वापसी, श्रेयस कप्तान; पंत की फिटनेस पर रहेगी नजर

मुंबई। अनुभवी तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार की करीब चार साल बाद भारतीय टीम में वापसी हुई है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने मंगलवार को न्यूजीलैंड के खिलाफ होने वाली पांच मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज के लिए टीम की घोषणा की। भुवनेश्वर को 16 सदस्यीय टी20 टीम में शामिल किया गया है। यह चयन समिति के पूर्व अध्यक्ष अजीत अगरकर के पद से हटने के बाद पहला बड़ा चयन है। प्रज्ञान ओझा को अंतरिम चयन समिति अध्यक्ष की जिम्मेदारी दी गई है।

चार साल बाद भुवनेश्वर की वापसी– भुवनेश्वर कुमार की वापसी इस टीम चयन की सबसे बड़ी खबर है। अनुभवी तेज गेंदबाज ने करीब चार साल बाद राष्ट्रीय टीम में जगह बनाई है।

22 अक्टूबर से शुरू होगी टी-20 सीरीज

भारत और न्यूजीलैंड के बीच पांच मैचों की टी20 सीरीज 22 अक्टूबर से 1 नवंबर के बीच खेली जाएगी। सीरीज का पहला मुकाबला क्राइस्टचर्च में होगा। इसके बाद तीसरा मुकाबला वेलिंगटन, जबकि चौथा और पांचवां मैच क्रमश: ऑकलैंड और हैमिल्टन में खेला जाएगा।

'इतिहास आपको याद रखेगा'

अगरकर का कार्यकाल समाप्त होने पर बोले गंभीर, आपके साथ काम करना मेरे लिए सौभाग्य की बात?

नई दिल्ली। अजीत अगरकर का सीनियर पुरुष चयन समिति के प्रमुख के तौर पर कार्यकाल समाप्त हो गया है। अगरकर अब आगे इस पद पर नहीं रहेंगे। अगरकर का कार्यकाल यादगार रहने के साथ ही विवादों में भी घिर रहा। अब भारतीय टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने अगरकर को सराहा है। गंभीर का कहना है कि इतिहास अगरकर के प्रति ज्यादा उदार रहेगा।

चार अक्टूबर को खत्म हुआ कार्यकाल

अजीत अगरकर का मुख्य चयनकर्ता के रूप में कार्यकाल चार अक्तूबर को खत्म हो गया। इसके बाद गुवाहाटी में हुई टीम चयन बैठक में अगरकर मौजूद नहीं थे। रिपोर्ट के मुताबिक, भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने फिलहाल चयन समिति के सदस्य और पूर्व भारतीय स्पिनर प्रज्ञान ओझा को कार्यवाही की जिम्मेदारी संभालने को कहा है। ओझा अब अंतरिम चीफ सेलेक्टर के तौर पर काम कर रहे हैं। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि प्रज्ञान ओझा स्थायी चीफ सेलेक्टर पद के लिए भी विकल्प बनकर उभरे हैं। चयन समिति में मौजूद सदस्यों में ओझा ने सबसे ज्यादा टेस्ट मैच खेले हैं।

गंभीर बोले-

अगरकर के साथ काम करना सौभाग्य की बात– अगरकर के साथ पिछले कुछ समय से गंभीर ने करीब से काम किया। अब जबकि अगरकर का कार्यकाल समाप्त हो गया है तो गंभीर ने सोशल मीडिया पर उन्हें भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी हैं। गंभीर ने एक्स पर लिखा, प्रिय अजित भाई, आपके साथ काम करना मेरे लिए बेहद सौभाग्य की बात रही। वे तीन आईसीसी ट्रॉफियां आपके अटूट विश्वास का प्रमाण हैं। हमेशा टीम पहले और टीम सबसे ऊपर। मैं कहना चाहूंगा कि इतिहास आपके प्रति ज्यादा उदार रहेगा। हर चीज के लिए शुक्रिया। आपको भविष्य के लिए मेरी दिल से शुभकामनाएं।

अगरकर के कार्यकाल में मिलीं यह बड़ी सफलताएं

अजीत अगरकर का भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य चयनकर्ता के तौर पर कार्यकाल कई बड़ी उपलब्धियों से भरा रहा। हालांकि, इसी दौरान विराट कोहली, रोहित शर्मा और रविचंद्रन अश्विन जैसे दिग्गजों के अंतरराष्ट्रीय करियर में भी बड़े बदलाव हुए। अगरकर के कार्यकाल को सिर्फ विवादों के नजरिए से नहीं देखा जा सकता। उनके चयन पैनल के दौरान भारत ने तीन आईसीसी खिताब जीते। इनमें 2024 और 2026 के टी20 विश्व कप तथा 2025 की चैंपियंस ट्रॉफी शामिल हैं। इसके अलावा भारत 2023 वनडे विश्व कप के फाइनल तक पहुंचा था। यानी अगरकर के नेतृत्व वाली चयन समिति के चुने स्क्वॉड ने पिछले तीन वर्षों में चार आईसीसी सफेद गेंद टूर्नामेंट के फाइनल में जगह बनाई और तीन खिताब जीते। अगरकर जुलाई 2023 में मुख्य चयनकर्ता बने थे।